CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वरतालसमूह

7·3

अ० 3/69
आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

लय
णसी-५
69

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

॥ श्रीः ॥

॥ लक्ष्मीवेङ्कटेश्वराय नमः ॥

स्वरतालसमूह.

जिसको

अचलदासस्यात्मज-बखतावरसिंह सहिवाला ज्ञाति
कायस्थ भटनागर, निवासी शहर उदयपूर,
राजधानी मुल्क मेदपाठ विख्यात मेवाड
राजपूताना इन्होंने बनाया.

उसको

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष "लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापेखानेमें
मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने
छापकर प्रसिद्ध किया.

शके १८३७, संवत् १९७२.

सन् १९१५

कल्याण-मुंबई.

रजिष्टरी सब हक यन्त्राधिकारीने अपने आधीन रक्खे हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वास्ते लिखता है और इसमें स्वर, श्रुति, मूर्छना, राग, रागिणी, पुत्र, भार्या, लयादिका वर्णन, ठेका, पखवाजकी परनें, सितारकी गतें तोडे, फीरोजखानी, मशीतखानी बाजकी, बोल, तराना, चतुरङ्ग, सर्गम सब तालोंमें बनाकर लिखी है और आलाप जोडभी लिखा है कि, जिसके द्वारा सीखनेवालेको सब तालोंका ज्ञान पूरा पूरा हो जावेगा. कुछ बोल प्राचीन लिखे गये हैं, बाकी सब इस तुच्छबुद्धिवालेके बनाये हुए हैं. रसिकमहाशयोंको उचित है कि इस पुस्तकको अच्छी रीतिसे चित्त लगाकर पढें और इसमें लिखित बातोंसे यथोचित ज्ञान प्राप्त करें तत्पश्चात् सितार अथवा दूसरे बाजेके सीखनेमें या गानेमें यथारुचि श्रम करें तो आशा है कि, आनन्द प्राप्त होगा. अभिलाषी मनुष्योंको उचित हैं कि चित्त लगाकर परिश्रम करें क्योंकि विशेषकर इस विद्यामें श्रम मुख्य फलदायक है, जो मनुष्य परिश्रम करेंगे, आनंदलाभको प्राप्त होंगे. इस ग्रंथके बनानेमें कई प्राचीन ग्रंथोंसे और अच्छे विद्वानोंसे सम्मति ली गई है विशेषकर सहायता ठा॰ गोवर्धनसिंह फरुखाबादीसे मिली है जो खाबियेमियां गुलामलीखान रामपुरी सरकार ग्वालियरके नोकरका शिष्य है, ये वर्तमानकालमें इस विद्याके अच्छे ज्ञानी हैं इस पुस्तकका नाम स्वरतालसमूह रक्खा जाता है. इसमें जो भूल चूक हो उसको सज्जनपुरुष क्षमा करें. इस पुस्तकमें लिखी हुई सब बातोंको अच्छे प्रकार समझनेके कारण निम्नलिखित सूचनापर अच्छे प्रकारसे ध्यान रखना चाहिये.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मङ्गलाचरण।

धन्य है वह परमात्मा सच्चिदानन्द परमेश्वर, जिसने इस संसारमें स्थावर, जङ्गम, देव, मनुष्यादि उत्पन्न किये और जो इन सबोंका पालन पोषण यथोचित करता है, नाना प्रकारके पदार्थोंसे सबोंकी कामना सिद्ध करता है, इस तरह सर्वशक्तिमान् जगदीश्वर यथारुचि कार्य करता है. उसका जितना यश गाया जावे उतना बहुत थोडा है. अच्छे अच्छे विद्वानोंने उसके गुणोंकी प्रशंसा करनेमें कई ग्रन्थ रचे तौभी उसकी लीलाका पार नहीं पाया और न कोई पावेगा. तो मुझ अल्पबुद्धिका क्या सामर्थ्य है, कि कुछ कहूं ब्रह्मस्वरूपकी माया तो अपरम्पार है. जगत्में कई विद्या प्राचीन हैं उनमेंसे एकका नाम सङ्गीत है, जो बहुत प्राचीन है. सदैव हरिस्मरण इसीमें होता आया है. क्यौं कि स्वर परब्रह्मस्वरूप है और लय मायास्वरूप है. स्वर और लयको पहँचानना वही ईश्वरका ज्ञान है. उपरांत इसमें एक लाभ औरभी है कि इसमें सांसारिक व्यवहारमें चित्तको आनन्द प्राप्त होता है. इस विद्यामें कई ग्रन्थ संस्कृतभाषामें हैं इससे संस्कृत जाने विना उससे लाभ नहीं मिल सक्ता है. इस विद्याके अच्छे अच्छे विद्वान् हुए हैं उनकी प्रशंसा और कर्तव्यतासेभी कई ग्रन्थ भरे हैं और उन्होंनेभी कई ग्रन्थ लिखे हैं, जिनमें हरिस्[illegible] गाया है, परन्तु केवल इन पुस्तकोंहीसे यह विद्या अभ्यास विना अच्छे प्रकारसे समझमें [illegible] इस विद्याको सीखनेमें मनुष्य प्राचीन समयसे बहुत रुचि रखते हैं, धनाढ्य और निर्धन सभही इसके सीखनेमें यथाशक्ति श्रम करते हैं, इस वर्तमान समयमेंभी इसके अच्छे अच्छे विद्वान् प्रतिष्ठित हैं. परन्तु हर मनुष्यको उनसे इस विद्याका ग्रहण करना और वर्षोंतक श्रम करना बहुत कठिन है क्यौं कि स्वर व लयको सिद्ध करना कई वर्षोंका काम है. इसी हेतुसे गाना कठिन समझकर बुद्धिमानोंने बाजे, वीन, रबाब सरोदादि बनाये जो संसारमें प्रचलित हैं. इनसेभी और सुगमताके कारण सितार बनाया जिसका अभ्यास इस समय विशेष किया जाता है. सितारकी गत तोडे विद्वानोंने बनाकर अच्छी पुस्तकें मुद्रित करा दी हैं, जिनसे सीखनेवालोंको बहुत सहायता मिलती है परंतु विना शिक्षकके सिखाये एकाएक कहीं उनसे कोई सहायता नहीं मिल सक्ती है, क्यौं कि पहले सितार उस्तादसे सीखे फिर किताबसे तो फायदा होगा. इन पुस्तकोंमें विशेषकर ताल तिताला लिखी गई है इस कारणसे दूसरी तालोंका ज्ञान मनुष्यको नहीं होता है इस हेतुसे अकिञ्चन अचलदासस्यात्मज बखतावरसिंह सहिवाला, ज्ञाति कायस्थ भटनागर, निवासी शहर उदयपुर, राजधानी मुल्क मेदपाट विख्यात मेवाड राजपूताना अपनी अल्पबुद्धिके अनुसार इस पुस्तकमें सब तालोंको जो वर्तमान समयमें काममें आती हैं, इस विद्याके अभिलाषी सज्जनोंके

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सूचना.

सरगम, तराना, चतुरंग व सितारके बाजकी गतें, तोडे, बोल व पखावजकी परनोंमें ऊपर जो अंक गिनतीके लिखे हैं. वे तालक अंक हैं. जिस बोलपर अंक हैं, उसको वह ताल समझना चाहिये. एक दो, तीन, चार वगैरह और जहां सम आया वहां ' स ' व जहां खाली आई वहां ' ख ' लिखी है और जिस तालमें सम आगे पीछे आया है वहां वैसाही लिख दिया है. जर्बके साथ सम आया तो वहां जर्बके साथ लिखा है और जर्बके आगे आया तो आगे लिखा है, सो समझ लेना चाहिये, सितारकी गतों व तोडोंके नीचे गिनतीके अंक लिखे हैं वे स्वरोंकी समझके वास्ते लिखे हैं. सितारके पर्दोंकी गिनती मुजब जिस बोलके नीचे अंक हैं, उस पर्देपर वह बोल लगाया जावे तो वह स्वर बोलेगा. यह गिनती सितारके पर्दोंकी हैं. इसी मुजब याने येही स्वर आलाप अंतरा आभोग व सरगमके समझना चाहिये और येही जोडकेभी हैं. यह खयाल शायकीन् फरमा लेंगे. सितारमें सोलह पर्दे होते हैं उनकी गिनती इस तरहपर लगाई गई है याने सितारकी खूंटियोंकी तरफ़से गिनती शुरु की है. इस तरफ़से पहला पर्दा कडी मध्यमका है, दूसरा पंचमका, तीसरा धैवतका, चौथा उतरी निषादका, पांचवां निषादका, छठा षड्जका याने स्वरका, सातवां ऋषभका, आठवां गांधारका, नववां मध्यमका, दसवां कडी मध्यमका, ग्यारहवां पंचमका बारहवां धैवतका, तेर८ निषादका, चौदहवां टीपका, पन्द्रहवां ऋषभका, सोलहवां गांधारका है और किताबमें कई जगहपर बोलके नीचे सतरहका अंक लिखा है वह सतरहवां सितारका पर्दा मध्यम समझना चाहिये. यह जिस जगह आवे वहां मध्यम स्वर लगाया जावे. सितारमें सोलहवें पर्दे गांधारपर मींड देकरभी मध्यम बोला जावे. इस लिखे मुजब अच्छी तरह समझ लेना चाहिये और इसी तरह ऊपरके पर्दोंमें जहां दूसरा पर्दा है वह पंचमका है. सितारमें तार बाज खुले बोलनेसे उतरी मध्यमस्वर बोलेगा इसके वास्ते अक्षरके नीचे ० ऐसा चिह्न लगाया है. यह ख्याल रखना चाहिये. कहीं २ टीपके वास्ते ' ट ', कडीके वास्ते ' क ', दमके वास्ते ' द ' और मींडके वास्ते ' म ' अक्षरके ऊपर लगाया है.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना—
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
' लक्ष्मीवेंकटेश्वर ' छापाखाना,
कल्याण-मुंबई.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीगणेशाय नमः ।

अथ

स्वरतालसमूहकी विषयानुक्रमणिका ।

विषय.	पृष्ठ.	विषय.	पृष्ठ.
मंगलाचरण	१	सोरठी	२४
सूचना	३	मालकोस	२६
सप्तक स्वर आदिका वर्णन	१	गोरी	२८
षड्जग्रामआदिका वर्णन	२	टोडी	२९
स्वरोंके नाम आदिका वर्णन	३	गुनकली	३१
स्वरोंकी श्रुतियें और स्वभाव	४	कुंबाएती	३२
तान आदिका वर्णन	”	कोकब	३३
तीव्र कोमल स्वरोंका हाल और आलापका वर्णन	५	गंधार	३४
		मारू	३६
अस्थाई आदिका हाल	६	बडहंस	३७
अच्छे गानेके नाम व स्वभाव	७	धनासरी	३८
बहुता रागिणी आदिका हाल	”	मालसरी	३९
छः राग और उनकी रागिणी, पुत्र, और भार्याके नाम....	८	जेतसरी	४१
		सुगरेई	४२
भैरव	१०	भीमपलासी	४३
भैरवी	१२	कामोदी	४५
सिंधवा	१३	गंधारी	४६
बेरारी	१५	हिंडोल	४७
मंदमाधवी....	१६	बिलावल	४९
बेंगाल	१७	रामकली	५०
पूरिया	१८	ललित	५२
सुद्ध	२०	देवशाक	५३
पंचम	२१	पटमंजरी	५४
बिलावली....	२२	गोरा	५६
सुहा	२४	बिभास	५७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

षय.	पृष्ठ.	विषय.	पृष्ठ.
र्ी	५८	सारंग	१००
रवन	५९	नटनारायण	१०२
गिरी	६१	शंकराभरण	१०३
पक	६२	कल्याण	१०४
नडा	"	गंधार	१०६
दी	६४	साहना	१०७
कोद	६५	विहारी	१०९
रा	६७	परज	११०
न	६८	अकसाम रागरागिणीके नाम	११२
करा	७०	कालिंगडा	११४
डाना	७१	देवगंधार	११५
जेवंती	७२	सिंधभैरवी	"
पाली	७३	वाहरी	११६
मन	७५	जोतपुरी	११७
मीर	७६	जोगीया	"
श्रीराग	७७	सुरपरदा	११८
संत	७९	अलीया	"
ालसरी	८१	सकलबिलावल	११९
आसावरी	८२	गोडसारंग	"
मारवा	८३	मालीगोरा	१२०
धनाश्री	८५	सुरमलार	"
सिंदुरा	८६	मीयाकी मलार	१२१
गौड	८७	मुलतानी	१२२
विहागडा	८९	वेसवाडा	"
सोहनी	९०	जींजोटी	१२३
मेघराज	९१	धानी	"
भोपाली	९४	बीरवा	१२४
मलार	९५	पीलु	"
गूजरी	९६	जंगला	१२५
तनक	९८	पाहाडी जींजोटी	"
देशकार	९९	गारा	१२६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विषय.	पृष्ठ.	विषय.	पृष्ठ.
स्याम	१२६	षटराग	१३५
खमाएच	१२७	भटियार....	"
देस	१२८	सावंत	१३६
जिला	"	परदीपका	"
छाया	१२९	हेम	१३७
हुजाज	"	मुतफरुकात राग रागिणीके नाम.	"
विहाग	१३०	मुतफरुकात राग रागिणीकी गतें.	१३९
संकरा	१३१	मुतफरुकात राग रागिणीके बोल, ध्रुपद, ठुमरी, टप्पा, तराणा, होरी.	१४५
तिलककामोद	"	मुतफरकात राग रागिणीके नये बोल	१४८
काफी	१३२	मुतफरुकात राग रागिणीकी होरियां	१५४
बागेसरी....	"	लेहका हाल	१५८
संदुरीया....	१३३	तालोंका हाल	१६०
बेसोरी	"	मुतफर्रिक तालोंकी परनें	१६४
धोलसरी....	१३४		
बेलफ	"		

इति विषयानुक्रमणिका समाप्त ।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना–
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास
"लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापाखाना,
कल्याण–मुंबई.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीगणेशाय नमः ।

अथ

स्वरतालसमूह.

सप्तक, स्वर, श्रुति आदिका वर्णन.

सप्तक–उसको कहते हैं, जिसमें सातही सुर (स्वर) आवें. सप्तक तीन प्रकारकी है, मंद, उतरी और चढी.

आरोही–उसको कहते हैं, जिसमें शुद्ध स्वरसे चढे स्वरकी तरफ याने खरजसे टीपकी तरफ जावे.

अवरोही–उसको कहते हैं, जिसमें चढे स्वरसे उतरे स्वरकी तरफ याने टीपसे खरजकी तरफ जावे.

स्वर–स्वर नाम आवाजका है, इसमें श्रुति बोलती है. स्वरके सात दरजे हैं. स्वरमें श्रुति व मूर्छनाके बोलनेसे राग रागिणी पैदा होती हैं.

श्रुति–यह स्वरमें बोलती है और छिपी रहती है, राग रागिणी आदिकी शकल श्रुति, मूर्छना व कलासे बनती है.

मूर्छना–यह दो स्वरके बीचमें बोलती है. जैसे खरजसे रिखबपर आवे इस बीचमें मूर्छना बोलती है. इसी प्रकार सब स्वरोंके बीचमें बोलती है. इसके साथ कलाभी उत्पन्न हो जाती है.

ग्राम–उसको कहते हैं कि एक स्थानसे दूसरे स्थानतक जावे व आवे और बीचमें विश्राम लेवे. जैसे खरजसे टीपपर जावे और मध्यमपर विश्राम लेवे, इसको ग्राम बोलते हैं.

आलाप–उसको कहते हैं कि, राग रागिणी आदिके खास स्वर लगाये जावें.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तान—उसको कहते हैं जिसमें राग रागिणी आदिके स्वर एक एक दो २, तीन २, चार २, पांच २ या विशेष प्रकारसे लगाये जावें.

जोड—उसको कहते हैं, जिसमें राग रागिणी आदिके स्वर दो २, तीन २, चार २, पांच २ मिलाकर लगाये जावें आखिरपर सम देवे.

लय—लय नाम एक अंदाजा याने प्रमाणका है, जिस तालमें हो उसकी चाल उसी मुजब बनी रहेगी, न्यूनाधिक नहीं होगी.

बडास्वर—उस स्वरको कहते हैं. जो निज स्थानसे चढा उतरा होवे, इससे राग रागिणी आदिका स्वरूप बिगड जाता है.

आवर्त—उसे कहते हैं, जिसमें एक ताल पूरी आवे याने प्रथमसे अंततक.

कला—उसे कहते हैं, जो श्रुति मूर्छनाओंके बीचमें पैदा होवे.

खरजग्राम—यह पहली सप्तक, नाम मंद्र, उठाव नाफ (नाभी) से.

मध्यमग्राम—यह दूसरी सप्तक, नाम मध्यम, उठाव कंठसे.

निषादग्राम—यह तीसरी सप्तक, नाम तार, उठाव दिमागसे.

वादी स्वर—उसको कहते हैं, जो राग रागिणी वगैरहका खास स्वर हो और सबसे ज्यादा लगे इससे राग रोशन होवे.

संवादी स्वर—उसको कहते हैं, जो वादीका मददगार होवे और उससे कम लगे और वादीके साथ लगे और रागिणीकी शकल पैदा करे.

अनुवादी स्वर—उसको कहते हैं, जो संवादीकी मदद करे और उसके पीछे लगाया जावे, इससे राग रागिणी दरश जाती है.

विवादी स्वर—उसको कहते हैं, जिसके लगानेसे राग रागिणी आदिका स्वरूप बिगड जाता है, जो किसीमें लगाया जावे तो अगर शुद्ध विवादी हो तो तीव्र कोमल कर थोडासा लगाया जावे, इसको बडारभी कहते हैं.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वरोंके नाम आदिका कोष्टक.

नंबर.	१	२	३	४	५	६	७
स्वरोंके नाम.	खर्ज षड्ज	रिषभ ऋषभ	गंधार गांधार	मद्धम मध्यम	पंचम ,,	धैवत ,,	निखाद निषाद
सर्गमके स्वर.	सा	रे	ग	म	प	ध	नी
आरोहीके स्वर	सा	रे	ग	म	प	ध	नी
अवरोहीके स्वर.	नी	ध	प	म	ग	रे	सा
चल अचल स्वर.	अचल	चल	चल	चल	अचल	चल	चल
स्वरोंका आकाश व ग्रह.	आ. १ चंद्रमा	आ. २ बुध	आ. ३ श.	आ. ४ सू.	आ. ५ मं.	आ. ६ वृ.	आ. ७ श.
स्वरोंका स्वभाव.	शरदतर	शरद. खुश्क	शरदतर	गरम खुश्क	गरम खुश्क	मोअत-दिल	शरद खुश्क
स्वरोंके रंग.	सुफेद सुरख स्याही माइल	नीलगुं	सुफेद गंदुमी	स्याह व सुरख	सुरख	सुफेद जर्दीमाइल	स्याह
मोसम.		वसंतऋतु	ग्रीष्मऋतु	वर्षाऋतु	शरदतु	हेमतऋतु	शिशिरर्तु
आवाजके जानवर.	मयूर	पपैय्या	बकरा	क्रौंच	कोयल	दादर	हाथी
स्वरोंके द्वीप.	जंबु	प्लक्ष	शाल्मली	कुश	क्रौंच	शाक	पुष्कर
स्वरोंकी जाति.	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	ब्राह्मण	ब्राह्मण	क्षत्रिय	शूद्र
स्वरोंके कुल.	देव	ऋषि	देव	देव	पितर	ऋषि	दानव
स्वरोंके देवता.	ब्रह्मा	सूर्य	अग्नि	इंद्र	विष्णु	नारद	रुद्र
स्वरोंकी सवारी.	बैल	घोडा	रथ	हाथी	पालकी	शेर	भैंसा
स्वरोंका पोशाक.	सुफेद	सुरख	सुरख	सुफेद	पीली	सुरख	स्याह
स्वरोंके हथियार.	फरसा	खांडा	धनुषबाण	मुद्गर	कटार	मुसल	शूल
स्वरोंकी श्रुतियां	१ तीव्रा २ कुमुद्वती ३ मन्दा ४ छंदोवती	१ दयावती २ रंजनी ३ रतिका	१ रौद्री २ क्रोधा	१ वज्रिका २ प्रसा० ३ प्रीति ४ मार्जनी	१ क्षिती २ रिक्ता ३ संधिनी ४ आला०	१ सुदती २ रोहिणी ३ रम्या	१ उमा २ क्षोभिणी
मूर्छना षड्जग्रामकी	उत्तरमन्द्रा १ सा	रंजना २ रे	उत्तरा-यता ३ ग	शुद्धषड्जा ४ म	मत्सरि-क्रांता ५ प	अश्वक्रांता ६ ध	अतिरुद्गता ७ नी
मूर्छना मध्यमग्रामकी	सौवीरी १ म	हारिणी २ प	कपोल-नता ३ ध	शुद्धमध्यमा ४ नी	मार्गी ५ सा	पौरवी ६ रे	मंदाकि० ७ ग
मूर्छना निषादग्रामकी	नंदा १ नी	विशाला २ सा	सुमुखी ३ रे	विचित्रा ४ ग	रोहिणी ५ म	सुखा ६ प	आलापी ७ ध
दरजा स्वरोंका क्रमें सात.	सा रे ग म प ध नी	रे ग म प ध नी सा	ग म प ध नी सा रे	म प ध नी सा रे ग	प ध नी सा रे ग म	ध नी सा रे ग म प	नी सा रे ग म प ध

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वरोंकी श्रुतियें और उनके स्वभाव ।

खर्जस्वर–१तीव्रा [चपल], २ कुमुद्वती [प्रफुल्लित करे], ३ मंदा [स्वरूप करे], ४ छंदोवती [विस्तार करे]।

ऋषभ–१ दयावती [प्रेम करे], २ रंजनी [मोहित करे], ३ रतिका [शून्य भाव करे याने लज्जारहित] ।

गांधार–१ रौद्री [शून्यता याने ध्यान करना], २ क्रोधा [त्याग करना] ।

मध्यम–१वज्रिका [कठिनता], २ प्रसारिणी [परकार्य सिद्ध करना], ३ प्रीति [प्रेम करे], ४ मार्जनी [प्रकाश करना]।

पंचम–१ क्षिति [गंभीरता], २ रिक्ता [खाली व रुकना], ३ संधिनी [जोडना], ४ आलापवंती [पसारना]।

धैवत–१ मुद्रती [मुद्रा याने ध्यान करना], २ रोहिणी [ऊंचा करना] ३ रम्या [प्रेम करना] ।

निषाद–१उग्रा [भय करना] २ क्षोभिणी [क्षोभ अहंकार रुखाई करना] ।

अर्चिक–उस तानका नाम है जिसमें हर एक स्वर बार बार आरोही अवरोहीमें ऊपर नीचे बोले ।

रागांग–उस तानका नाम है जिसमें दो स्वर आरोही अवरोहीमें आवें ।

सामक–वह तान है जिसमें तीन २ स्वर आरोही अवरोहीमें आवें ।

सरानक–उस तानका नाम है जिसमें चार २ स्वर आरोही अवरोहीमें बराबर आवें ।

अस्थाई–उसको कहते हैं कि हर एक चीज इससे शुरू होवे यह पहला पद कहलाता है । उठाव मंद्रसे यह एक या दो तीन आवर्तकी होती है ।

संचारी–इसको तुक अस्थाईसे थोडी आगे जावे, फिर असली जगहपर आवे । उठाव पंचमसे याने नीचेसे । यह दूसरा पद कहलाता है और एक आवर्तका होता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा—इसकी तुक बीचसे उठती है और टीपतक जाती है । इसका उठाव मध्यमसे याने ऊपरसे है । यह तीसरा पद कहलाता है और एक आवर्तका होता है ।

भोग—इसकी तुक बीचसे याने मध्यमसे उठती है और टीपसे बुलंद ऋषभ गांधारतक जाती है । यह चौथा पद दो आवर्तका होता है ।

आभोग—इसकी तुक बीचसे उठती है और टीपसे जादे बुलंद गांधार मध्यमतक जाती है । दो तीन आवर्तका होता है ।

तीनों ग्रामोंका सबूत सितारपर बताया जाता है ।

खर्ज ग्राम—सितारके खरजके पर्देपर तार मध्यमको दबाकर बुलावे तो खर्ज स्वर पैदा होगा और खर्जसे टीपतक इसकी सतक है ।

मध्यमग्राम—यह सितारके मध्यमके पर्देपर खर्जके तारको दबाकर बुलावे तो खर्ज स्वर पैदा होगा और मध्यमसे मध्यमतक इसकी सप्तक है ।

निषादग्राम—यह सितारके पर्दे नीचेकी निषादपर तार पंचमको दबाकर बुलावे तो खर्ज स्वर पैदा होगा और निषादसे निषादतक इसकी सप्तक है ।

सकारी—वह स्वर जो तीन दरजा उतरा होवे ।

अतिकोमल—दो दरजा उतरा होवे ।

कोमल—एक दरजा उतरा होवे ।

शुद्ध स्वर—वह स्वर कि असली जगह पर रहे ।

तीव्र—वह जो शुद्धसे एक दरजा चढे ।

अतितीव्र—यह दो दरजा चढा होवे ।

तीव्रतम—यह तीन दरजा चढा होवे ।

संचार पहला—जो स्वर जिस राग रागिणी आदिमें वादी होवे उस स्वरसे आलाप शुरू करे यह स्थान हर एक राग रागिणीका है ।

संचार दूसरा—दूसरी दफे आलापमें कुल स्वर मुकर्रर राग रागिणी पर विसंवादी स्वर दिखाकर वादी स्वरपर आवे फिर खर्जपर समाप्त करे ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संचार तीसरा—तीसरी दफे आलापमें वादी संवादी अनुवादी स्वर उस राग रागिणीके ऊपर होकर टीपपर जावे। अंतरेके समान फिर उस राग रागिणीके वादी स्वर मुकर्ररपर हो खर्ज पर आवे। इससे राग रागिणीमें रौनक होती है।

संचार चौथा—चौथी दफे आलाप टीपसे बुलंद ऋषभ गांधारतक हो फिर उस राग रागिणीके वादी संवादी अनुवादी स्वरपर हो खर्जपर आवे, इससे राग रागिणी असली हालतपर आती है।

१	तानके स्थान	नाद	गमक	कंठ	बंध	ये ऊपर लिखे हुए अक्षर आलापमें आते हैं और यहभी वजनमें अद्रुत द्रुत लघु गुरु पलटके मात्रा द्विमात्राका होता है।
२	खुलासा	यह नाभिसे ली जाती है	सीनेसे ली जाती है	कंठसे ली जाती है	दिमागसे ली जाती है	
तानके अक्षर	आ	ने	ना	रे	री	

सयुंक्त अक्षर	नद्दत	तनुम	अतितनुम	तनना	तनरी	आऐ	वाऐ	ओ	औ

अस्थाई—उस आलाप या तानका नाम है जिसमें खर्ज स्वर जादे बोला जावे और उच्चारणभी खर्जसे होवे, पहलेका स्वर अंतमें आकर बोले। इसकी सात किस्में हैं। इसका नाम नाद है, उठाव नाभीसे होता है।

संचारी—यह तान धैवतसे, कभी गांधार, मध्यम या पंचमसे उठती है यह अंतराकी तरह ली जाती है। इसका नाम कंठ है। यह गलेसे ली जाती है।

भोग—यह तान गांधारसे, कभी मध्यमसे उठती है। यह भोगके बतौर ली जाती है। इसका नाम गमक है, यह सीनेसे ली जाती है।

छोली—यह तान हर स्वरसे ली जाती है। इसका नाम बंध है। यह दिमागसे ली जाती है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मूर्छनाके नाम व स्वभाव ।

नाम मूर्छनाके खर्जग्राम	उत्तरमंद्रा	रंजनी	उत्तरायता	शुद्धषड्जा	मत्सरिक्रांता	अश्वक्रांता	अतिरुद्गता
खासियत मूर्छना	शून्यता	लज्जा करना	ध्यान लगाना	शुद्धरहना	कठोरता	क्षमाकरना	निर्मलता
नाम मूर्छना मध्यमग्राम	सौवीरी	हारिणी	कपोलनता	शुद्धमध्यमा	मार्गी	पौरवी	मंदाकिनी
खासियत मूर्छना	धारन करना	अच्छा ग्रहण करना	क्लेशकरना	बर्जना	कामक्रोध त्याग करना	अमृत तुल्य रहना	मन करना
नाम मूर्छना निखादग्राम	नंदा	विशाला	सुमुखी	विचित्रा	रोहिणी	मुखा	आलापी
खासियत मूर्छना	शीतलता	अच्छापन	फैलाना	खुशरहना	गर्जना	प्रफुल्लितता	मस्त रहना

राग रागिणी आदिका हाल ।

मारग—उस राग रागिणीको कहते हैं जो हर देश व शहरमें एकही तरह शकले मुकर्रर गाई जावे और उसकी तरह मुश्किल होती है। हर एककी समझमें जल्द नहीं आती है।

देसी—उस राग रागिणी आदिको कहते हैं कि हर देश व शहरमें मुखलिफ और वजह वजहसे गाई जावे और आसान तरह होवे कि हर एक जल्दीसे समझ सके।

शुद्ध—उस राग रागिणी आदिको कहते हैं जो खालिस हो और किसी रागिणी आदिका मेल न हो और सब श्रुतियां पृथक् पृथक् कायम होवें एक दूसरीसे न मिले।

महाशुद्ध—उस राग रागिणीको कहते हैं जो शुद्धसेभी खालिस होवे और किसी राग रागिणी आदिसे मेल न रक्खे और सब श्रुतियें उसमें ने ठिकानेपर कायम रहें और किसीसे मेल न रक्खे और किसीकी भी न होवे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सालुनीक—उस राग रागिणी पुत्र भार्या आदिको कहते हैं जिसमें दूसरी रागिणीकी साया व अक्स पडता हो।

संकीरण (संकीर्ण)—उस राग रागिणी आदिको कहते हैं कि जो दो शुद्ध चीजोंसे मुरक्कब होकर एक तुक या जादे हो या पांच छः रागिणी मिलकर कोई सूरत पैदा करे।

महासंकीर्ण—उस राग रागिणी आदिको कहते हैं कि जो दो सालनीक या दो संकीर्ण चीजोंसे या शुद्ध व सालनीक, या शुद्ध संकीर्णसे मुरक्कब होवे।

ओडव—इसको आदुभी कहते हैं। यह उस राग रागिणीका नाम है जिसमें चार या पांच स्वर लगते हैं।

षाडव—इसको खादूभी कहते हैं। जिस राग रागिणी वगैरहमें ६ स्वर लगें उसे खादू कहते हैं।

संपूर्ण—जिस राग रागिणीमें सातही स्वर लगते हैं उसको संपूर्ण कहते हैं।

राग रागिणी और उनके पुत्र और भार्या।

भैरव राग।

रागिणी—१ भैरवी, २ सिंधवी, ३ वेरारी, ४ मंदमाधवी, ५ बंगाल।

पुत्र—१ हरक, २ माधो, ३ पूरिया, ४ सुद्दु, ५ पंचम, ६ मंद, ७ तिलक, ८ वलीना।

भार्या—१ विलावली, २ सुहा, ३ सोरठी, ४ इदीयाही, ५ भीलगूजरी, ६ पटचंचली, ७ कुवारी, ८ मीरी।

मालकोसराग।

रागिणी—१ गोरी, २ टोडी, ३ गुनकली, ३ कुंवाएती, ५ कोकव।

पुत्र—१ गंधार, २ मारु, ३ वडहंस, ४ मवल, ५ चंद्रक, ६ भोहर, ७ आनन्द, ८ खोकर।

भार्या—१ धनासरी, २ मालसरी, ३ जेतसरी, ४ सुगरेई, ५ भीमहेलासी, ६ कामोदी, ७ गंधारी, ८ दुर्गा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिंडोलराग ।

रागिणी—१ बिलावल, २ रामकली, ३ ललित, ४ देवशाक, ५ पटमंजरी।

पुत्र—१ चंद्रभनय, २ मंगल, ३ सुभाह, ४ आनन्द, ५ विनोद, ६ परधुन, ७ गोरा, ८ विभास ।

भार्या—१ गीरवी, २ लेलावती, ३ चेती, ४ पूर्वी, ५ पारावती, ६ तुरवन, ७ देवगिरी, ८ सरस्वती ।

दीपकराग ।

रागिणी—१ कानडा, २ देसी, ३ कामोद, ४ केदारा, ५ नट ।

पुत्र—१ कुलंग, २ भाकरा, ३ मंगलाष्टक, ४ अडाना, ५ रहसमंगला, ६ चंपक, ७ कुंतल, ८ कुसम ।

भार्या—१ मंगलगूजरी, २ जेजेवंती, ३ मालगूजरी, ४ मनोहर, ५ अहीरी, ६ भोपाली, ७ एमन, ८ हमीर ।

श्रीराग ।

रागिणी—१ वसंत, २ मालसरी, ३ आसावरी, ४ मारवा, ५ धनासरी ।

पुत्र—१ संदूरा, २ मालू, ३ गौड, ४ धनसागर, ५ कुंभ, ६ गंभीर, ७ शंकर, ८ विहागडा ।

भार्या—१ ध्यानजी, २ कुंभ, ३ सर्व, ४ खेम (क्षेम), ५ सहस्त्ररेखा, ६ विजना, ७ सदासुती, ८ सोहनी ।

मेघराग ।

रागिणी—१ भोपाली, २ मलार, ३ गूजरी, ४ तनक, ५ देशकार ।

पुत्र—१ जालंधर, २ गजधर, ३ सारंग, ४ नटनारायण, ५ शंकराभरण, ६ कल्याण, ७ गंधार, ८ साहना ।

भार्या—१ कनहडनाट, २ गावदी, ३ गाभनाट, ४ विहारी, ५ मांज, परज, ७ नटमंजरी, ८ शुद्धनाट ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भैरवराग ।

इस रागमें स्वर गुरु धैवत है और इसका उच्चार धैवतसे है । वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी खर्ज और विवादी ऋषभ व पंचम शुद्ध है । जिससे ऋषभ सकारी, पंचम तीव्र लगता है । इसका वक्त चार घडी रातसे सूर्योदयतक है । इसमें ये स्वर लगते हैं—खर्ज मध्यम शुद्ध, ऋषभ धैवत सकारी, गांधार निषाद पंचम तीव्र । मारग व शुद्ध है । पूरिया, हिंडोल, शुद्ध व कानडासे मुरक्कब (मिश्रित) है । हाल रिवाजमें आड़ु है । जिसके खास स्वर ये हैं—ध नी सा ग म । स्वरूप इसका महादेवजीके दक्षिण मुँहका है । इसकी ऋतु सर्द है । स्वभाव खुशी पैदा करनेका है । इसके अकसाम चार हैं । शुद्ध भैरव १, कडी भैरव २, कीरल भैरव ३, संकी या संकीरन भैरव ४ । इस रागमें सच्चे स्वर लगनेपर कोल्हू विना बैल चलने लगता है ।

आलाप ।

ने दुर त नोम् ओ ने त ने ना अ ने ऐआ नेतों ओ ओम्

ध नी सा ग म नी ध प म ग म ग रे नी सा ।

अंतरा—ग म नी सां[२] सा नी ध प म ग म नी नी ध नी नी ध प म ग म ग रे नी सा । आभोग—म नी सां[२] सा सा नी सा म म ग ग रे नी सा नी ध प म नी नी ध ध ध प म नी नी ध ध प म ग म नी ध प म ग म ग रे नी सा ।

सरगम ब्रह्मतालकी ।

अस्थाई—ध[१ स] नी सा ग म[२] नी ध प ग[३] म ग[३] रे सा सा सां[४] सा नी[५] स । ग म नी[२] ध प म ग[३] म ग[४] रे नी[५] सा । अंतरा समसे—ग[१ स] म नी सा सां[१] नी ध प म[२] ग भ[३] नी नी ध नी[४] नी ध[५] प ध ध प[६] म प म ग[७] म ग[८] रे नी[९] सा ।

गत मशीतखानी बाजकी ताल सवारीकी ।

दां[१ स] दा रा दा रा दां[२] दिर दा रा दा दा रा दिर दां[३] दिर दा रा दा दा रा

३ ५ ६ ६ ८ ९ १३ १२ ११ ९ ८ ९ १३ १३ १२ १३ १३ १२ १४ १३

दिर दा दां[४] रा दिर दा दिर दा रा । तोडा समसे—दां[१ स] दा रा दा रा दां[२] दिर

१२ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ५ ६ ९ १३–१४ १४ १४ १३ १

दा रा दा दा रा दिर दां[३] दिर दा रा दा दा रा दिर दां[४] दा रा दिर दा दिर दा रा

११ ९ १३ १३ १२ १३ १२ १३ ११ ९ १३ १२ १३ १३ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

गत फीरोजखानी बाजकी ताल कोकिला।

दाँ रा थ दा दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दिर दिर दार दार दिर दाँ
३ ५ ४ ८ ९ १३ १३ १२ ११ ९ ८ ९ १३ १३ १२ १३ १२ ११
दिर दाँ दार दा दाँ रा दाँ रा। तोडा समसे–दाँ दा र दा दाँ रा दाँर दा
९ १३ ११ १२ ९ ८ ७ ६ ८ ९ १३ १४ १४ १४ १३ १२
रा दाँ दिर दाँ दा रं दा दा रा दाँ दिर दाँ रा दा रा दाँ रा दाँ रा।
१४ १३ १२ ११ ९ ८ ९ १३ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ५ ६

तराणा ताल तितालाकी।

तंनोम तदरदानी दीरना दीरदीर तोम्‌ दीरदीर तोम्‌ दिरदिर तोम्‌ तनोम्‌ तनोम्‌ तोम्‌ तोम्‌। अंतरा–तंदरदानी दिरना तनाँ तना तोम्‌ तनोम्‌ तदानीदानी होदानी तदानी तनोम्‌ तनोम्‌।

जोड।

ध नी सा ग म नी ध प म ग म ग रे नी साँ सा सा सा नी नी ध नी नी ध ध ध नी सा ध नी सा साँ सा सा सा नी ध नी सा ग म म म म ग ग म म ग म ग ग रे साँ साँ सा सा सा नी सा ग म नी ध प म नी नी धध ध प प प म म म ग ग म ग म ग रे नी सा साँ सा सा सा साँ नी ध म प म ग रे सा साँ सा सा सा नी नी ध ध प म ध प म नी ध प म ग म ग रे नी सा साँ सा सा सा।

बोल ताल चोतालामें।

अस्थाई–क्यों दूर हे दईयारे न चेअनें। अंतरा समसे–जो लख ले हैं सास ननदीयाँ अअबहो कैसी करीहो। अंगीयाँ दरक करके गई चुरिया और नख वसनें छाप मुखें मंडन पीक कपोलें अधर अंजनें पाँएन परिहो बलैया लेही हों।

चतुरंग ताल आडा चोतालाकी।

ध नी साँ ग म नी धं प म ग मं ग रे सा साँ नी धं प म नी धं प म ग मं ग रे सा। चतुरं गावो बजावो मृदंग बोल धांत्रिककिट तिकागदिगिनधाधि धिनूनिक धिनि निक धिनिनिक धांकिट किडतिकाँ गदिगिनधा तिकागदि–

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गिन धाँकिट तिकधुम। तोम्रँ तोम्रँ तनोम्रँ तनोम्रँ तोम्र दिरना दिम्रँ दिम दिरदिर दिरे नातदारि दानी। चातुरे मिल रिजाअवो गुनियनको जिन जगावो प्यारे मयिकालागीलोअँखीया तोरे संग बैलमाअँ भोर भई।

भैरवी।

भैरव रागकी रागिणी भैरवीमें सुर गुरु मध्यम कोमल है, उचार मध्यमसे है, मध्यम वादी, गांधार संवादी, धैवत अनुवादी है, शुद्ध पंचम व ऋषभ विवादी है। जिससे पंचम तीव्र। ऋषभ सकारी लगती है। समय प्रातःकाल और मोसम शरदृतु है। इसमें ये स्वर लगते हैं—खर्ज मध्यम शुद्ध, मध्यम किंचित् कोमल, ऋषभ गांधार धैवत निषाद सकारी, पंचम तीव्र। मारग व शुद्ध है। संपूर्ण है जिसके खास स्वर ये हैं—म प ध नी सा रे ग। बेरारी, शुद्ध, ललित, सारंग व पंचमसे सुरक्षब है। रूप देवीका। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

ने नेने अ ना अ ने ने ने ने अ आ आ तोम ते ने ना ने री ना अ तोम म प ध प प म प मा म ग ग रे सा नी ध म प ध सा सा सा।

अंतरा—म प प ध नी सा सा सा सा नी ध म प ध प म ग ध प ध प म ग ध प म प म ग रे सा। आभोग—म प ध ध नी नी सा सा सा सा ग म ग ग रे सा म म ग ग ग रे रे सा सा सा ग ग ग रे रे सा सा नी नी ध ध ध प म प प प म म ग ग ग ध प म ग ध म प म ग रे सा।

सरगम ताल फरदोस्त।

मे म म गे ग रे सा सा सा पै प धै म पै ग नि प प ध गं ध प धे नी म गें ध प धें प पें प मे प मे ग रे सा। अंतरा—मे ध प धें नी सा सां सा सा सां नी धें प में प मे ग रे सा

गत मशीतखानी चोतालामें।

दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दा रा दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दा रा। तोडा समसे—दाँ दा रा दिर दाँ दा रा दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दा रा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत पूरवी बाज, ताल सूलफाखता।

दीं रीं दा दों रा दों दिर दिर दिर दों र दार दिर दीं दों दिर दा रा।
९ ९ १२ ९ ११ ११ ११ ९ ११ ८ १२ ११ १२ ९ ९ ८ ७ ६
तोडा—दोरं दार दिर दों दिर दों रा दा रा दीं रीं दा दों रा दों दिर दिर दिर।
८ ९ १२ ११ ९ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १२ ११ ८ ९

तराणा ताल जपताला।

बोंभ तनोमू तंदरंदानी दिरं नीं तदानी होदानी तंदारी दिर दिर तोंभ तनोमूं।

बोल भैरवी ताल आडा चोताला।

तो री चिं त वन चि त ह र लीं नो रे। लीं अ जें स ग री वी स र
६ ६ ११ ११ १२ ९ ११ ८ ९ ११ ११ १२ ८ ७ ७ ८ ६ ८ ९ ८ ७
ग ई मो अ सु छें ल कीं नो रे लं गं र न ट वं सी त ट। अंतरा—कें ल नें
७ ६ १३ १३ १२ ११ ९ ८ ७ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ९ ८ ७ ६ १२ ११ ९
प र त कें लप स मं पल जा तें पलें न ला आ अं ग दु ख दीं नो रें अ।
११ १२ १३ १४ १५ १४ १४ १३ १४ ११ १२ १३ १२ ११ ११ ८ ९ ११ ९ ८ ७ ६

सिंधवी २।

सिंधवी भैरव रागकी रागिणी है। इसमें सुर गुरु धैवत है, धैवत वादी है, खर्ज संवादी है, गांधार अनुवादी है, पंचम विवादी है, जिससे तीव्रतम लगता है। वक्त दिनके तीसरे पहर पीछे। देसी, संकीर्ण और खाड़ू है। जिसके खास स्वर ये हैं—ध नी म रे सा ग। स्वर ये लगते हैं—खर्ज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार कोमल, मध्यम कोमल, पंचम तीव्र, धैवत शुद्ध, किंचित् तीव्र; निषाद कोमल। अहीरी व आसावरीसे मुरक्कब है। मोसम शरदृतु। तासीर वीररस यानें लडाईका जोश पैदा करे।

आलाप।

ध नी सा ग रे सा सा ग रे सा ध नी सा सा सा नी सा ग रे सा। अंतरा—ग रे म ध नी सा ध नी सा सा सा सा सा नी सा सा ध नी सा ध नी सा सा सा नी सा ध ध नी सा ध नी सा ग रे सा। आभोग—म ग प म ध नी सा ग रे सा सा सा नी सा ग ग रे रे म ग रे सा ग रे सा ध नी सा ध ध सा सा ध नी सा सा सा ध ध नी नी सा सा सा सा ग रे सा ध नी सा ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल धमाल।

धं नी सा गं रे सा सां सा गं रे सा धं ध नी सां सा नीं ध सा धं ध ध नीं सा धं सा सा धं ध सा नीं सा। अंतरा—गं रे म धं नी सा धं ध नीं सा सा सां सा सा सां सा धं ध ध नीं सा सा धं नी सां सा सा नीं सा ग रें सा।

गत मशीतखानी ताल झूमरा।

दां रा अं दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां रा दा रा दां रा अं दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा। तोडा समसे। अंतरा—दां दा अ दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां रा दा रा।

गत फीरोजखानी ताल खम्सा।

दां रा दिर दार दार दिर दां दिर दा रा दां रा दा दा रा दां दां रां दां रां दा रा दां दिर दिर दिर दारं दार दिर दा रां। तोडा समसे—दां दिर दिर दरांड दा दा रा दा रां दा रा दां रा दा दा रा दां दां दार दा दार दा रा दां दिर दा रा दारं दार दिर दा रां।

तराणा ताल सुलफ।

तेदरे दानी दिरनां दानी तदांनी दानि तंदिम तदिम दिम तंदीम दानीतं दारी दारी दिरनां तंनोम् तोम् तनोम्।

बोल ताल फरदोस्त।

प्रीतम प्रीत लगाएं सुरतं मोरी क्यूं बिसराई। अंतरा समसे—इक छीनें कर दील बीचें बीचें मोंही रे नरमाई। वदना अंबुज मकरंदं पीयंत में नाहीं अघाई। नववधू नवलकीसोरं नीहार ऊफनतं आई। रसीक सनेही चरन कंमलं सुधी पत्रे दिखाई। दोहा—वंदरा वंदराही बने; इंदुवदंनकी ओअंअट। कैसे सही सके कंमोदनी, विरेह बानकी चोअंट।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भैरव रागकी रागिणी बेरारी।

बेरारी इसको बेराटीभी कहते हैं। इसमें सुर गुरु खरज संवादी है, इससे ...चार होता है। गांधार वादी है, मध्यम अनुवादी है। वक्त तीसरा पहर। सुर इसमें ये लगते हैं–खरज पंचम शुद्ध, मध्यम तीव्र, ऋषभ धैवत सकारी, गांधार निषाद शुद्ध कदरे तीव्र,। देशी, संकीर्ण और संपूर्ण है। जिसके खास सुर ये हैं–सा नी ग रे म प ध। मोसम शरदृतु। तासीर खुशी पैदा करे। देसी, तरवन व टोडीसे मुरक्कब है। शुद्ध संकीर्ण है।

आलाप।

सा रे ध रे सा नी रे रे सा नी ध प म प ग रे सा। अंतरा–प म प सा सा ध रे सा प ग रे सा नी ध प म प ग रे रे सा नी ध प म प ग रे सा। आभोग–म प सा सा रे रे रे रे ग ग रे रे सा नी ध प सा सा सा रे ग ग ग रे रे सा ध प म प ग रे सा।

सरगम ताल फरदोस्त।

सां सा सा नीं सा रे धं रे सा रें रे सां नी धं भं प ग रे। अंतरा–पं म प सां सा सा धं रे सा धं प में प पं म पं म रे सा।

गत मशीतखानी ताल सुलफाख्ता।

दिर दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां दा रा।
६ ७ ३ ७ ६ ७ ७ ७ ७ १ ५ ३ २ ० २ ८ ७ ३ ७ १

तोडा समसे–दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां रा
११ ९ ११ १४ १४ १२ १५ १३ १६ १३ १५ १४ १२ ११ ९

दां दिर दा रा।
११ ८ ६ ७

गत पूरवी बाज, ताल खम्सा।

दां रा दा रा दां दिर दा दा रें दा दा रा दां रा दा दा रा दां। तोडा
६ ७ ३ ७ ४ ६ ५ ७ ७ ६ ५ ३ २ ० २ ८ ७ १

समसे–दांर दा र दिर दां दिर दिर दिर दांर दार दा दां रा दा दा रा दां।
११ ९ ११ १४ १२ १५ १४ १६ १५ १३ १२ ११ ९ ११ ८ ७ ६

तराणा ताल अद्धा।

तोंदीमत नानेंरे दिरंदिर दानी तदानी दानी हें दानी तानोमें तानोम तोमें तनोम तदरदानी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल कोकलाका नक्शा।

बीहोंरी अमेंहांसु प्रीतकीरींतें करी। अंतरा—अनुकुल सुअधों बीच कंडीके ऊंरमें आनंद घेरी। नेहेंआ नीबाँहहँन खांन पान प्रभु रांखत प्रीत हरीभ।

मंदमाधवी ४।

मंदमाधवीको मदमादभी कहते हैं। यह भैरवकी रागिणी है। इसमें सुर गुरु मध्यम है। यहां मध्यम वादी है, ऋषभ संवादी है, पंचम अनुवादी है। वक्त फजरका। मारग, शुद्ध व सालनीक है। सुर ये लगते हैं—खरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत तीव्र, गांधार निषाद अति कोमल। सम्पूर्ण है। खास सुर ये हैं—म प ध नी सा रे ग। मोसम शरदृतु। तासिर वियोगमें खुशी करे। मलार, कल्याण, शुद्ध व मालसरीसे सुरक्कब है।

आलाप।

म प प म नी सा रे रे रे नी सा ध ध ध प म प म नी सा। अंतरा—प म प नी सा सा सा रे रे रे रे नी सा ध ध ध म प रे सा। आभोग—म प नी सा सा सा सा नी सा रे रे रे प प प म प ध म प म ध ध म प प प प म प रे सा।

सरगम ताल तीवडा।

मं प पं म नी सा रे रे रे रे ध म प रे सां सा। अंतरा समसे चलेगा—पं म पं नी सां सा रे रे नी सा ध म पं रे सां सा।

गत मसीतखानी ताल जपताला।

दों रा दा दों रा दों दा दिर दिर दिर दां रां दों दों दा रा दों रा। तोडा समसे—दों दों रा दा दिर दिर दों दा रा दों रा दों दा रा दों रा।

गत फीरोजखानी तितालाकी।

दों रां दा दों रा दा रा दों र दार दिर दां दिर दा रा धेराड दा रा दों दिर दिर दिर दोंर दार दा दांर दा रा। तोडा समसे—दोंर दार दिर दों

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दिर दिर दिर दाँर दार दा दिर दिर दार दार दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर
१४ १४ १४ १५ १५ १५ १३ १४ १२ १२ १२ ११ १३ १४ १५ १५ १५ १६
दार दार दाँ दिर दा रा।
१४ १२ ९ ११ ७ ६

तराणा ताल चौताला।

दिमें दिमें तेंदिमत दानी दानी हो दानी तदाँनी दानी तंदर दानी।

बोल ताल कोकला।

मोरी भोली ननंदीई चौलो बाआगामें। अंतरा—बाँअगें बंडोअ फल बाँअंदीईब हो सुंऊवाँअ केरे अती सोंओअरेंअअ। आँअठेअ पोंओहर बोंअले अनंत मेंआनाँअ कोअंएल मोंओरेंअअअ।

भैरव रागकी रागिणी बेंगाल।

रागिणी बेंगाल जिसको बंगालीभी कहते हैं। भैरवकी रागिणी है। इसमें वादी मध्यम, संवादी गांधार, अनुवादी ऋषभ, विवादी निषाद है, जिससे तीव्र कोमल होकर लगता है, शुद्ध नहीं लगता है। सुर ग्रह खर्ज है। वक्त पहर दिन चढेका। किसी ग्रंथमें तीसरा प्रहरभी लिखा है। देसी, संकीर्ण और संपूर्ण है। इसके खास सुर ये हैं—सा रे म प ध ग नी। सुर ये लगते हैं—खरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत सकारी, गांधार निषाद तीव्र। मोसम शरद् ऋतु। तासीर वियोग भय पैदा करे। धनासरी, ललित, मारवा व गोरीसे मुरक्कब है।

आलाप।

सा रे म प ध प ध म म ग ग म ग ध रे सा। अंतरा—म ध सा नी सा रे सा सा सा सा रे नी ध प ध म ध प म म ग म ध प म ग रे सा। आभोग—म सा सा सा सा रे सा ग ग म म ग म ग ध रे सा सा सा म म ग ग रे रे ग म ग रे नी ध प प ध प ध म ग म ग म ग रे सा।

तरगम ताल चौताल।

साँ रे में प धें प ध म में ग ग म गें ध रें सा नीं ध सा रे में ग रे सा। अंतरा—में ध नीं सा रें सा सा सा रे नीं ध प धं म धें प गें म ध प में ग रे सा।

२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दा रा दां दा रा दा दां र दा रा दां दिर दिर दिर दिर दार दिर दां दिर
दा रा धरोड दा रा दां दिर दा दार दा । तोडा समसे—दां दार दा दां रा
दा रा दांर दार दिर दां दिर दा रा दां रां दा दां र दा रा दां रा।

गत मसीखानी ताल आडा चोताला।

दिर दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रां दा दा
रा दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा समसे—दां दा रा दिर दां दिर दा रा
दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां रा दा रा दां दिर दां रा दा, रा।

तराणा धीमा तिताला।

तानुम तती दिरंना दिरंना तदरदांनी दिमंतादिम तंने ननारे तुम दिर दिर
तुम तुम।

बोल ताल तीव्रा नया।

भला जाने वांअलेएं मेरी सुनता जाईयोअ। अंतरा—ज्यों तु चला वारी
बए जानेए ना देअस्याअ पकर खरांइ देडा पअलावेएएए।

भैरव रागके पुत्र।

१ हरक—यह देवशाख, लेलावति, सारंग, शुद्ध, मलार व गोडसे मुरक्कब है। २ माधो—यह शुद्ध, विलावल, मलार व नटनारायणसे मुरक्कब है। ६ मंद—इसका हाल मालूम नहीं हुआ। ७ तिलक—इसका हाल मालूम नहीं। ८ बलिना—इसका हाल मालूम नहीं। इन भैरवरागके पुत्रोंका हाल मालूम नहीं हुआ इससे नहीं लिखा गया।

भैरव रागका पुत्र तीसरा पूरिया।

इसमें सुर गुरु निषाद, वादी ऋषभ, संवादी गांधार, अनुवादी धैवत है। व ६ तीसरे पहर बाद शामतक। देसी, संकीर्ण और खाड़ु है। खास सुर ये

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हैं—नी सा ग रे प म । धोलसरी, तनक, मंगलाअष्टक और कानडासे सुरकब है । सुर ये लगते हैं—खर्ज पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत सकारी, गांधार, निषाद तीव्र, मध्यम तीव्र । मोसम शरदृतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

नी सा ग रे ग प म प प म प ग म ग रे सा । अंतरा—ग प म प प सा नी ध नी नी ध प प म प प म प म प ग म म म प प म ग रे सा । आभोग—म प ग म ग ग रे रे सा सा सा सा नी ध नी ध प म प प सा

१६ १७ १६ १६ १५ १५

नी ध नी ध प प म म प प म प ग ग म म म म ग रे सा ।

सरगम पूरिया ताल टप्पेका ठेका ।

नी सा ग रे ग प म प प म प ग म ग रे सा नी सा ग ग म ग रे सा । अंतरा—सां नी सा नी ध प म प प म प ग म ग रे सां ग म प रे सा नी ध नी ध प म ग ग रे प प म ग रे सा ।

गत मसीतखानी ताल फरोदस्त ।

दां दा रा दां रा दिर दां रा दिर दां दिर दां रा दां रा दां दिर दा रा ।

तोडा समसे—दां दा रा दां रा अं दां रा अं दां रा दां दिर दां रा दां रा दा रा ।

गत फीरोजखानी ताल कोकला ।

दां दा रा दिर दां रा दां रा दा दा रां दा दां रा दां दिर दिर दिर दारें दारें दिर दा रा दां दिर दां रा । तोडा—दां रां दिर दां रा दां दा रा दा दां रा दां रा धरांड दा रा दां दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा ।

तराणा पूरिया ताल धमाल ।

तें दीम ता दीमें दिम दिर दिरें दा नी तों नो म ता नों म तो मत दरें दा नी ।

बोल पूरिया ताल तलवाडा ।

फुलनके हरवा गुंद लाओरी मालनीया कनेके घेर । अंतरा—सी स मोतीदा बना सेहरा बीराजत और मोतीयनकी लर ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सुहा या सुहु ४ ।

इसमें सुरगुरु पंचम, वादी खरज व पंचम संवादी, निषाद और गांधार अनुवादी है । मालसरी, शुद्ध, विभास, बिलावल व बागेसुरीसे सुरकब है। वक्त मोसम बहार हर वक्त और गैर मोसममें दस बजे । सुर ये लगते हैं—खरज पंचम शुद्ध, मध्यम दोई कडी व कोमल, ऋषभ धैवत तीव्र, गांधार सकारी, निषाद दोनों कडी व कोमल । सुर खास ये हैं—सा ग म प नी । आदु, संकीर्ण, देसी व शुद्ध है । मोसम शरदतु । तासीर खुशी करे ।

आलाप ।

सा ग सा मं मं सा ग म ग मं मं प प मं प प प । अंतरा—रे ग मं प म प ध नी ध नी सां नी ध प ध प मं ग ग मं प प मं ग रे सा । आभोग—मं प म प ध नी ध नी सां प मं ग रे ग रे सां नी सा नी ध प ग रे सा नी ध ध प मं ग ग म प प मं ग रे सा ।

सरगम ताल खम्सा ।

सां ग सा म मं सा ग म गे म म प पं म प म प पं । अंतरा—गं रे
६ ८ ६ १० १० ६ ८ ९ ८ १० १० ११ ११ १० ११ १० ११ ११ ८ ७

ग म पं म प म धं नी ध नी सां प म ग रे सां ।
८ १० ११ १० ११ १० १२ १३ १२ १३ १४ ११ १० ८ ७ ६

गत मसीतखानी ताल कोकला ।

दां दिर दा रा दां दा रां दिर दा रा दां दिर दां रा । तोडा समसे—
६ ८ ६ १० १० ६ ८ ९ ८ ९ ११ १० ११ ११

दां दा रा दिर दां रा दां दा रा दा दां दिर दां रा ।
९ १० ११ ११ १० १२ १३ १२ १३ १४ ११ १० ८ ७

गत पूरबी बाजकी ताल आडा चोताला ।

दां रा दां रां दा रां दां रा दां दिर दा रा दां दिर दां रा दा रा दां दिर
६ ८ ६ १० १० ६ ८ ९ ८ ९ १० ११ ११ १० ११ ११ १० ११ ८ ७

दिर दिर दारं दार दिरं । तोडा समसे—दां रा दा रा दां रा दा दिर दां दारं
८ १० ११ १० ६ ८ १० ११ १० ११ १२ १३ १२ १३ १४

दा दा रा दां दार दा दां रा दा रा ।
११ १० १० ११ ८ ९ १० ११ १० ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल तराणा ताल जुमरा ।

तेनोम तदरे दानी दिरना तदीम दिर दिर दानी तनोम तोम तानोम तानोम तोम ।

बोल ताल एकताला पुराना ।

ऐ आज कौन बन जां चराए हो गैयां काहांलो लगाई एती बेरं । बैठी काहां सुधलेऊं सबेरे नैनन लागीऊंसेर । अंतरा—एक बन ढूंढा सकल बन ढूंढा कहीं बन पाई सुरलीकी टेर । तानसेनके प्रभु तुम्हारे मिलनको तिलकी ओट सुमेर ।

भैरव रागका पंचम पुत्र ५ ।

इसमें सुरग्रुरु खरज, वादी पंचम, संवादी धैवत कोमल, अनुवादी गांधार अति तीव्र है । सुर ये लगते हैं—खरज मध्यम दोनों, पंचम, शुद्ध, ऋषभ सरकारी, गांधार अतितीव्र, धैवत कोमल, निषाद दोनों तीव्र । संपूर्ण है । स्वर खास ये हैं—सा नी रे ध म प ग । वक्त शामका । हिंडोल, ललित, देशकार व वसंतसे मुरक्कब है । मोसम शरदृतु । तासीर खुशी करे । देसी, शुद्ध व संकीर्ण है ।

आलाप ।

सा नी रे सा धृ ध ध नी नी म मृ म मृ म मृ म मृ नी ध नी नी मृ मृ रे सा प म ग ध रे सा । अंतरा—ग ध रे सा सा सा सा ध ध ध नी नी मृ म म म मृ म नी ध मृ मृ रे सा । आभोग—प ध सा रे ग ग ग म म म ग ग रे सा सा सा म म म ग ग रे सा सा म ग रे सा नी सा नी ध नी ध धनी प म ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल चोताला

दिर दों दिर दों रा दों दा रा दिर दों दा रा दिर दों दिर दों रा दों दा
६ ५ ७ १ ३ ३ ३ ४ ५ १० १० १० ९ ९ ९ ९ १० १३ १२

रा दिर दों दा रा । तोडा समसे—दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों दिर दों
१२ १३ ९ ७ ६ ८ १२ १५ १४ १४ १४ १४ १२ १२ १२ १२

रा दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों रा दों रा ।
१३ १० १० ९ ९ १० १० १३ १२ १० ९ ७ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत पूरबी बाजकी ताल फरोदस्त ।

दाँ राँ दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दाँ रा दाँर दार दा दाँर दा दाँर
६ १२ १० १० १० ९ ९ ९ १० १३ १२ १३ १३ १० ९ ७ ३ ११ १० ९
दा दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दिर । तोडा—दाँ दा रा दाँर
८ ३ ७ ६ ३ ३ ५ ५ ६ ६ ६ ५ ७ ८ १२ १४ १४
दा रा दाँ दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँर दा दाँर दाँ रा
१४ १४ १४ १४ १४ १२ १२ १२ १३ १३ १० १० १० ९ ९ ९ १० १३ १३
दा दाँ दिर दाँ रा दाँ रा दाँ दा रा दिर ।
१० १० १४ १३ १० १२ १० ९ १० ७ ३

सरगम ताल कोकला ।

साँ नी रे सा धं ध नी नी म म मं म मं नी धं नी नी म नीं ध मं म पम
३ ३ ४ ५ १० १० १० ९ १० १३ १२ १०
गं ध रें सा । अंतरा—गं ध सा सा साँ सा साँ सा ध ध धं नी नीं म मं म
१० १० १०
म म मं म मं म म प गं ध रें सा ।
१० ९ ९ ९ ९ ९ १० ३

तराणा ताल रूपक ।

तोंदीम दीम तादिमँत नानारे तदारे ऊदतें नादिर नादिमे दिम तारे दोनी तनोम् ।

बोल ताल तिलवाडा पुराना ।

नई ऋतु नयो फल नई बेल बनाई नई कलीयनको नयो रस । अंतरा—नए द्रुम नए पात हरी हरी डारीयां तापर भंवरा भयो वस ।

भैरव रागकी भार्या बिलावली १ ।

इसमें सुर गुरु गांधार है और वादी गांधार, संवादी धैवत, अनुवादी पंचम, विवादी मध्यम है । खास सुर ये हैं—ग प ध नी स रे । देशी व संकीर्ण है । सुर ये लगते हैं—खरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तीव्र । बिलावल, सारंग व गोडसे मुरक्कब है । वक्त पहर दिन चढे । मोसम शरदृतु । तासीर खुशी पैदा करे । यही बिलावल श्रुतियोंमें फरक होकर हिंडोलकी रागिणी हुई है । खादु, देशी व संकीर्ण है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

ग ग ग प ध ध ध प ग ग प ध नी ध ध प ग ध प ग रे सा। अंतरा—प ध नी सा सा सां सा सा नीं ध प रे सा नी ध प ध ध प ग . ग रे सा। आभोग—ग प ध सा सा सा ग ग ग ग रे रे ग ग रे. रे सा सा ध ध ध प प ग रे रे ग ग रे नी नी सा रे सा नी ध प ग ग प ग रे सा।

सरगम ताल चौताला।

गँ ग ग प धँ ध ध प गँ रे गँ प धँ ध प ग गँ ग ग रे पँ ग रेँ सा।
अंतरा—गँ प ध नी सां सा सा सा सां सा गँ ग रेँ सा नीं ध नीं ध प ग गँ गँ रे सा।

गत मशीतखानी ताल फरदोस्त।

दाँ दा रा दाँ रा दा दाँ रा दिर दाँ रा दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दा
८ ८ ८ ११ १२ १२ १२ ११ ९ १२ १३ १२ १२ ११ ८ १२ ११ ८ ८ ७ ६
रा दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ दा दाँ रा दाँ रा दाँ दिर दा रा। तोडा—दाँ रा दा
५ ३ ३ ३ २ २ ३ ६ ६ ६ ५ ७ ७ ८ ८ ७ ६ ११ १२ १३
दाँ दा दा दाँ रा दा दाँ दा दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दा रा दाँ दा रा
१४ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १५ १४ १३
दाँ दा रा दाँ रा दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर।
१२ ११ ९ ८ ७ १२ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ६

गत फिरोजखानी ताल खम्सा।

दरेँड दा रा दाँ दार दा दाँ रा दा रा दाँ रा दा दा रा दाँ दाँर दा दा दाँ
८ ८ ७ ८ ११ १२ १३ १४ १३ १२ ११ ८ १२ १२ १२ ११ ८ १२ ११ ८
दिर दिर दिर दाँर दार दिर दाँ रा दा दा रा दाँ। तोडा समसे—दाँ दाँ दिर
७ ६ ५ ३ २ १२ ६ ७ ८ ८ ७ ६ ८ ११ १२
दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ रा दा दा रा दाँ धेरेँड दा रा दारे दार दिर
१३ १४ १४ १४ १३ १२ ११ ९ ११ ७ ८ ११ १२ १४ १३ १२ ११ ८ १२
दाँ दिर दा रा दाँ रा दा दा रा दाँ।
११ ९ ८ ८ १२ १२ १२ ९ ८ ७

तराणा ताल फरोदस्त।

तोंनोम तों नोम तोम तनूँम दिभे तेंदानी दिरँ दिर दानी।

बोल ताल तलवाडा पुराना।

जो जाँओ वहां जहां रैनैं बसें। लटपटे पेच पांग नैनें अलसोंने अध—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

रैं कपोल तंबोल रंचे । अंतरा—तिहारी प्रीत औरन संग लागी भोर भई उठ आन हंसे । बिन तागतकी माला ओ पचे कौन चातुर गरला कसे ।

भैरव रागकी भार्या सुहा २ ।

सुहा भैरव रागकी भार्या है । इसमें सुर गुरु पंचम है, वादी खरज, संवादी पंचम, अनुवादी निषाद है । आडू है । खास स्वर ये हैं—सा ग म प नी । देशी व संकीर्ण है । वक्त मोसम बहारमें, हर वक्त दूसरे मोसममें दश बजे दिनके । स्वर ये लगते हैं—खरज पंचम शुद्ध, मध्यम दोही, ऋषभ धैवत शुद्ध, गांधार निषाद कोमल । मालसरी, शुद्ध, विभास, बिलावल व बागेसुरीसे मुरक्कब है । सुहु जो पुत्रोंमें लिखा है और सुहा जो भार्यामें लिखी है एकही है । सिर्फ श्रुतियोंमें कुछ फरक है जिससे सूरत बदलती है । आलाप वगैरह पहले शुरूमें लिखी हैं जिससे यहां सिर्फ गतही लिख दी है ।

गत मशीतखानी चोताला ।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा
७ ८ ७ १० १० ७ ८ ९ ६ ८ ९ १० ८ ८ १० ११ ११ १० ११ ११
दिर दां दा रा । तोडा समसे—दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रां दिर
७ ८ १० ११ ११ १० ९ ७ ५ ३ ४ ५ ३ ६ ८ ६
दां दिर दा रा दां दा रा ।
९ ७ ८ ९ ८ १० ११

भैरव रागकी भार्या सोरठी ३ ।

इसमें सुर गुरु निषाद है, वादी कोमल निखाद है, संवादी तीव्र धैवत है, अनुवादी तीव्र ऋषभ है । स्वर ये लगते हैं—खरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल । वक्त पहर रात पीछे । खास स्वर ये हैं—नी सा रे म प ध । खाडु, देशी व संकीर्ण है । सारंग, गुजरी, पंचम, गांधार, भैरवी व बेंगालसे मुरक्कब है । इसकी दो किस्म हैं । सोरठी या सोरठ और सारंग सोरठ या गिरनारी सोरठ । मोसम शरद्दतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप ।

नी सा रे म प ध ध ध प रे म प रे म रे सा रे नी सा । अंतरा–रे म प ध सां सा नी सा नी सा रे नी सा नी सा नी रे सा ध प म रे प म रे सा । आभोग–म प ध ध सा सा नी रे सा रे ग ग म म ग रे नी सा सा सा नी सा नी सा नी रे सा ध प सा नी रे सा ध प म रे प म रे ग रे सा ।

सरगम ताल खम्सा ।

नी सा रे म प ध ध ध प म रे प म रे सा रे सां । अंतरा समसे–म प ध सा नी सा नी सा नी रे सा सा ध प रे म रे सां ।

गत मशीतखानी ताल ब्रह्म ।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दां रा । तोडा समसे–दां दा रा दा दां रा दा रा दां दिर दां रा दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दां रा ।

गत पूरबी बाजकी ताल फरोदस्त ।

दां दा रा दां रा दा दां रा दा दां रा दां दिर दां दा रे दा दा रा दां रा दा दां रा दा दां रा दा दां रा दां दिर दिरे दिर दांर दार दिर । तोडा–दां दा रा दां दा रा दां दा रा दां रा दां दारे दा दां रा दा रा दां रा दा दां रा दा दां रा दा दां रा दिरे दिर दिरे दिर दांर दार दा ।

तराना ताल जपताला ।

दांनी तानुम तदानी दांनी तदेरदानी दिर नांदिम तों दिम तनोम तोम दिरे दिरदानी ।

बोल ताल तिताला ।

लांडी जीनेहेली कोण लंगन लंगी । अंतरा–बात करणरी घात विचारा चितसुं हीतन चंगी । आसव छाक छकीया आरखजोने वीरेह जगी । जो

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शीतल उपचार जणावा धखेद हेनदगी । रसिक सनेही पिये किम अरण पूरण प्रीत पगी । दोहा—नैन न चाहे निरखणो, जीह न चाहे जाब । तिणसू किण बिद छेडजे, बात करणरो बाब ।

भैरव रागकी भार्या ।

४ कुंबारी—यह धनासरी और सुरअष्टक्से मुरक्कब है । ५ इदीयादी—इसका हाल मालूम नहीं हुआ । ६ भीलगूजरी—यह देसकार, रामकली, बेंगाल व गुजरीसे मुरक्कब है । ७ पटचंचली—इसका हाल मालूम नहीं हुआ । ८ मीरी—इसका हाल मालूम नहीं हुआ । इनका हाल मालूम नहीं हुआ जिससे नहीं लिखा गया, नाम तथा जो हाल मालूम हुआ सो लिखा गया ।

मालकोस राग ।

मालकोस राग खालिस है । इसमें सुर गुरु खर्ज, वादी मध्यम, संवादी गांधार, अनुवादी धैवत, विवादी ऋषभ व पंचम है । वक्त पिछली पहर रात । शुद्ध, देशी व आदू है । खास स्वर ये हैं—सा ग म ध नी । पहले मारग था उसकी सरगम सा रे ग म प ध नी थी । परन्तु अब मारग मनसूख हुआ और आदु रिवाजमें है । परजी, बाहरी व हिंडोलसे मुरक्कब है । तासीर खुशी पैदा करे । मोसम शिशिर ऋतु । स्वर ये लगते हैं—खरज मध्यम शुद्ध, बाकी कोमल हैं । इसे पार्वतीजीने पैदा किया है । इसके गानेमें स्वर सच्चे लगनेपर पत्थर पिघलता है ।

आलाप ।

अ ने ना ने अ ना अ अ अ अ नाने नानेनेना री ए अ अ ने ने ना अ अ तोम

म नी ध नी सा म म म म म ग म ग म ग ग ग म ग ग सा ।

अंतरा—म ग म सा सा सा नी ध नी सा ध ध नी ध म म नी ध ध म नी ध म ग ग सा । आभोग—म सा सा सा नी ध नी सा म म म म ग ग म ग म ग ग ग सा म ग सा म म सा ग ग सा नी ध ध ध नी नी ध ध ध ध ध म नी ध म ध म म म ग ग सा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

सरगम ताल खम्सा।

सां नी ध नो सा सा म म मे म म ग मे म म ग ग सां । अंतरा--मे सा सा नी धे नी सा सा धे ध नी सा नी ध म म ग सां।

गत मसीतखानी ताल आडा चौताला।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दा रा। तोडा—दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दा दां रा दा रा दां दिर दां रा दा रा।

गत पूरबी बाजकी ताल कोकला।

दरांड दा रा दां रा दां दा रा दा धं दिर दिरं दिर दारं दार दा दां रा दां दिर दा रा दां रा दां रा । तोडा—दां दार रा दां रा दां दा रा दा दां दिर दां रा दारं दार दिर दां दिर दां रा दा रा दां दिर दिरं दिर।

तराणा ताल तिताला।

ना ना नां दिर दिर दिम त दिम दिरं नां तनं दिर नां ता ना नां दिरं दिर दिमं तदि मं त नोम तं दिम तनं तन दिर नां।

बोल पुराना तितालामें था चौतालामें किया।

पी र अ न जां नी ओं हो हो पि इ या दें खी ति हा रिं अ नो खी री ई ई त। अंतरा—हं म को छा डें के अं त बीं ल म र हें को न मों म कीं री ई त।

मालकोश रागका जोड।

सा नी ध नी सा सां सा सा सा नि ध नि सा म म म म म म म ग ग सा सा सा सा सा म म म म म म म म म ग म सा सा सा. सा सा नी ध म नी नी ध म म नी ध ध म म म नी नी ध ध नी नी ध ध म म म म सा सा सा

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा सा म म म म म म ग ग सा सा सा सा सा नी ध म नी नी ध नी नी ध म म म ग म नी ध म म नी ध म म म ग ग सा सा सा सा सा म म म म सा नी ध म म ग ग सा सा सा सा । हर जगह सा सा पर सम है।

चतुरंग ताल ब्रह्म ।

सां नी ध नी सां म म म म म म म म म म ग ग सां सा म म म म नीं नी ध नी नीं ध म म । चतुरंग ताल ब्रह्मकी करें बतावे गुनीयन सुं सिर नीवांवे बजावे परन । धां किट तिकिट तिकाकिट धुमाकिट धांकिट धिनि-निक धिनिनिक धां त्रिककिट तिकाधां किट तिक धुम किंट तिका गदि-गिन धाकेत कुकुथो । आरोही याते अवरोही मालकोश सीद्ध होई सा ग म ध नी नीं ध म ग सां अली अलें लोम लोतें तान तोमें त नें न न न नां दीर तोमें त नां ना ना त दीमें ता दीमें दिम तां नोम तानोम तेंन दिरना दरी याना रेते दानो तई तीयाईयो दारी यल मनतं दिर दानी दिरनां ये तींहारी केसी ही प्रीत हमको छाडके काहां चले गये देखिं येही आनोखी रीत।

मालकोशकी रागिणी गोरी १ ।

इसमें सुर गुरु खर्ज, वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी खर्ज, विवादी ऋषभ व पंचम है, जिससे ऋषभ सकारी व पंचम कोमल लगे। वक्त तीसरे पहर पीछे श्याम तक । मारग व संकीर्ण है। अकसाम दो हैं शुद्ध गोरी और जेती गोरी । यह आदु है । खास स्वर ये हैं—सा ग म ध नी । स्वर ये लगते हैं—खरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम कोमल, धैवत सकारी और निषाद तीव्र । जैजै-वंती, आसावरी शुद्ध व सोरठसे मुरक्कब है । मोसम शिशिर ऋतु । तासीर वियोगी खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

आ अ अ ना ने ने ने ई ई रे ए ना आ ने ना अ तो म।
सा प ध म म ग रे रे ग रे म्र म ग़ रे ग़ ग़ रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा—प ध सा सा सा रे रे रे ग रे सा सा सा ध प म ग ग ग म म ग रे ग ग रे सा। आभोग—म म सा सा सा सा सा सा रे सा ग रे सा ग ग म म म ग ग रे रे सा सा सा ध प म ग ग रे म म ग रे ग रे ग ग रे सा।

सरगम ताल खम्सा।

सां प ध म मं ग रे रे गं रे म म गं रे ग ग रे सां। अंतरा—पं ध सा सा सां सा सा सा रें रे ग रे सां सा सा सा ध पं सां सा ध प मं म ग ग गं रे ग रे मं म ग रे सा सां।

गत मशीतखानी ताल ब्रह्म।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दिर दा रा। तोडा—दां दा रा दिर दां दिर दा दिर दां रा दां रा दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दिर दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तीव्रा।

धरांड दां रा दांर दांर दिर दां दिर दिरं दिर दांर दां र दा। तोडा—दां रा दां दांर दां रा दां दिर दिरं दिर दांर दां र दा दिरं दिर दांर दांर दा दां रा दां दिर दिरं दिर दांर र दां दा।

तराणा ताल तिताला।

तादिमं तना नां नारे दिर दिरं तुम तंन दिरना ऊदनंत नी थ्री लागतुम दिरं दिरतुमं दिरना।

बोल ताल तिलवाडा पुराना।

बुंदापीया मेरी जान रंसदीयावें ए। अंतरा—घडानी वडोलावारीवे पानी नो चलीवेए माईया मिल गीया मेहरम यार रसदीईयावेए।

मालकोस रागकी रागिणी टोडी २।

इसमें सुरखुरु खर्ज, वादी गांधार, संवादी धैवत, अनुवादी तीव्र

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मध्यम है। वक्त पहर दिन चढे। संपूर्ण है। खास स्वर ये हैं—सा ध नी रे ग म प। स्वर यें लागते हैं—खरज पंचम शुद्ध, मध्यम निषाद तीव्र, ऋषभ गांधार धैवत सकारी। मारग व शुद्ध है। आसावरी, धनासरी, व षटसे सुरकब है। अकसाम १२ हैं सो तफसील आगे लिखी है। तासीर वियोग पैदा करें। मोसम शिशिरऋतु।

आलाप।

सा ध नी सा रे ग ग ग म प ध प म ग रे सा। अंतरा—ग ग म प ध नी नी नी सा सा सा सा ध नी सा सा नी नी ध प म प ध प म ग रे सा आभोग—म प ध नी नी सा सा सा सा सा सा रे ग ग ग ग रे सा ग ग रे रे सा सा रे ग ग म ग ग रे सा सा ध नी नी सा सा ध प म प ध प म ग रे सा।

सरगम ताल चौताला।

सा ध नी सा रे ४स ग ग ग म प ध प म प ध प म ग रे सा ग ग रे सा। अंतरा—ग ग म प ध ४स नी नी सा सा सा सा सा सा ध नी नी नी ध प म ग ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।

गत फीरोजखानी ताल खम्सा।

दां दा र दा दां दिर दिर दिर दांर दार दा दां रा दा दा रा दां दां रा दिर दां दिर दा रा दां रा दा रा दां रा दा दा दा रा दां। तोडा—दां रा दा दा रां दा दा रा दां दिर दा रा दां रा दा दा रा दां दांर दा रा दां रा दा रा दांर दार दा दां रा दा दा रा दां।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तराणा ताल आडा चौताला।

नारे नारे दिन नांतना दिरना दिम तदिम तदर दानी नादिर दिर तोम दिर दिर दानी तो म दिर दिर दिरना।

बोले चौतालामें पुराना था तितालासे चोतालामें किया गया।

ऐरी एतु ऐसी खडीहै गंवार प्रीतकी रति न जानत। अंतरा—मन मोह-नेसुं मान करत है जोबन मंद मनमां आअन।

मालकोशकी रागिणी गुनकली ३।

इसको गुनकरीभी कहते हैं। आडु है खास स्वर ये हैं—सा रे नी प म। इसमें वादी खरज, संवादी मध्यम, अनुवादी गांधार है। वक्त पहर दिन चढे। स्वर ये लगते हैं—खरज मध्यम पंचम शुद्ध बाकी तीव्र। शुद्ध व संकीर्ण है। आसावरी, बेरारी व सिंदवीसे मुरकब है। तासीर खुशी पैदा करे। मोसम शिशिर ऋतु। सुर गुरु इसमें षरज है, बाजे निषादभी कहते हैं।

आलाप।

सा रे नी सा रे रे रे रे सा सा रे सा। अंतरा—म प नी सा सा सा सा सा सा रे रे नी सा सा सा रे रे रे रे नी सा रे सा। आभोग—प नी सा सा सा सा सा रे रे नी सा सा सा रे रे रे रे नी सा सा सा म म ग म ग रे सा सा ग रे सा सा सा नी ध नी नी ध सा सा सा ध ध प प ग ग रे सा।

सरगम ताल एकताला।

सां रे नी सा रे रे रे रे सां सा रे सा सां म ग म ग रे सा सा सां सा नी ध नी नी ध सा सां सा रे सा। अंतरा—रे सां सा रे सां सा सा सा सां नी ध नी नी ध सा सा सां सा रे सा ध सा ध प ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल चोताला।

दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां रा दां दा रा दिर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दां दिर दा रा। तोडा—दां रा दां दिर दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दां रां ददां रा दा रा दां दिर दिर दिर दारं दार दा। तोडा—दां र दा रा दांर दार दिर दां दिर दिर दिर दारं दार दा दराड दा रा दां दा रा दा रां दा दा रा दां दिर दा रा।

तराणा ताल तिताला।

तोनुमतंनी दिरंना दिरंना तदरदांनी नारे नांरे तारे दिरं दिर तुम भ्रीलांगतुम।

बोल ताल एकताला पुराना।

वं ज नं लां गी वी ष मं वं सी धु नं। अंतरा—वं जं की सं खी स व जुं र मी ल आं ई ए क गां व त सुं र ग्र न।

मालकोशकी रागिणी कुंबाएती ४।

इसमें वादी धैवत, संवादी खरज, अनुवादी गांधार, विवादी पंचम है, सुरु गुरु धैवत है। खाडु है। खास स्वर ये हैं—ध म ग रे सा नी। स्वर ये लगते हैं—खरज शुद्ध मध्यम तीव्र, ऋषभ गांधार धैवत तीव्र, निखाद अति कोमल। वक्त रातके बारा बजे पीछे। मालसरी व मलारसे सुरक्षव है। मोसम शिशिरऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। देसी व संकीर्ण है।

सा रे ग म ध नी सां

आलाप।

ध म ग रे सा नी सा ग म ध ध म ग रे सा। अंतरा—म ध सा सा सा ध सा नी सा नी सा ध नां ध म ध म ग म ग रे सा। आभोग—म सा सा सा रे नी सा नी सा सा नी म म ग ग रे रे म ग रे सा सा सा सा नी ध म ध म ग ग म ध म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल खम्सा ।

धँ म ग रे सां नी सा सा गं म ध ध धँ म ग रे सा सां । अंतरा—गं म ध नी सां सा सा सा मं ग रे सा सां नी ध म ग गं धँ म ग म गं म ध ध नीं सा सा नी सां नी ध म ग मं ।

गत मशीतखानी ताल सुलफाख्ता ।

दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा ।
१२ १० ८ ७ ६ ५ ६ ८ १० १२ ८ १० १२ १२ १० ८ ७ ६ ५ ६
तोडा—दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ रा दा रा ।
८ १० १२ १३ १४ १४ १३ १४ १३ १४ १३ १४ १० १२ १० ८ ८ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल कोकला ।

दँराड दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दारँ दारँ दिर दाँ राँ दिर दाँ रा
१२ १० ८ ७ ६ ५ ६ ८ १० १२ १२ १२ १० ८ १० १२ १०
दाँ रा दा रा दाँ र दाँर दा । तोडा—दाँ रा अ दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ रा
८ ८ ७ ६ ८ १० १२ १० १० १२ १२ १३ १४ १४ १३ १४ १३ १४ १६
दाँ रा दाँर दार दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दाँ रा ।
१२ १० ८ ८ १० १४ १३ १२ १० ८ १० ८ ८ ७ ६

तराणा ताल चौताला ।

ताँनोम दिरनां तदीयन रे तारँ तर्दरे तरीदेआ आँ आँ आ नी धीं लाग दिमें तँना नाँ ना तना दिरंना दिमें तादांनी ।

बोल ताल एकताला पुराना ।

मारुजी तिहारा मिलनको जीयेरा तरसे । अंतरा—निशि अंधियारी कारी बीजरी चमके आगन सावन भादों बरसे ।

मालकोशकी रागिणी कोकब ५ ।

इसमें वादी धैवत, संवादी खरज, अनुवादी गांधार और सुरगुरु धैवत है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—ध नी सा ग रे प म । देशी व संकीर्ण है । स्वर ये लगते हैं—खरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद दोनों लगते हैं । वक्त पिछली रातका, किसी ग्रंथमें दोपहरका लिखा है । बिलावल, देवगिरी, पूरबी, गंधारी, सोरठ व मारुसे मुरक्कब है । मोसम शिशिर ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप ।

धनी सा ग रे नी सा नी नी नी प प ध ध ध प म प म ग ग ग ग रे नी नी सा । अंतरा—प प प ध ध नी सा नी सा सा सा सा सा सा नी ध प ग म प ग म रे नी नी सा । आभोग—प प ध ध नी सा सा सा सा ध ध नी सा ग रे सा रे सा रे सा ग ग ग ग रे सा ग रे सा ध ध प ग म प ग ग रेनीनी सा ।

सरगम ताल आडा चौताला ।

ध नी नी सा ग रे नी सा नी नी प प ध ध प म प म ग ग ग ग रे नी नी नी सा सा । अंतरा—प प प ध नी सा सां सा नी सा ग रे सा रे सां रे सां नी ध प ग म प प ग ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल जपताला ।

दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा ।
तोडा—दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा ।

गत फीरोजखानी ताल आडा चौताला ।

दां रां दिर दां दिर दा रा दां रा दां रा दा दा रां दा दा रा दां दा र दा दां रा दां र दार दिर । तोडा—धेरड दा रा दां रा दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दार दिर दां रा दा रा दां रा दां दिर दा रा ।

तराणा ताल कोकला ।

श्री लांग दिम तेनानाना तना दिरेना तानोम तोम तेनी दिरेना दिम दिम ।

बोल ताल चौताला तितालासे चौतालामें किया गया ।

ऐ री मे री आन अचानक बेईयां गेहे लीनी कृष्णकँवर नंदलाल ।
अंतरा—बार बार आवत येही न मानत बाट घाटनमें करत फिरत रस ख्याल ।

मालकोश रागका पुत्र गांधार २ ।

इसमें सुरग्रुरु मध्यम, वादी मध्यम, संवादी ऋषभ, अनुवादी निखाद

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

है। खास स्वर ये हैं—म प नी ध ग रे सा। वक्त प्रातःकाल पहर दिन चढे। स्वर ये लगते हैं—खरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार धैवत कोमल, निषाद तीव्र। विजना, बडहंस व देशीसे मुरक्कब है। मोसम शिशिर ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। देशी, संकीर्ण व संपूर्ण है। बाजे ग्रंथोंमें सिंदुरा, गोरी, आसावरी, देवगीरी, भैरूं, हिंडोलसेभी मुरक्कब लिखा है। बाजे कानडेके ठाटमेंभी बजाते हैं।

आलाप।

म प नी ध प म ग रे म प ध ध सा सा नी ध प म ग रे सा। अंतरा—म प नी ध सा सा सा सा नी ध म प नी ध प म ग रे सा। आभोग—म प ध ध सा सा सा नी ध म प नी ध सा सा रे सा ग ग रे रे सा सा म म प प म प नी ध प म ग रे सा।

सरगम ताल तिताला।

म प नी ध प म ग रे म प ध ध सां सा नी ध म प नी ध प म ग रे सां सा रे सा म म प प। अंतरा—म प नी ध सां सा सा सा नी ध प म म प नी ध सां सा रे सा म म प प म प नी ध प म ग रे।

गत मशीतखानी ताल जपताला।

दां दा रा दां रा दां रा दा दां रा दां रा दा दां रा दां दां रा दां रा।
तोडा—दां दा रा दां रा दां दा रा दां रा दा दां रा दां रा दां दा रा दां रा।

गत फीरोज़खानी ताल आडा चौताला।

दिर दां रा दां दिर दिर दिर दांराड दा रा दांर दार दा दां रा दां रा दा दा रां दा दा रा दारं दा र। तोडा—दिर दां रा दिर दिर दार दांर दां दा रा दां रा दा रा दां दिर दां रा दा रा दां दिर दिर दिर दांर दार।

तराणा ताल तीव्रा।

दिमं दिमं तं दिमं तदांरी दांनी तदर दांनी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल टप्पेका ठेका पुराना ।

जी लगाना ईस जगमें कुछ नहीं मतें कर किसीदीनाल भुराई । अंतरा–वेली वेली सब कोई आखेमें अखा तीनो वेली । उस दिन वेली कोई न होगा जिस दिन जान दा अकेली ।

मालकोश रागका पुत्र मारू २ ।

इसमें सुर गुरु धैवत, वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी ऋषभ, विवादी पंचम है । खाडु है । खास स्वर ये हैं–ध म नी सा रे ग । स्वर ये लगते हैं–खरज शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र । वक्त तीसरा प्रहर । जोन्पुरी, गोरी, परज, सोरठ व श्रीरागसे मुरक्कब है । देशी व संकीर्ण है । मोसम शिशिर ऋतु । तासीर जोसलगई पैदा करे ।

६. सोहिनी + पूरिया

आलाप ।

ध ध म ध नी सा नी ध म म रे म रे म म ग ग रे म नी रे नी ग म ग रे सा । अंतरा–म ध नी सा सा नी ध म म रे म ग ग रे ध म ध नी सा नी ध म ग रे सा । आभोग–म ध नी सा सा सा नी ध ध ध म म रे म ग म ग रे रे सा ग ग ग रे रे सा नी ध म रे म ग रे सा ।

सरगम ताला सुलफाख्ता ।

ध ध म ध नी सा नी ध म रे ग ग रे म म नी रे नी ग रे । अंतरा–ध म ध नी सा सा सा नी ध म रे म म ग ग ग ग रे सा सा ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा–दिर
१२ १२ ६ १२ ५ ६ ५ ३ ६ ६ ७ ६ ७ ६ ६ ८ १२
दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा ।
६ १२ १३ १४ ६ १३ १२ ६ ६ ७ ६ ६ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल चोताला ।

दां दिर दिरं दिर दां र दार दा दां रा दा रा दां दिर दां दा रं दा दा रा
१२ १२ ६ १२ ५ ६ ५ ३ ६ ६ ७ ६ ७ ६ ६ ८ ७ ७ ७
दां र दा र दा । तोडा–दरांड दा रा दांर दार दा दां दिर दिरं दिर दांर
६ ८ ८ ७ ६ २२ ६ १२ १२ १४ १३ १२ ६ ७ ६ ८
दा रा दां दा रा ।
८ ६ ६ ७ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तराणा ताल थपईया ।

तां ना दि मं त दे र दां नी नां रे तां रे दार नां दां नी त दां नी त दे र दा नी तो मं तो म ।

बोल ताल सुलफाख्ता नया ।

बंगीयामें कुंन कुंन जाए । अंतरा—सुनीईयो री ई मोओरीई बंगरअपां-शेसंनअ संईया कौ तें ने भरमाए ।

मालकोश रागका पुत्र बडहंस ३ ।

इसमें सुरगुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी ऋषभ है । वक्त दिनका तीसरा पहर । खाडु है । खास स्वर ये हैं । प नी सा रे ग म । देशी व संकीर्ण है । स्वर ये लगते हैं—खरज पंचम मध्यम शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । मारु, रोरानी, दुर्गा, धनासरी व जेतीसे सुरकब है । मोसम शिशिर ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

प प नी नी सा सा रे ग सा रे म म ग ग नी नी । अंतरा—ग म प म प नी सा नी नी प प ध म म ग ग रे ग रे ग रे ग म म म ग सा । आभोग—प प नी सा ग रे सा नी ध ध रे सा नी ध प सा नी ध प म म नी ध प म ग ग ध प म ग रे रे प म ग रे सा ।

सरगम ताल अद्दा ।

प प नी नी सा सा प नी सा रे ग सा रे म म ग ग नी नी सा रे म ग नी । अंतरा—प नी सा ग रे सा सां सा सा सां नी ध ध प म ग रे प म ग रे ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल तीव्रा ।

दिर दां दिर दां रा दां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां । तोडा—दिर दां दिर दां रा दां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल सुलफाख्ता।

दाँ राँ दिर दाँ रा दाँर दा रदा धरॉड दा रा दाँ रा दाँ दा रा दा। तोडा-
२ ५ ६ ७ ८ ३ ७ ६ ९ ८ ८ ५ ५ २ ५ ६ ५
दाँर दार दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दा रा दाँ रा दाँ दा र दा।
११ १३ १४ १४ १४ १३ ११ ९ ८ १४ १३ १२ ११ ९ ९ ८ ७ ६

तराणा ताल अदा।

दिर्में तेना दिर्रे नां तदरे दानी दोसत। अंतरा—गरचे मन लैली न बासम दिले मी जनु दर नोअसत। सरबसे एरा मे जदम लेकिन हया जंजीर पाअसत।

बोल ताल तिलवाडा पुराना।

गेहेरी गेहेरी नंदीयां बेहेत हे पैनं चलंत पुरवेईयारी दईया। अंतरा-गहेरी नदीया नुरवा न लागे कैसे कि ऊतसंगी पार मोरी दईया।

मालकोश रागके पुत्र।

४ प्रवल, ५ चंद्रक, ६ भोहअर, ७ आनंद, ८ खोकर इनका हाल मालूम नहीं हुआ इसलिये नहीं लिखा गया।

मालकोश रागकी भार्या धनासरी १।

इसमें सुर गुरु निखाद, वादी निखाद, संवादी गांधार, अनुवादी पञ्चम है। संपूर्ण है। खास स्वर ये हैं—नी सा ग म प ध रे। वक्त तीसरे पहरका। स्वर ये लगते हैं—खरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार मध्यम तीव्र, पंचम शुद्ध, धैवत निखाद तीव्र। टोडी, आसावरी व मारवासे मुरक्कब है। देशी व संकीर्ण है। तासीर खुशी पैदा करे। मोसम शिशिर ऋतु। धनासरी मालकोशकी भार्या है और श्रीरागकी रागिणी है सो श्रुतियोंमें फरक है। श्रुतियोंमें फरक होनेसे दो शक्लें पैदा हुई हैं।

आलाप।

नी सा ग मं प ध प मं ग मं ध प म ग रे सा। अंतरा—ग म प सा सा सा नी सा सा नी ध प म ध म प प ग म ग रे सा। आभोग—म प सा सा स

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी सा ग ग म म ग म ग रे सा नी सा सा ग म ग ग रे रे सा सा सा नी ध प प म ग ग म ग रे सा।

सरगम ताल सुलफ।

नी सा ग मे प ध पे म ग ध पे म ग रे सा। अंतरा—मे प सां सां सां नी सां सां सां नी ध प म ग सां नी ध पे म ध मे प ग म पे म ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल धमाल।

दों दा रा दों दा रा दों रा दों दिर दा दों रा दा दों रा। तोडा—दों दिर
५ ६ ८ १० ११ १२ ११ १० ८ १० १२ ११ १० ८ ७ ६ ८ १०
दा दों दा रा दों रा दों रा दा दों दा रा दों रा।
११ १४ १४ १४ १३ १४ १३ १२ ११ १० १० ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दों रा दों रा दा दा रों दा दा रा दोंर दा रा दों रा दों दिर दा रा दों
५ ६ ८ १० ११ १२ ११ १० ८ १० ११ १२ ११ १० ८ १० १२ ११ १० १०
दिर दिर दिर दोंर दार दा। तोडा—दों रा दों रा दा रा धेराड दा रा दोंर
१२ ११ १० ८ ७ ६ ८ १० ११ १४ १४ १३ १४ १४ १३ १२
दार दा दों रा दोंर दा रा दों दिर दा दा रों दा दा रा।
११ १० १२ १० ११ ८ १० ११ १० १२ १० १० ८ ७ ६

तराणा ताल तिताला।

तांर तार तेंदर तदर तदेंर दानी तेंननन। अंतरा—दिमें दिम तेंदर दिम ऊंदीतनी यैलमन।

बोल ताल चोताला पुराना, तितालासे चोतालामें किया गया।

ऐ सखी नंद कुमार बालापनमें मेरो मन लीनो। अंतरा—जियरा उकलात जात नैनन नीर भरत आत मेरे जियाको कहा दुख दीनो। सांवरो सलोनो कान्ह बाट रोक ठाहरो भयो मोको बुलाए पास अधरको रस लीनो। दीरगभी मिलात जात मुसकात हँसत जात बांसुरी बजाए कछु जादूसो कीनो॥

भार्या मालसरी २।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी निषाद, विवादी धैवत है। खाडु है। खास स्वर ये हैं—प म ग रे सा नी। स्वर ये लगते हैं—खरज

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार तीव्र, मध्यम दोनों कोमल तीव्र, निषाद तीव्र। वक्त दिनके दो पहर पीछे। इसमें ऋषभ मध्यम मिलत बोलते हैं ठहरकर स्वर नहीं देते। आरोह अवरोहमें जराये बुलाये जाते हैं। शंकराभरन, केदारा, मदुमाद व सरस्वतीसे मुरक्कब है। इकसाम ४ हैं शुद्ध मालसरी, जैत-मालसरी, प्रतावमालसरी, धोलमालसरी। मोसम शिशिर ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। यह मालसरी, मालकोशकी भार्या है और श्रीरागकी रागिणी है सो श्रुतियोंमें फरक है जिस वजहसे बदल जाती है। देशी व संकीर्ण है।

आलाप।

प म ग रे ग म ग म ग प ग प प म ग रे सा नी सा। अंतरा—ग म ग प ग म ग सा सा सा सा नी सा ग ग प म ग ग प म ग ग म ग रे सा। आभोग—प म ग ग म ग म ग प ग ग रे रे सा सा सा सा नी सा ग ग म म ग म ग ग रे सा ग प म ग म ग म ग रे सा।

सरगम ताल चोताला।

पं म गं रे गं म ग म गं प ग प पं म गं प पं म ग रे सां नी सा सा। अंतरा—गं म गं प गं म ग सा सां सा सा सा नीं सा गं ग गं रे सा सा पं म ग रे।

गत मशीतखानी ताल सुलफ।

दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ दिर दा रा दां रा दा दा रा। तोडा—दाँ रा दा
११ १० ८ ७ ८ १० ८ १० ८ ११ ८ १० ८ ७ ६ ८ १० ८
दाँ रा दा दाँ रा दा रा दां दा रा दा रा।
११ ८ १५ १४ १४ १४ १३ १४ ११ १० ८ ७

गत फीरोजखानी ताल जुमरा।

दां रा दा रा दाँ रां दिर दां दिर दिर दिर दाँ र दार दा। तोडा समसे-
११ १० ८ १० ८ १० ८ ११ ८ १० ११ १० ८ ७ ६
दाँ रां दा दां रा दा रा दाँर दार दिर दां दिर दिर दिर दोंर दार दा दिरं दा
९ १४ १४ १४ १४ १३ १४ १४ १३ ११ १० ९ १४ ११ १० ८ ८ १० ११
रा दा दाँ रा दा रा।
१० ११ १० ८ ७ ६

तराणा ताल चाचर।

तोम तोमं तदाँनी यंरे मन तरि मन तोमेंतदर नाँरे नारे दांरा तेली तरिमन।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल जुमरा पुराना, तिताळासे जुमरामें किया गया।

ओ पिया प्यारे मोरे मंदिरमें तेरे रूपकी धूम परी है नगरमें। अंतरा—राखूंगी नैनमें ओरन न देखन दूंगी मैं जो परी हूं तेरे प्रेमके सागरमें।

भार्या जेतसरी ३।

इसमें सुर गुरु खरज, वादी गांधार, संवादी पंचम, अनुवादी निषाद है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे प म ध ग नी। वक्त दिनका तीसरा पहर। स्वर ये लगते हैं—खरज पंचम शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र। देशी व संकीर्ण है। मोसम शिशिर ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। धोल, वेरारी व देसकारसे मुरक्कब है।

आलाप।

सा रे प प प म ध म ग ग रे सा सा नी रे सा प प ध नी रे नी रे सा। अंतरा—ग ग रे सा सा सा नी रे सा प प ध नी रे प प प प म ध म ग रे सा। आभोग—म ग रे सा सा सा सा प प ध नी रे रे प प म म म ग ग रे रे सा सा नी रे सा प प ध नी रे प प प म ध म ग रे सा।

सरगम ताल थपैया।

सां रे पं प पं मं धं म गं ग रें सां सां नी रें सा पं पं धं नी रें नी रें सां। अंतरा—गं रे सां सा सां नी रें सा पं प धं नी रें प पं प पं मं पं ध मं ग रें सां।

गत मशीतखानी ताल चाचर।

दां रा दां रा दां दा रा दां दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दां दा रा।
८ ७ ११ ११ १२ १० ८ ७ ६ ५ ७ ६ ११ ११ १२ १३ ७ ५ ७ ६

तोडा—दां दिर दां रा दां दा रा दां दा रा दां रा दां रा दां दा रा दां रा दा।
८ ७ १४ १४ १४ १३ १५ १४ ११ ११ १२ १३ ७ ७ ११ १० १२ १० ८ ७

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दां रा दां रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां
८ ७ ११ ११ ११ १० १२ १० ८ ८ ७ ६ ५ ७ ६ ११ ११ १२ ५ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दिर दा रा। तोडा समसे—दाँर दार दिर दां दिर दा रा दों दिर दिरें दि
दाँर दार दा धें राड दा रा।

तराणा ताल जपताला।

तांनोम तोम तानोम तंदानी तंदरदानी ध्रीलांग दिरें दिर तोम तांनोम तंदानी दानी।

बोल ताल जूमरा।

सिंयारे भंये नैनों मेरे दरसन पाए पिया के। अंतरा—पी कारन पीरी भई हूं री मोरी आली दरद गये सब जीयाके।

भार्यां सुगरेई ४।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी धैवत, संवादी निषाद, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी ग म ध रे। वक्त दिनका तीसरा पहर। स्वर ये लगते हैं— खरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार कोमल, मध्यम व पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल। अडाना, बिलावल व नट-नारायणसे मुरक्कब है। देशी व संकीर्ण है। मोसम शिशिर ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

सा नी ग म प ध ध सा नी प म ग म नी प नी प ग म रे सा। अंतरा—म म प नी नी सा सा सा नी सा रे सा नी प नी प म ग म नी प नी प ग म रे सा। आभोग—प नी नी सा सा सा सा नी प नी प म म ग ग म म नी प ग म रे सा सा सा सा नी सा रे सा नी प नी प ग म रे सा।

सरगम ताल तेरतीया।

सां नी गं म प धं धं सां नी प पं मं गं म नी पं नीं पं ग म नी पं गं रे सा। अंतरा—गं मं पं नी सा सां सां नीं सा रे सां नीं पं नी प मं गं मं नी प नी पं गं म रे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत मशीतखानी ताल ख्यालका ठेका।

दाँ दिर दा दाँ राँ दाँ दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दाँ दिर दाँ दिर दिर दाँ
६ ५ ८ ९ ११ १२ १२ ६ १३ ११ ९ ८ ९ १३ ११ १३ ११ ८ ९

दिर। तोडा—दाँ दिर दिर दाँ रा दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दा दाँ राँ दाँ रा दा दाँ रा।
७ ६ ६ ११ १२ १३ १४ १४ १३ १४ ७ ६ ५ ११ १३ १२ ११ ८ ६ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल कोकला।

दाँ राँ दिर दाँ रा दाँर दार दा दाँ रा दाँ रा धेरेड दा रा दाँ रा दाँ दिर
६ १३ ८ ९ ११ १२ १२ १४ १३ ११ १३ ११ ९ ८ ९ ११ १३ ११ ९

दिर दिर दाँर दाँर दा। तोडा—दाँर दार दा दाँर दाँ दिर दिर दिर दाँ दिर
८ ९ ११ ६ ७ ९ ९ ११ १३ १४ १४ १४ १३ १४ ७

दाँ र दाँ दार दा दाँ रा दाँ दिर दा दार दा दाँ र।
६ ५ ११ १३ १२ १४ १३ ११ ९ ८ ९ ९ ७ ६

तराणा ताल तिताला।

नातांरी दानी ई लेला ली ला लां ली ली तदेर दानी तनं दीर ना दिमें दिम तारी दानी ना दीरें दीर दानी।

बोल नया ताल तिताला।

चंद्रोदये सखी नाहनें गईहीईईरी जमुनापे मिलें गये कोहानाँआअ। अंतरा—छीनं कंपट मोअरी सीरसेए गाँअगर वेहिया पकेर मुसकाँआ अँनाआअ। केर वरजोरी मोसे हंस बतियाँ कीनीई रंसवश केरके बहाँ-आआनाँआआआअअ। जाए गईयाँ चरावनें गुवालबाँल सबेही ठाअरे बेंअसी बजाँआआआअनाँआअअ।

भार्यां भीमपलासी ५।

इसमें सुर गुरु निषाद, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी ऋषभ है। संपूर्ण है। इसमें सुर ये हैं—नी सा ग म प रे ध। वक्त दो पहरके बाद। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत बाकी कुल कोमल हैं। धनासरी, पूरवी व शुद्धसे मुरक्कब है। देशी व संकीर्ण है। मोसम शिशिर ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। इसको बाजे ग्रंथोंमें भैरवीके ठाटमेंभी लिखा है जिससे ऊपर कोमल स्वर लिखे हैं, परंतु असलमें इस तरह

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पर है—खरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी। मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध धैवत तीव्र, निषाद सकारी याने कानडेके ठाटमें है।

आलाप।

नी सा ग म प म ग ग रे रे सा सा नी सा ग म प ध ध प म ग रे सा। अंतरा—म ग म प नी सा सा सा सा सा सा नी सा रे रे सा नी प म ग म ग रे सा। आभोग—म प नी सा सा सा सा सा नी सा रे रे सा सा नी नी प प म म ग म प नी सा सा सा सा प प म म ग ग रे रे सा ध ध प म ग रे सा।

सरगम ताल इकताला।

नी सा ग म प ग ग रे रे सा सा नी सा ग म प ध ध प म रे सा। अंतरा—म ग म प नी सा सा सा सा सा सा नी सा रे रे सा नी प ग म म ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल चोताला।

दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दा रा। तोडा—दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दा रा दा रा अ दा रा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दिर दिर दिर दार दार दा धेराड दा रा दा रा दा रा। तोडा समसे—दा दिर दिर दिर दार दार दा दार दा रा दा दिर दिर दिर दार दार दिर दा दिर दा रा

तराणा ताल चोताला।

दिमें दिमें दानी तुम दिरदिरनारे तांदिम तांदिम तामें तानो मत नांदिरना।

बोल ताल ख्यालका ठेका।

सुधहु न लीनी श्यामें मोरी जाए। ऊधो अब चित चकोर चंद्रमा सुख हारि देखे बिन अकुलाए। अंतरा समसे—ज्यूं जले बिन मीन तलमल तलफत तनछीन छीन छीन तुम जोग पठावत बदुहुन लाए ऊर लाए लाए

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भार्या कामोदी ६ ।

इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी षरज, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है। संपूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—रे प ध म ग सा नी । वक्त दो पहर दिनका। स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम पंचम शुद्ध, बाकी तीव्र हैं। सुरअष्टक व गोरीसे सुरक्कब है। देशी व संकीर्ण है। मोसम शिशिर ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

रे रे प प ध प ध ध प म ग म ग रे ग ग सा नी रे सा। अंतरा—रे प ध सा सा सा नी रे सा सा सा नी ध प प म ग म ग रे सा । आभोग—प ध सा सा सा सा सा नी रे सा सा ग ग ग-ग रे रे रे म ग ग रे सा सा सा नी रे रे सा सा नी ध प प म ग म रे सा।

सरगम ताल केद ।

रे रे प पध प ध ध प म ग म ग रे ग ग सा नी रे सा सा। अंतरा—रे प ध सा सा सा नी रे सा सा सा नी ध प प म ग म ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा—दिर
७ ८ ८ ६ ५ ७ ६ ७ ७ ११ १२ ११ ९ ८ ९ ८ ७
दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।
११ १२ १४ १४ १३ १५ १४ १३ १२ ११ ८ ९ ८ ७ ६

गत फिरोजखानी ताल खम्सा ।

दां रां दिर दां दिर दिर दिर दारे दार दा दां रा दा दा रा दां। तोडा—दांर
७ ११ १२ ११ १२ १२ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ६ ५ ७ ६ ७
दार दा दांर दा रा दां दिर दा रा दां रा दा दा रा दां।
११ १४ १४ १४ १३ १५ १४ १३ १२ ११ ८ ९ ८ ७ ६

तारणा ताल तिवाला ।

तलांलीतारे तांरातेली तमंत ललालीं नादरेतेली तुमं दिरना दिरे तुम दिर दिर दोंरी दिमतदारी दांरी दिरना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला पुराना ।

तुम बिन भईको कल न परत पीइरवा नेकें न परत मोए चैन । अंतरा-जागत जागत रैन बीत गई तूने मोरी सुधहु न लीनी आंसू भर आए नैन ।

भार्या गंधारी ७ ।

इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी षरज है। वक्त पहर दिन चढे । खादु है । खास स्वर ये हैं—म प सा नी रे ध । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, बाकी सब सकारी हैं । षटराग व आसावरीसे सुरक्कब है । देशी व संकीर्ण है । मोसम शिशिर ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप ।

म प म सा नी रे म प प प ध सा नी ध प म प प प रे रे रे रे सा ।
अंतरा—प म सा नी रे रे रे रे सा नी ध प म प प प रे रे रे रे रे सा ।
आभोग—म प म सा सा सा सा सा नी रे रे रे रे म म सा नी रे रे रे रे म प प प म सा नी ध प म प प प रे रे रे रे रे रे सा ।

सरगम ताल इकताला ।

मं पं म सा नी रे म प पं प ध सा नीं ध प प पं प रे रे रे' रे रे सा ।
अंतरा—मं पं म सा सां सा सा सा नीं रे म प पं प प म सां नी ध प पं प रे रे ।

गत मशीतखानी ताल रूपक ।

दां रा दा रा दां दिर दा रा दां रा दा दिर दां रा दा रा । तोडा—दां दिर
९ ११ ९ ६ ५ ७ ९ ११ ११ ११ १२ ६ ५ ७ ७ ६ ९ ११
दा रा दां दा रा दिर दां रा दा रा दां दिर दा रा ।
९ १४ १४ १४ १३ १५ ११ ११ ७ ७ ७ ७ ७ ६

गत फिरोजखानी ताल आडा चौताला ।

दां रा दां दिर दा रा दां रां अ द दां रा दा रा दां रा दां दिर दिर दिर
९ ११. ९ ६ ५ ७ ९ ११ ११ १२ ६ ५ ३ २ ९ ११ ११ ११ ७ ७
दांर दार दा धंराड दा रा । तोडा समसे—धं राड दा रा दांर दार दा दां रा
७ ७ ७ ७ ६ ६ ९ ११ १४ १४ १४ १३ १५ ९ १४
दां दिर दा दा रें दा दा रा दां दार दा दां रा दां दिर दा रा ।
१२ ६ ५ ३ ११ ११ ९ ११ ११ ११ ७ ७ ७ ७ ७ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तराणा ताल।

[३स]तौनोम तोम [३]तंदरदानी [ख]तनाना तंदानी दारी [१]दानी तदानी [३]दिम तादीम [ख]तोम तानोम।

बोल ताल तिलवारा।

[३]कंहो कहे [ख]ऊनकी [१]बांत [३स]ऊन विन [३]कल ना [ख]परत [१]दिन [३स]रांत। अंतरा—इनकी दुराए न कीनने वदी है वग मारे नीचे हात।

मालकोश रागकी भार्या दुर्गा ८।

दुर्गा मालसरी, लीलावती गोरी व सारंगसे मुरक्कब है इसका और हाल मालूम नहीं हुआ जिससे नहीं लिखा गया जो मालूम हुआ सो लिखा है।

हिंडोल राग।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी गांधार, संवादी धैवत अनुवादी खरज, विवादी ऋषभ व पंचम है। जिससे ऋषभ सकारी लगता है। वक्त मोसम वसंतमें हर वक्त और गैर मोसममें दिनके तीसरे पहर पीछे। मारग व शुद्ध है। आदू है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा ग म ध नी। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार धैवत निषाद तीव्र, मध्यम दोनों। लीलावती, पंचम व पुरीयासे मुरक्कब है। मोसम वसंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। यह महादेवजीके उत्तर ओरके मुखसे पैदा हुआ है। इसके गानेमें अगर सांचे स्वर लगें तो झूला खुद चले।

आलाप—मध्यम कडी है।

आ न ने ना तोम तानेआनेने ना आ आतोम ना आने ने नाआ ने री नां आने तोम।
सा ग म ध नी सा नी ध सा नी सा नी ग रे ग म ग रे सा।
अंतरा—ग म ध नी सा सा सा सा सा नी ध ध म म सा सा नी ध ध ध नी नी ध ध म ध नी ग रे सा। आभोग—म म ध ध म म ध ध ध ध नी नी सा सा सा सा ग ग नी सा सा सा ग ग ग म ग ग म म ध नी सा सा सा सा सा नी ध म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल चौताला ।

सां ग म ध नी सा सा सा सां सा नी ध सां सा नी सा सां नी ग ग म ग रे सां । अंतरा—गं म ध नी सां सा सा सा सां नी धं ध मं म सा सा नी ध ध ध नी नी धं ध मं ध नी नी सां सा नी ध मं ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल आडा चौताला ।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा । तोडा—दां दा रा दिर दांर दि दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा ।

गत फीरोजखानी ताल कोकला ।

दां रां दिर दां रा दांर दार दा धेराड दां रा दांर दार दिर दां रा दा दिर दिर दिर दांर दारं दा । तोडा—दां र दार दा दां रा दां दिर दा दारं दा दां रा दांर दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दां र दिर ।

तराणा ताल तिताला ।

नारें दिरना दिरें नातदां रीतारी तदर दानी नांदर तेलीत दीम तन्न दिरना दिम तारी दानी ।

बोल ताल चौताला पुराना ।

खेएलतें वसंत पीयारी संगें बनसीवट जमुनों तट सघन कुंज ।

हिंडोलरागका जोड ।

सां सा सा सा ग म ध नी सा सा सा सा नी ध सां सा सा सा नी सा सा सा सा नी ग ग ग ग सा सा सा रे ग म ध ध ध नी नी सां सा सा सा ग ग ग म ग ग म म ध नी सां सा सा सा सा सा नी ध म ग रे सा ।

चतुरंग ताल फरोदस्त ।

सां ग म धं नी सा सां सा सा सां नी धं सा सां नी सां सा सा सा नी ग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ग रे ग म ग ग ग ग म म म ग ग ग रे रे सा सा। चेतुरंग ताल फेरोदसंतकी गुनियोंको बताये धीलांग तीक धीं धी किट धां किट तिक धिमकिट धींता-किंट तिक किंट तीका गदीगीन तोमं तानोम तानोम तोम तेंदर दानी नारे तींयाईया तोमं तदर दानी पीतम पीतडी लेगाके काहा गयो जीया तरसेए।

बोल ताल तिताला नया।

अंबवा पलाश जोबनमें फुलाए पेपईया कोएल मोअर कुकाए। अंतरा—नये द्रुम नये पात नई बेलें रीया नये नये फूलोंपे भँवर लुबारेए। आई वसंत ऋतुराज दरसायो मदनके बान चहूं दिसिं छाए। रंग वसंते सखी मिल गांअवे जहूं कामसे जियां अकुलाए।

हिंडोलकी रागिणी बिलावल १।

इसमें सुर गुरु धैवत, वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी पंचम, विवादी मध्यम है। बारह श्रुतियोंके फरकसे है। संपूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—ध प म ग रे सा नी। वक्त पहर दिन चढे। अकसाम चौदह (१४) हैं। शुद्ध बिलावल १, अलीया बि० २, सुकल बि० ३, खमा-एची बि० ४, सुखिया बि० ५, बिराग बि० ६, सुहा बि० ७, कोकव बि० ८, जैजैवंती बि० ९, संकरा बि० १०, काजली बि० ११, ईमन बि १२, कामोदी बि० १३, मधरसिया बि० १४। यह बिलावल कल्याण व केदारासे मुरकब है। देशी व संकीर्ण है। मोसम वसंत ऋतु। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तीव्र। तासीर वियोग पैदा करे।

आलाप।

ध प म ग रे सा नी सा रे ग प ध प म म रे सा। अंतरा—रे ग प ध नी सा सा सा सा सा नी ध प म ग रे ध ध प प म ग रे सा। आभोग—प ध नी सा सा सा सा सा नी सा रे म ग ग रे सा सा सा सा सा नी ध प म ग रे ध ध ध प प म ग ध ध प प म सा नी ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल तीव्रा ।

धं प मं ग रे सा नी सा रें ग पं ध पं म गं रे । अंतरा—रें ग पं ध नी सा सां सा सां सा नीं ध पं म गं रे धं ध पं प मं ग रें सा ।

गत मशीतखानी ताल खम्सा ।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां रा दा दिर दा रां । तोडा—

१२ ११ ९ ८ ७ ६ ५ ६ ७ ८ ११ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ६

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां रा दा दिर दा रां ।

७ ८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ५ ६

गत फीरोजखानी ताल तिताला ।

दां रा दा दा रां दा दा रा दां दिर दिर दिर दां र दा र दा । तोडा—

१२ ११ ९ ८ ७ ६ ५ ६ ७ ८ ११ १२ ११ ९ ८ ७ ६

दिरं दिर दार दांर दा दा रा दिरं दिर दिर दिर दां र दा र दा ।

८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ५

तराणा ताल तिताला ।

ऊंदतना तंना दिरना दिमं दिम तांरी दानी तांदिम दिम तां दिम तनांना नारे तंदरदानी ।

बोल ताल चौताला पुराना ।

चंऊंअचंल नेंआंनों नंचाऐ चढाऐ भों अंऐ चंदंहुं लजांत मांतु मंदहांस हसेअंऐरी । अंतरा—मोरमुकुट मोरें सों हे मुंरली मधुंर मनमों हे ऐरी । पीत पटं कटी कसेंरी चंहुं अनयांरी आंखिनमें अंऊ जंनमनरंजन अंलबेली पांगकें संवांरे पेच कसे ऐरीऐरी ।

हिंडोलरागकी रागिणी रामकली २ ।

इसको रामकरीभी कहते हैं । इसमें सुर गुरु षरज, वादी धैवत, संवादी मध्यम, अनुवादी गांधार है, विवादी ऋषभ व पंचम है । जिससे ऋषभ सकारी व पंचम तीव्र लगता है । खाद्रु है । जिसके स्वर ये हैं—सा ध रे ग म नी । स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार शुद्ध, धैवत कोमल, निषाद तीव्र । वक्त फजरका । शुद्ध व संकीर्ण है । शंकराभरन, अडाणा व सोरठसे मुरकब है । मोसम वसंत ऋतु । तासीर वियोग पैदा करे ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

सा सा सा ध सा सा रे ग म प नी ध म प म ग रे सा रे ग ग म ग रे सा सा ग रे सा। अंतरा—ग म प सा सा सा ध सा सा रे ग म नी ध प म ग रे सा रे ग ग म ग रे सा सा ग रे सा। आभोग—म नी सा सा सा सा ध सा सा सा सा रे ग म नी ध म प म ग रे सा सा सा रे ग ग म ग रे सा सा सा ग रे सा सा सा ध सा सा रे सा ग म नी ध म प म ग रे सा सा ग रे सा।

सरगम ताल खम्सा।

सां ध सा सा रे ग म नी ध म प म ग रे सा रे ग ग म ग रे सा सां सा सा सा सां ध सा सा रे सा सा ग रे सां। अंतरा—गं म प सा सां ध सा सा रे ग म नी ध म प म ग रे सां सा सा सा रे ग म प म ग रे सा सां सा म ग रे सां।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।

गत फीरोजखानी ताल चौताला।

दां रा अ द दां र दा रा दां र दां र दिर दां दिर दा रा दां दिर दिर दिर दां र दां र दा। तोडा—दिर दिर दार दां र दा दा रा दां रा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा धरा ड दां रा।

तराणा ताल आडा चौताला।

नां दिर तेलेी दी म तनं दी र ना दिरं दिर तोम ऊ दं न तीं ल ना रे तदेर दानी तं ना ना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला पुराना।

अैब न जगीवो श्याम मईका लैगली अंबी मोरी अबीही नेकं पल जैप-कत नीसे सारी जागी जगाई तूं। अंतरा—सोवेन दे मोए आनंदभवनमें लोमूंगी तिहारे छतियाँ सरने अबं तूं जिन जोवो श्याम मईका।

हिंडोलकी रागिणी ललित ३।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी धैवत, अनुवादी गांधार, विवादी ऋषभ व पंचम है। जिससे ऋषभ सकारी लगता है। पंचम वर्ज है। खाड़ु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी रे ग म ध। स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, धैवत कोमल, निषाद तीव्र। वक्त फजरका। देशी, बिभास व पंचमसे सुरक्कब है। शुद्ध संकीर्ण है। अक-साम ४ हैं बाहर ललित, केदारा ललित, मारवा ललित, सुमती ललित। मोसम वसंत ऋतु। तासीर खुशी विरह पैदा करे।

आलाप।

सा नी रे ग ग म म म ग म ध नी सा नी ध म ग रे सा। अंतरा—ग म ध नी सा सा सा सा सा नी रे म म म ग रे सा नी ध म ग रे सा आभोग—म म ध नी सा सा सा सा नी ध म म म ध सा सा सा सा नी रे ग ग म म म ग म ग रे सा सा सा सा नी ध म ग रे सा।

सरगम ताल कोकला।

सां नी रे ग गे म मे म ग म धे नी सां सा नी ध म म धे म धे म म म में म रें सा। अंतरा—गें म ध नी सां सा सां सा सा नी रें ग में म नीं ध म म धे म धे म म म में ग रे सां।

गत मशीतखानी ताल खम्सा।

दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों दिर दा रा दों रा दा दिर दा रां। तोडा—दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों रा दा रा दों दिर दा दिर दा रां।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल सवारी ।

दिर दा दिर दा रा दाँ रा अ दा रा दाँ दा रा दा दिर दिर दिर दाँर दार
६ ५ ७ ८ ८ ९ ९ ९ ८ ९ १२ १३ १४ १४ १३ १२ ९ ८ ९
दिर दा दिर दिर दिर दाँर दार । तोडा—दिर दिर दार दार दाँ दा रा दा रा
१३ १२ ९ ९ ८ ७ ६ ८ ८ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १६
दाँ दा रा दिर दा दिर दिर दिर दारँ दार दिर दा दिर दिर दिर दारँ दार ।
८ ९ १५ १४ १४ १३ १२ ९ ९ ८ ७ १४ १३ १२ ९ ८ ७

तराना ताल चाचर ।

ताँनोम ताँनोम तँदानी दानी दिरँना तन दिरँना तँदारी दाँरी तोम तोम ताँनोम तोम ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

सो बडी बडी नींदभरी अँखीया याँ या या । अंतरा—सो बडी बडी अँखीया लालूलाल डोअँ रे पीयेहीये माँअज गईहीं ।

हिंडोलकी रागिणी देवशाख ४ ।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम, अनुवादी निषाद, विवादी ऋषभ है, जिससे तीव्र लगता है । आदु है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा ध ग प रे । वक्त पहर दिन चढे । अकसाम चार (४) हैं—देवशाख १, गुन २, भोहर ३, कछ ४ । स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम पंचम शुद्ध व तीव्र, गांधार शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । शुद्ध, शंकराभरन, कानडा व मलारसे मुरक्कब है । संकीर्ण है । मोसम वसंत ऋतु । तासीर रीस याने गुस्सा पैदा करे ।

आलाप ।

सा सा ध ध ग प प ध ध सा ध ध प प प ग ध ध प ग ग ग ग ध प ग रे ग रे सा रे सा । अंतरा—प ध सा सा सा सा ध ध प प प ग ध ध प ग ग ग ध प ग रे ग रे सा रे सा । आभोग—प प ध ध सा सा सा सा सा ध ध प प प ग ध ध प ग ग ग ध प ग ग ग ग रे ग रे सा सा सा सा ध ध प प प प ग ध ध प ग ग ग ध प ग रे ग रे सा रे सा ।

Dr. Urmila Sharma Colleotion, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल तिताला ।

सां सा ध ध गे प प ध धं सा ध ध पं प प ग धं ध प ग गें ग ध प गें रे ग रे सां सा रे सा । अंतरा—पं ध सा सा सां ध ध प पं ग ध ध पं ग ग ग धं प प प गं ध प ग गें रे ग रे सां रे सा सा ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दीं दा रा दिर दां दिर दा रा दीं दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दीं दा रा दिर दां दिर दा रा । तोडा—दीं दिर दा रा दां दिर दा रा दीं दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दीं दा रा दिर दां दिर दा रा ।

गत फीरोजखानी ताल आडा चौताला ।

दीं रीं द दांर दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दिर दीं दिर दा रा दां रा दां रा दा रा । तोडा—धराडें दा रा दांर दार दिर दां रा दां दिर दिरं दिर दांर दार दा दां रा दा रा दां रा दां दिर दा रा ।

तराणा ताल चौताला ।

दिमें दिमें तीं दिम तनांना नारे तेंदर दांनी तांनोम तानोमं तोम ।

बोल ताल चौताला पुराना ।

तेऐरे बेल भूल्यो री माई तुं सरवंस सकले कलों सुखं देहेन ।

हिंडोलकी रागिणी पटमंजरी ५ ।

इसमें सुर शुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी धैवत, अनुवादी खर्ज है। खाडू है। जिसके खास स्वर ये हैं—प म ग रे नी सा । स्वर ये लगते हैं—खर्ज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार शुद्ध व तीव्र, धैवत शुद्ध, निषाद तीव्र है। संकीर्ण है। वक्त आधी रातका । अकसाम दो हैं—सूरदासी, तानसेनी । मारुवा, धोल, धनासरी व कुंवावतीसे मुरकब है । मोसम वसंत ऋतु । तासीर वियोग विरह पैदा करे ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

प म ग रे ग नी रे रे ग म प ग रे ग सा सा। अंतरा—ग म प सा सा सा सा सा सा नी ध प म ग रे ग सा। आभोग—म प सा सा सा सा सा सा सा नी सा सा सा सा म म ग ग रे रे रे सा सा सा सा सा सा सा नी ध प म ग रे ग सा।

सरगम ताल फरदोस्त।

प म ग रे ग नी रे रे रे ग म प ग रे रे ग ग सा सा। अंतरा—म प सा सा सा सा सा सा सा सा सा सा नी ध प म ग ग सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दा रा। तोडा—
११ ३ ८ ७ ८ ५ ७ ७ ८ ९ ११ ८ ७ ८ ६ ६

दिर दा दिर दा रा दा दा रा दिर दा दिर दा रा दा दा रा।
९ ११ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १४ १२ १२ ११ ९ ८ ८ ६

गत फीरोजखानी ताल कोकला।

दा रा दा रा दा रा दिर दा रा दा र दा र दा। तोडा—दा दिर दा रा
९ ८ ७ ८ ५ ७ ८ ९ ११ ८ ७ ८ ६ ११ ९ ११ १४ १४

धरांड दा रा दा रा दा रा दा रा।
१४ १४ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ६

तराणा ताल सुलफाख्ता।

तानोम तोम तानोमं तनदिरना दिरना तदारी दानी तेदर दानी दिरना।

बोल ताल तीव्रा पुराना।

सकल गुन जोगे सकल विद्या पहेचाने मोअने ज्याकूं सब गुन गुनकी बोअते बखाने। अंतरा—तानसेन मीयां सोह अकबर जोई जाने सोई माने।

हिंडोलरागके पुत्र।

१ चद्रभनप, २ मंगल, ३ सुभाह या सोभा, ४ आनंद, ५ विनोद, ६ परधुन हिंडोल रागके पुत्रोंमें इन छःका हाल नहीं मिला इसलिये नहीं लिखा गया और दो अर्थात् गोरा व विभासका मिला सो लिखा गया।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हिंडोलका पुत्र गोरा ७।

इसमें सुर गुरु धैवत, वादी धैवत, संवादी षरज, अनुवादी गांधार है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—ध ग म रे सा प। वक्त शामका। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र। संकीर्ण है। गोरी, नट व तीरवनसे मुरक्कब है। अकसाम ४ हैं—शुद्ध, जेती, श्री व माली। इनकी तफसील आगे लिखी है। मोसम वसंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

ध ग ग म ग रे सा सा सा प प ध प म ग ग। अंतरा—रे सा सा सा सा प प ध प म ग ग ध ग ग म म रे सा आभोग—म ग रे सा सा सा सा सा प प ध प ग ग म ग ध ग ग ग ग म म रे सा सा सा म ग रे सा प प ध प म ग ग ध ग ग म ग रे सा।

सरगम ताल तीव्रा।

धे ग गे म गे रे सा सा सा प पे ध पे म गे ग। अंतरा—ग रे सा नी धे प मे ग गे ध गे ग मे ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा। तोडा—दाँ दा
१२ ८ ८ १० ८ ७ ६ ६ ६ ११ ११ १२ ११ १० ८ ८ ८ ७
रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा।
१३ १४ १२ ११ ११ १२ ११ १० ८ ८ १२ ८ ८ १०

गत फीरोजखानी ताल तीव्रा।

दाँ दिर दिर दिर दाँ र दाँर दा दाँ दिर दाँ दार दा दाँ रा। तोडा—दिर
१२ ८ ८ १० ६ ७ ६ ६ ११ ११ १२ ११ १० ८ ८ ६
दिर दाँर दाँ दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दाँर दा।
७ १४ १२ ११ ११ १२ ११ १० ८ ८ १०।८ ८ ६

तराणा ताल चाचर।

तोंनोम नोंनोम तोमें तानोम तंदरदानी दिमेंदिम ईयों नारे तंदरदानी दिरेंना।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल पंजाबी ठेका पुराना ।

मोरीरे व्योपारी सोदागर आयाअ । अंतरा—किसीने लादी लोंग सोपारी किसीने लादी केसर क्यारी हमने लादा नाम सांईका पूरन खेप हमारी ।

हिंडोल रागका पुत्र बिभास ८ ।

इसको भास्करभी कहते हैं । इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी ऋषभ, अनुवादी गांधार और विवादी गांधार व मध्यम है जिससे गांधार अति तीव्र व मध्यम तीव्र लगता है । वादी अनुवादी स्वरमें आठ (८) श्रुतियोंका फरक है । षाड्‌व है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी रे ग म ध । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत सकारी, गांधार मध्यम तीव्र, गांधार अति तीव्र, निषाद दोनों । वक्त पिछली रातका, सूरज उगनेसे पहले । संकीर्ण है । बिलावल, आसावरी व गूजरीसे मुरक्कब है । मोसम बसंत ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

सा सा सा सा सा सा सा नी नी रे रे ग म ग म ध सा नी ध म म ग सा रे ग म ग रे सा । अंतरा—रे रे ग म ग म ध सा सा सा सा सा सा सा नी ध म म ग सा रे ग म ग रे सा । आभोग—म ध सा सा सा सा सा सा सा नी नी रे रे ग म ग म ध सा सा सा सा सा नी ध म ग सा रे ग म ग रे सा ।

सरगम ताल चौताला ।

सां सा सा सा नी नी रे रे गं म गं म धं सा नी ध मं ग सा रे गं म भं रे । अंतरा—रे" रे ग म गं म ध सा सां सा सां सा नीं" ध म म गं सा रे ग मं ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल आडा चोताला ।

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर
४ ४ ४ ६ ७ ७ ७ ५ ५.७ ७ ८ १०. ८ १० १२ १४ १३ १२ १०
दा रा दां रा दां दिर दा रा । तोडा—दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां
१० ८ ६ ७ ८ १० ८ ७ ७ ८ १० १२ १४ १४.१४ १४ १४ १४ १४
दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा ।
१४ १२ १३ १५ १५ १३ १३ १२ १० १० ८ ६ ७ ८ १० ८ ७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल कोकला।

दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दाँर दा धँ राड दा रा दाँ रा दो
६ ६ ६ ६ ६ ६ ५ ५ ७ ७।८ १० १० ८ १० १२ १४ १३ १२ १०
दिर दा रा दाँ रा दाँ रा। तोडा—धाँड दा रा दाँ रा दाँ दार दा दाँ रा दाँ रा
१० ८ ६ ७ १० ८ ७ ७ ८ १० १२ १४ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १२
दाँर दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दाँ र दा।
१३ १५ १५ १४ १३ १२ १० ८ ६ ७ ८ १० ८ ७

तराणा ताल ख्यालका ठेका।

तानोम तामोमँ तोम तंदरदानी तंदानी तादीम दीम तादिमँ तानोमँ तोम तादीम।

बोल ताल एकताला पुराना।

मोएँ तो पतीयाएँ लेन पीतमको नाँहीं चैन देखवेको तोरे नैन लाल उकलात है। अंतरा—पूरन तिहारो भाग याहीते देवै सुहाग ऊठ चलरी पिया पास बातहूकी बात है। उनकी सब सुघड नार तोपै कुछ अधिक प्यारी जीवन आधार लाल बीरानही बात है। ऊठ चलरी बहनीहीपरात मींझत रहेगी हात तू तो इतरात उत बीती जात है।

हिंडोलरागकी भार्या।

१ गीरवी सुहा, सारंग, गोरी व गूजरीसे मुरकब है। २ लैलावती देसकार, जेतसरी व ललितसे मुरकब है। ३ चेती सावंत, ललित व पुरीयासे मुरकब है। ५ पारावती देवगिरी, पूरवी, गोरी व गोडसे मुरकब है। ८ सरस्वती मालवा, ईमन व सोरठसे मुरकब है। हिंडोलरागकी भार्याओंमेंसे इनका विशेष हाल मालूम नहीं हुआ।

हिंडोलकी भार्या पूरवी ४।

इसमें सुर गुरु गांधार, वादी मध्यम, संवादी गांधार, अनुवादी पंचम है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—ग रे प म सा नी। वक्त शामका। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार तीव्र, मध्यम दोनों पंचम शुद्ध, धैवत कोमल, निषाद तीव्र। संकीर्ण है। मालवा, देवगिरी व गोरीसे मुरकब है। मोसम वसंत ऋतु। तासीर खुशी करे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

ग रे प म प प ग रे ग रे सा नी सा रे ग ग। अंतरा—ग रे सा सा सा सा सा नी सा रे ग ग ग रे प म पं म ग रे ग रे सा नी सा रे ग ग। आभोग—ग रे सा सा सा सा सा नी सा रे ग ग ग रे सा सा सा सा ग ग ग ग रे रे सा सा सा नी सा रे ग ग ग रे प म प म ग रे ग रे सा नी सा रे ग ग।

सरगम ताल जपताला।

ग रे प म प प ग रे ग रे सा नी सा रे ग ग ग ग ग रे। अंतरा—ग रे सा सा सा सा सा नी सा रे ग ग ग रे प म प म ग रे।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर

८ ७ ११ १० ११ १० ८ ७ ८ ७ ६ ५ ६ ७ ८ ८ ८

दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दां रा।

७ १४ १४ १३ ६ ७ ८ ८ ८ ११ १० ११ १० ८ ७

गत फीरोजखानी ताल सुलफाख्ता।

दां रां दिर दां रा दां दिर दिर दिर भ्रां ड दा रा दां रा दां दिर दा रा

८ ८ ८ ७ ११ १० ११ १० ८ ७ ६ ६ ५ ६ ६ ७ ८ ८ ८

तोडा—दां दा र दा दां रा दां रा दा रा दिर दिर दार दांर दा दां रा दा रा।

८ ७ १४ १४ १३ ६ ७ ८ ८ ८ ११ १० ११ १० ८ ७ ६ ७ ८

तराणा ताल धमाल।

तोंनोम तानोम तांमे तानोम तां दीरदांनी दिरना तंदारी दानी दिमें।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना।

रंगों रंग हो री ई होएरही री (इस अस्थाईमें खाली बाद ई कही जावे और ईपर पहली लगाकर फिर अंतरा कहे)। अंतरा—यां व्रजमें अरी धूम मची री बोहत गई रही थोरी।

हिंडोलकी भार्या तिरवन ६।

इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी धैवत है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

षादु है। जिसके खास स्वर ये हैं—रे सा प ग ध नी। वक्त तीसरे पहरका। शुद्ध संकीर्ण है। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र। देशकार, गोरी व पूरवीसे मुरक्कब है। मोसम वसंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

रे सा प ग ध नी सा सा नी ध ग प सा रे सा सा। अंतरा—प ग ध नी सा सा सा सा नी ध ग प सा रे सा सा। आभोग—ग ध नी सा सा सा सा सा नी ध ग प सा सा सा सा रे सा सा सा रे सा सा सा सा प ग ध नी सा सा सा सा नी ध ग प सा रे सा सा।

सरगम ताल पजतो।

रे सा प ग ध नी सा सा नी ध ग प सा रे सा। अंतरा—प ग ध नी सा सां सा सा नी ध ग प सा रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर
७ ६ ११ ८ १२ ५ ६ ६ ५ ३ ८ ११ ६ ७ ६ ६ ११
दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।
८ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ८ ११ ६ ७ ६ ६

गत फीरोजखानी ताल चौताला।

दिर दां दिर दिर दिर दांर दार दा दां दा रा दिर दां रा दां रा दां दार
६ ६ ११ ८ १२ ५ ६ ६ ५ ३ ८ ११ ६ ७ ६ १२ ८ ११
दा दां रा दा। तोडा—दां रां दिर दां दिर दा रा दां दिर दां दांर दा दा रा
६ ७ ६ ६ ११ ८ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ८ ११ ६
दां दिर दिर दिर दांर दां र।
७ ३ १२ ८ ११ ६ ७

तराणा ताल जपताला।

दीमें दीम तादीम तदॅर दानी दिरें नां तोमें तानोमें तदारी दिरें दिर दानी तेन दिरना।

बोल ताल चाचर पुराना।

अरी जांसे नैनां लागेरी ई जांने वो कैसी अनोखी नार। अंतरा—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आयो वसंत सबही बन फूलेए जोमें भंवरा उरझेरयो जाने हमैसे कौनसे अनोखी नाओअओअरअअ ।

हिंडोल रागकी भार्या देवगरी ७ ।

इसमें सुर गुरु निषाद, वादी निषाद, संवादी गांधार, अनुवादी मध्यम है। सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं—नी सा ग म रे प ध । वक्त दिनका तीसरा पहर । स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तिव्र । संकीर्ण है । पूरवी, सारंग व शुद्धसे मुरक्कब है । मोसम वसंत ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

नी नी नी सा ग ग म ग रे सा प प म म ग ग रे सा नी ध नी सा सा सा । अंतरा—ग रे सा सा सा सा नी ध नी सा सा सा सा प प म म ग ग रे सा । आभोग—म ग रे सा सा सा सा प प म म ग ग रे सा सा सा सा नी ध नी सा सा सा सा नी नी नी सा ग ग म ग रे सा सा सा सा प प प म म म ग ग ग रे सा ।

सरगम ताल चोताला ।

नी नी नी सा ग ग म ग रे सा प प म म ग ग रे सा नी ध नी सा सा सा । अंतरा—ग रे सा सा सा सा नी ध नी सा सा सा सा प प म म ग ग रे सा नी नी सा ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा—दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा ।

गत फीरोजखानी ताल चोताला ।

दां रा दां रा आंड दा रा दां दा र दा दां दिर दां रा दां र दा रा दां र

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दार दा। तोडा—दिरं दिर दार दार दा दा रा दां दिर द रा दां दा रं दा दां
दिर दिर दिर दां र दा रदा।

तराणा ताल चाचर।

तोमं तोम तानोम तंदरदानी तंनदिरना दोनी तदांनीदानी दिरं दिर दानी दिरंनां।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना।

ए पीया बीनं कें ऐसे धीरंज धरीइये ए एं ए। अंतरा—जागत जागत गनंदे तांअर अंब मोरी आंखें जपकाई।

दीपकराग।

इसमें सुर गुरु षरज है, बाजे ऋषभभी लिखते हैं। स्वर खास ये हैं—सा रे ग म प ध नी। सम्पूर्ण, शुद्ध और मारग है। वक्त दिनके दो पहर मोसम इसकी ग्रीष्म ऋतु। तासीर आग लगावे। इसको गानेसे दीपक रोशन हो जावे। यह राग महादेवजीके पूर्वके मुखसे पैदा हुआ है। हाल रिवाजमें नहीं है। तानसेन गंदरफ (गंधर्व) ने गाया था फिर उसने तलाक दी तबसे गाना मना है। इसका संवादी स्वर अनुवादी स्वर वगैरह हाल मालूम नहीं हुआ जिससे नहीं लिखा गया। इसमें सच्चे स्वर लगाके गानेसे दीपक लाग उठते हैं।

दीपकरागकी रागिणी कानडा १।

इसमें सुर गुरु निषाद, वादी षरज संवादी ऋषभ, अनुवादी निषाद है षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—नी सा रे ग म प। स्वर ये लगते हैं षरज शुद्ध, ऋषभ धैवत तीव्र, गांधार मध्यम निषाद कोमल, पंचम शुद्ध शुद्ध और संकीर्ण है। वक्त पहर रात गई पीछे। अकसाम इसकी २० जिनकी तफसील आगे लिखी है। देवसाख, जेतसरी, शुद्ध, नाट व ल तसे मुरक्कब है। मोसम ग्रीष्मऋतु। तासीर रीसलिया खुशी पैदा करे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

नीसा रे रेग रे रे साम मम मप मग म पग ग रे सा। अंतरा—म ग म प सा सा सा सा रे रें सा सा सा नी ध प प म प ग म ग रे सा। आभोग—म प सा सा सा सा रे रे ग रे सा सा सा रे रे सा सा म म म म ग म ग ग रे रे सा सा म म ग ग रे रे सा सा सा सा नी ध प प म प ग म ग ग रे सा।

सरगम ताल जपताला।

नीसा रे रें ग रें रे साम म मम पम ग म प ग रें सा। अंतरा—मं ग म पं सा सां रे रें सां नी धं प प मं प गं म ग रें सा।

गत मशीतखानी ताल सुलफाख्ता।

दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा।

तोडा—दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ रा दा रा दाँ दा रा।

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दिर दाँ रा दाँ रा दाँ दा रा दाँ दिर दा रा दाँ र दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दा र। तोडा—दिर दाँ रा दाँ रा दाँ दार दा दाँ दिर दा रा दाँ रा दाँ र। दाँ दिर दिर दिर दाँ र दा र।

तराणा ताल खम्सा।

ताँनोम तदारींदानी दिरना तदारी दानी दिर दिर तोमें तोम तानोम तोमें।

बोल ताल तिताला पुराना।

नैननछबी लेतरुनं मदमाअते। अंतरा—चंचल चपल भृकुटी छबि उपजत आन आन मुसक्यायातेएँ। भगतकृपारस सदा प्रफुल्लित मैनो कमं-लदल राअतेएँ। गोविंदप्रभुको शरीमुखं निरखत पान करत न अघातेएँ।

जोड।

नीसा रे रे सा सा सा सा म रे रे सा सा सा सा ग ग रे रें सां सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा सा म म म म ग ग रे सा सा सा सा रे ग रे सा सा सा रे रे प म म प ग म ग रे सां सा सा सा म म प प म प ग म ग ग रे सा सा सा सा रे ग म प म ग म ग रे सा सा सा सा ध ध प म म प म ग म ग रे सां सा सा सा रे रे सा।

चतुरंग ताल कोकला।

नी सा रे रे ग रे रे सा म म म म प म ग म प ग रे सा म म प ग रे सा ताल कोकलाको कोकला कर दिखाए बतावे गुनियनको गुनी गुन जस गावे धौंतीका गदीगिन धाकीट धाकीट तीकागीन धातां गदीग-नीन धांधीधीनधीन धांकिट तांतीट तीकाकीट धांतिका गेदीगीन तननन तोमें तनोमत दर दोनी दिरना तदारी तारी दिर दिर तोम तोभ तोमें तांनोमत दोनी दांनी दिम दिम तदिम तदिम बांतडल्यां तिहारी झाने यादरहेली मैं जाणी वीछोहेकी बात सहेली प्रीतें करी अब प्रीतमहुं तो राजे गहेली।

दीपक रागकी रागिणी देशी २।

इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी मध्यम, संवादी गांधार, अनुवादी धैवत व ऋषभ, विवादी पंचम शुद्ध है। जिससे वे २ तीव्र कोमल लगते हैं। षाड़ु है। जिसके खास स्वर ये हैं—रे ग सा नी म प। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार मध्यम पंचम धैवत कोमल, निषाद दोनों। वक्त दो पहरका। शुद्ध संकीर्ण है। टोडी व षटसे मुरक्कब है। इसको देवताओंने निकाला है। मोसम ग्रीष्मऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

रे ग रे सा रे नी सा सा रे ग म म ग प रे सा रे रे म म प प प म प रे रे सा। अंतरा—म प ध ध ध ध सा सा सा सा नी ध प सा ध प प म प म ग रे सा। आभोग—म प ध ध सा सा सा सा रे नी सा सा रे ग म म ग प रे सा सा सा सा रे ग रे सा रे नी सा सा सा रे रे म म प प प म प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल अद्धा।

रे ग रे सा रे नी सा रे ग म म ग प रे सा रे रे म म प प रे रे सा। अंतरा—म प ध ध ध ध सा सा सा सा नी ध प सा ध प प प म प म ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल चोताला।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा।

गत फीरोजखानी ताल जूमरा।

दिर दां रा दा रा दां रां दिर दां दिर दिर दिर दांर दार दिर दां दिर दा रा दां र दा रा दां दिर दिर दिर दांर दार। तोडा—दिर दिर दिर दिर दांर दा रा दां दिर दा दांर दा दा रा दां दा र दा दां रा दा रा दां दिर दिर दिर दांर दार।

तराणा ताल धमाल।

तानोम तने दिर नां आं तंदारी दारी तंदर दानी तंदानी।

बोल ताल धमाल पुराना।

कंहो कोऊ हेरसूं जीं एके ए अ ऐसी नीठुरतो आ ठानीई। अंतरा—आप तो जाए द्वारिका में छोए ए से हैं नीरंग्यानीई।

दीपक रागकी रागिणी कामोद ३।

इसमें सुर ग्रुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम. अनुवादी धैवत है। वक्त दो पहरका। शुद्ध संकीर्ण है। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तीव्र। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे प ध ग म नी। अकसाम तीन हैं शुद्धकामोद १,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

सावंतकामोद २, तिलक कामोद ३ । गोड व बिलावलसे मुरक्कब है। मोसम ग्रीष्म ऋतु । तासीर विरहकी खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

सा रे रे प प ध ध प ध ध प ग म प ग म प ग म रे सा ध ध प नी सा । अंतरा—प म प नी नी सा सा सा सा रे रे प प ध ध ध प ग म प ग म रे सा । आभोग—म प नी नी सा सा सा सा रे रे सा सा सा ध ध प नी सा सा सा सा ध ध प ध ध प ग म प ग म प ग म रे सा ।

सरगम ताल चोताला ।

सां रे रे प प प ध ध प ध ध प ग म प ग म प ग म रे सां ध प नी। अंतरा—प म प नी नी सा सा सा सां रे रे प प प ध ध ध प ग म प ग म रे सा।

गत मशीतखानी ताल कोकला ।

दाँ दा रा दिर दों रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दों रा दों दा रा दिर दों रा
६ ६ ६ ७ ७ ११ ११ १२ १२ ११ १२ १२ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ११ ८
दाँ दिर दा रा दाँ दिर दों रा । तोडा—दाँ दा रा दिर दों रा दों दिर दा रा
९ ७ ६ ३ ३ २ ५ ६ ११ ९ ११ १३ १३ १४ १४ १४ १५ १५
दाँ दिर दों रा दाँ दा रा दिर दों दिर दाँ रा दा रा दाँ दिर दों रा ।
११ ११ १२ १२ ११ १२ १२ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला ।

दाँ राँ ददाँर दा रा दों रा दाँ दिर दिर दिर दों र दा र दा धाँ ड दा रा
६ ६ ७ ११ ११ १२ १२ ११ १२ १२ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ८
दों रा दों दा र दा । तोडा—दिर दिर दा र दाँर दा दा रा दों रा दों दिर
७ ६ ३ २ ५ ६ ११ ९ ११ १३ १४ १४ १५ १५ ११ ११ १२ १२
दिर दिर दों र दा र दाँ दों रा दों दिर दा रा ।
११ १२ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ११ ८ ९ ७ ६

तराणा ताल तिताला ।

तनांना दिर दिर दिमंत दिमत दिमंत ना दिर नों ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

अंबुज वदन अलकें अली पांअत खंजन मीनन तंजत अलकें अली मैंद लंपट केंपर फेरोभत । अंतरा—अद्भुत सरद सरोवर भीये तन युवती

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कुसुद फूली बहु भांअत। श्यामचंद्रकं रेअनु छीन पाषंत सुरत रंग लोलें कुल कांअत। शीतल बहे मंद मलैयानिल गिरिधर नेवरंग संग बिलसांअत। कृष्णदास प्रभु रसपरिपूरण प्रेम मोद भरे अंग न मांअत।

दीपककी रागिणी केदारा ४।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी निषाद, विवादी ऋषभ व धैवत शुद्ध हैं, जिससे दोनों तीव्र लगते हैं। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे नी सा म ग प। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, पंचम शुद्ध, मध्यम दोनों, निषाद तीव्र, गांधार तीव्र, धैवत तीव्र, ऋषभ तीव्र। वक्त आधी रातका। अकसाम पांच हैं सो आगे लिखे हैं। शुद्ध संकीर्ण है। कोकब, पूरवी व बिलावलसे मुरक्कब है। मोसम ग्रीष्म ऋतु। तासीर खुशी वियोग पैदा करे।

आलाप।

सा रे नी सा म म म म म ग म प म ग रे सा। अंतरा—ग म प सा सा सा सा प म म म प म ध प ग रे सा। आभोग—म प म सा सा सा सा म म म म ग म म म ग रे सा सा सा सा रे नी सा सा सा सा म प म म प प ध प म म म प म म ग म म म म प ग रे सा।

सरगम ताल आडा चोताला।

सां रे नी सा म म मं म ग म पं म प म मं म मं प प म गं म प म पं ग रे सा। अंतरा—गं म पं सा सा सा सां सा म म पं म प म सां म मं म प म गं म प म पं ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल कोकला ।

दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ रा दा रा दाँर दाँर दिर दाँ दा रा दाँ रा दाँ दार दा दाँ रा दाँ रा । तोडा—धेँड दा रा दाँ दिर दिरँ दिर दार दाँ रा दाँ रा दाँ दार दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दारँ दाँ र दा ।

तराणा ताल तिताला ।

नादिरं दिर तोम धीलाँग तोमयरमंनदानी तदरदाँनी तांराते लीत दिम दिरतन नातदरदाँ अनी ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

पाएल बाँअजी ईसुबे राँअजकी ई पलटो खालीसे अंत जरी कोमसे । अंतरा—अटल छत्र जबे देएएएखो राँजो बाहदुर पग धरंत धरंत अत धुमधामसे ।

दीपककी रागिणी नट ५ ।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा ग म प ध रे नी । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, धैवत निषाद तीव्र । वक्त शुरू रातका । शुद्ध सालनीक है । कोकब, पूरवी, बिलावल व सारंगसे सुरकब है। अकसाम सोलह (१६) हैं सो आगे लिखी हैं। मोसम ग्रीष्मऋतु । तासीर रीसैं पैदा करे ।

आलाप ।

सा ग म प ध प म ग रे प म प म ग म ग म रे ग रे म ग रे सा नी। अंतरा—म प सा सा सा नी सा ध सा नी सा ध प म ग रे प म प म म ग म रे ग रे सा । आभोग—म प सा सा सा सा नी सा ध सा सा सा सा ध सा सा सा नी नी सा सा सा ध ध प म ग रे प म प म ग म ग म रे ग रे म ग रे सा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल चौताला।

सां ग मे प धे प म ग रे प म प मे ग मे रे ग रे म ग मे रे सा नी।
अंतरा—मे प सां सा धे सा नी ध प म ग रे प म पम ग म ग म ग रे सा नी।

गत मशीतखानी ताल चौताला।

दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रां दिर दां दा रा दिर
दां दिर दा रा। तोडा—दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर
दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर।

गत फीरोजखानी ताल तीव्रा।

दां दिर दां दा रं दा दां रा दां दिर दिरं दिर दां र दां र दा ध्रां ड दां रा
दां रा दां रा। तोडा—दिरं दिर दांर दांर दा दां रा दिरं दिर दिरं दिर दांर
दां र दा दां र दां र दा दांर दां रा।

तराणा ताल आडा चौताला।

नांदिर तोमे दिर दिर दानी होदांनी तदानी दिथं दिरना तंदारी दांनी तनन
तंदर दानी दिरंनां।

बोल ताल तिताला पुराना।

दोऊ मीलकेंर भावंती बंतीया गिरिधरलाल कँवंर राधांके नखमनी अंक
लीखतं ऊर छेतीया। अंतरा—ते सी ये छटक रही ऊजयारी पुन्युंचंद शरं-
दकी रेतीयां। केलरुंपनिध यमुना श्रीभट वृंदावन फूल्यो बहु भंतीया।

दीपकरागके पुत्र।

१ कुलंग यह गैर मुरवज है। २ मंगलाष्टक जेतसरी, केदारा, कल्याण व कानडासे मुरकब है। ५ रहेसमंगला शंकराभरन अडाना व सोरठीसे मुरकब है। ६ चम्पक। ७ कुंतल। ८ कुसुम। इनका हाल मुफसल नहीं मिला और जो मिला सो लिखा गया है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दीपकका पुत्र भाकरा २।

इसको भखारभी कहते हैं। इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी ऋषभ, संवादी षरज, अनुवादी गांधार व धैवत है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं-रे ग प म सा ध। स्वर ये लगते हैं-षरज पंचम शुद्ध, मध्यम कोमल, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। वक्त फजरका। केदार, मारु व सरस्वतीसे मुरक्कब है। मोसम ग्रीष्म ऋतु। तासीर खुशी करे। संकीर्ण है।

आलाप।

रे रे ग रे प म ग रे सा ध ध सा सा रे रे सा। अंतरा-ग रे सा सा सा सा ध ध सा रे प म ग रे सा। आभोग-ग रे सा सा सा सा रे रे ग रे रे सा सा सा ध ध सा सा सा रे रे ग रे प म ग रे सा सा रे रे ग रे प म ग रे सा।

सरगम ताल धमाल।

रे रे ग रे प म ग रे सा ध ध सा सा रे रे सा। अंतरा-ग रे सा सा सा सा ध ध सा रे प म ग रे रे सा।

गत मशीतखानी ताल सुलफ।

दाँ रा दिर दाँ रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दा रा। तोडा-दाँ रा दाँ रा दिर दाँ रा दा रा दाँ दा रा दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दाँ रा दा दा रा दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दा। तोडा-दिर दिर दार दाँर दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दा।

तराणा ताल तिताला।

तनाना दिर दिर तोमें तन दिरना आतदरदानी दिर दिर दानी दाँ होतदाँनी दानी दिरना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला पुराना ।

बोलत को हेरे डगरमें हेम हे गरमें सोवत लोग नगरमेंए । अंतरा—याँ बीरीया कोऊं चोरेन आवत अली या गलीया डगरमेंए आनंदघन हो ऊठत संकारे सास ननंदीयाके डरमेंए ।

दीपकका पुत्र अडाना ४ ।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी षरज है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा प नी म ध ग रे । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम मध्यम शुद्ध, ऋषभ धैवत तीव्र, गांधार निषाद सकारी । वक्त आधी रातका । मारु व कानडासे मुरकब है । मोसम ग्रीष्मऋतु । तासीर खुशी करे । शुद्ध संकीर्ण है ।

आलाप ।

सा प प प प नी म प सा ध प म म म म ग म ध प म र ग म प प म रे सा । अंतरा—म प सा सा सा सा सा ध प म म म म ग म ध प म ग म प प ग रे सा । आभोग—प प सा सा सा सा नी सा सा सा म म म म ग म ग रे सा सा सा म म ग ग रे रे सा ध प म म म म ग म ध प म ग म प प ग रे सा ।

सरगम ताल थपईया ।

सां प पं प पं नी मं ग सां ध पं मं मं म मं ग मं धं पं म मं ग पं पं गं रें सां सा नी सां । अंतरा—मं प सां सा सां सां धं प मं म मं मं गं म धं प मं गं मं प पं ग रें सां ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

रा दीं दिर दा रा दीं दिर दा रा दीं दा रा दिर दीं दिर दा रा दीं दिर दा रा दीं दिर दा रा दीं दा रा दिर दीं दिर दा । तोडा—दिर दीं दिर दा रा दीं दा रा दिर दीं दिर दा रा दीं दा रा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा आँ ड दा रा दां रा दिर दिर दिर दिर दां र दार दिर दां दिर दा रा। तोडा—दां रा दां रा दा दा रां दा दा रां र दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दार दिर दां दिर दा रा।

तराणा ताल चोताला।

तना दिर दिर तोम तोम दिर दिर दानी तदानी दानी हो दानी तदानी तन दिरना।

बोल ताल चोताला पुराना।

श्रवेरकुंडले डोले कपोले अलकी हे भोएं भाले तिलक मृगमंद मकर खंजननैवरनेनें। अंतरा—दीप की सीखासु कीरनासिका लेजात लेखव अधर बिंब ऊदरेख अरदसेन। चिंबुक जलज मंदमें रुप कंठरेख सुभा सरल सलोनी वोल अतीसुखे देहन। अंग अंग शोभाधाम श्यामके सरुप चों रच्योचरित चतुर चीत फागरेन।

दीपक रागकी भार्या।

१ मंगलगुजरी रामकली, श्याम, मंगलाष्टक व गंधारसे सुरक्कब है। २ मालगुजरी रामकली, श्याम, गंधार व गुजरीसे सुरक्कब है। ४ मनोहर गोरी, तरवन, बाहरी व मारुसे सुरक्कब है। ५ अहीरी कल्याण, देसकार, गोरी व श्यामसे सुरक्कब है। इसको कृष्णने ईजाद करी। इनका हाल मुफ-सल नहीं मिला और जो मिला सो लिखा गया है।

दीपककी भार्या जेजेवंती २।

इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी ऋषभ, संवादी धैवत, अनुवादी मध्यम है। आदु है। जिसके खास स्वर ये हैं—रे ध प म ग। स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत शुद्ध, निषाद दोनों। वक्त पहर रात गई पीछे। धोलसरी, सोरठ व बिलावलसे सुरक्कब है। मोसम ग्रीष्म-ऋतु तासीर खुशी करे। शुद्ध व संकीर्ण है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

आलाप ।

रे रे ध ध ध प म म म म ग रे ग सा रे रे रे। अंतरा—म प सा सा सा सा नी ध प म ग ध ध प म ग रे सा। आभोग—म प सा सा सा सा ग रे ग सा सा सा म ग रे सा रे रे रे ग सा सा सा नी ध नी सा सा सा ध ध ध प म ग प म ग रे ग सा।

सरगम ताल पजतो।

रे रे ध धं ध पं म म मं ग रे ग सा रे रे। अंतरा—मं प सा सां नी धं प म गं ध धं प म गं रे।

गत मशीतखानी ताल खम्सा।

दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दा दा राँ। तोडा—
७ ७ १२ १२ १२ ११ ९ ९ ९ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ७ ७ ७
दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दा रा दा दा राँ।
९ ११ १४ १४ १४ १३ १२ ११ ९ १२ ११ ९ ९ ७ ८ ६ ७ ७

गत फीरोजखानी ताल फरोदस्त।

दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दा।
७ ७ ७ १२ १२ १२ १२ ११ ९ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ६ ७ ७ ७
तोडा—दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दाँ दा र दा दा रा।
९ ११ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ११ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ७ ७

तराणा ताल चोताला।

नेरे दिरे नाँ तदारी तारी दिरे दिर दानी नाँदर तेली दिमं तन।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना।

पईया पडु पीलगी न चंढूंगी ओली पिलंगे बिना कैलकेसे परेगी। अंतरा—नाँकी बेसर पैरकी पाएल चंपाकली मे ऊतार धरुंगी। जो रस चाए तुं वो रसनाई छोड मेरी बंईया मे न्यारी परुंगी। मेरा कहा तुं मानत नाहीं तेरा कहा कहो कैसे करुंगी। जोबनकोदन आवन दे पीया आपसे आपमें आन मिलुंगी।

दीपककी भार्या भोपाली ६।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी ऋषभ, अनुवादी धैवत व

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गांधार, विवादी मध्यम है। आडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—प ग रे सा ध। वक्त रातका पहिला पहर। स्वर ये लगते हैं। षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत शुद्ध व तीव्र, निषाद कोमल व तीव्र। शुद्ध सालनीक है। विलावली व कल्याणसे मुरक्कब है। मोसम ग्रीष्मऋतु। तासीर खुशी करे। भोपाली मेघरागकी रागिणीभी है, यहां भार्यामें श्रुतियोंका फरक है।

आलाप।

प ग रे सा ध सा रे ग रे ग प ग प म रे ग। अंतरा—ग प ध सा सा सा सा ध प ग प ध प ग रे सा। आभोग—प ध सा सा सा सा सा ध प ध सा सा सा रे ग ग ग रे रे सा सा सा सा ग रे सा सा सा ध प ग रे सा ध प रे सा ध प सा ध प ग प ध प ग रे सा।

सरगम ताल रूपक।

प गं रे सा ध सां रे ग रे गं प ग प गं रे सा। अंतरा—म पं ध सा सा सां सा ध प गं प ध प गं रे सा।

गत मशीतखानी ताल तीव्रा।

दिर दां दिर दों रा दौं दा रीं दिर दां दिर दों रा दों दा रीं। तोडा—दिर
११ ८ ७ ६ ३ ४ ७ ८ ७ ८ ११ ८ ११ ८ ७ ८
दां दिर दों रा दौं दा रीं दिर दां दिर दों रा दौं दा रीं।
११ १२ १४ १४ १३ १४ १२ ११ ८ ११ १२ ११ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दौं रीं दा रीं दा रा दौं रीं दिर दां दिर दा रा। तोडा—दौं रीं दिर दों दि
३ ४ ७ ९ १२ ११ ८ ११ ८ ११ ८ ७ ६ ७ ८ ११ १२ ११
दा रा दौं र दा रा दों र दार दा।
१४ १२ ११ ८ ११ १२ ११ ८ ७ ६

तराणा ताल तिवाला।

तनांम तदरदांनी दिरेना दिर दिर तोमें दिर दिर तोमें दिर दिर तोम तों तनोमें तनोम तोमें तोम।

बोल ताल तिवाला नया श्रीदरबारका बनाया।

नवल बनी नीको नाह बन्यो। अंतरा—नीपट नवीनो नेह नीरस

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हीयेमें मोद भऱ्यो । धणईणपीये रो पारन लेसी आद्र नीयम कऱ्यो। भरीयो रजवटवट गुणसागर हरी निज हाथ कऱ्यो । रतिपती रूप गरवता तोपण हीयेमें सोक भऱ्यो । या गुण बोली रूपरसरेली पतिहित जनम धऱ्यो । रसिक सनेहीने ही गुण रोकी णसुजाऐ हऱ्यो ।

दीपककी भार्या इमन ७।

इसमें सुर गुरु गांधार, वादी गांधार, संवादी मध्यम तीव्र, अनुवादी पंचम है । षाडु है । जिसके खास स्वर ये हैं—ग रे सा नी प म । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद मध्यम तीव्र । वक्त रातका पहिला पहर । बिलावली, केदारा व शुद्ध कल्याणसे सुरकव है। संकीर्ण है । मोसम ग्रीष्मऋतु । तासीर खुशी करे ।

आलाप ।

ग रे सा नी सा रे ग ग रे ग प ग म ग रे रे । अंतरा—ग म प ध नी सा सा सा नी ध प म म प म ग रे सा । आभोग—म प ध नी सा सा सा सा रे ग म म ग ग रे रे सा सा सा रे सा नी ध प म सा नी ध प म प म प ध प म प ग रे सा ।

सरगम ताल दादरा ।

गं रे सा नीं सा रे गं ग रे गं प ग मं ग रे रे' ग ग । अंतरा—गं म प धं नी सा सों सा नी धं प म मं प म गं रे सा ।

गत मसीतखानी ताल कोकला।

दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दा रा । तोडा—दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ रा दाँ रा दाँ दा रा दिर दाँ रा दाँ दार ।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दाँ राँ दा राँ दा राँ दिर दा दिर दा रा । तोडा—दाँ राँ दिर दाँ दिर दा रा दाँ र दा रा दाँ र दार दा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तराणा ताल तिताला ।

दिर दिर तोमं दिर दिर तोम तोमं तानोमं तानोम तोमं तदरदांरी दिरनें तनातेंना तोम तोमं ।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना ।

हाटे लंगर मोए छांअडेदे रे मींतें पीअरवा सुरजन सेंईईया । अंतरा—देखेत है सब ब्रजकी लुगईयां छांड दे मोरी बईया बरजोरी ना पंडु पईयां ।

दीपककी भार्या हमीर ८ ।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी ऋषभ व पंचम है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा प म ग ध नी रे । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम मध्यम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तीव्र और मध्यमभी तीव्र याने मध्यम दोनों लगते हैं । वक्त रातका पिछले पहरतक । इसको गुरुनाथने निकाला है । केदारा, ईमन व शुद्ध कल्याणसे मुरक्कब है । मोसम ग्रीष्मऋतु । तासीर खुशी करे । संकी या संकीर्ण है ।

आलाप ।

सा प म प ग म ध ध प ध नी सा नी ध प म प ग म ग रे सा । अंतरा—प म ग म ध ध ध प ध नी सा सा सा सा नी ध प म प ग म ग रे सा । आभोग—म ध ध ध नी सा सा सा सा ग रे सा सा सा सा नी ध प म ग म ग रे रे ग म प प म प म ग म ग रे रे ग म प ग रे सा ।

सरगम ताल चोताला ।

सा सा पं म गं म धं ध ध प धं नी सा नी धं प मं प गं म ग रे सां सा अंतरा—पं म ग म धं ध ध प धं नी सां सा सां सा नी ध पं म प ग मं ग रें सा

गत मशीतखानी ताल जुमरा ।

दिर दा दिर दा रा दां रां दा दां रा दा रा दां दा रा । तोडा—दिर दा रा दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दा रा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दाँ रा दाँ रा दाँ ९ दार दिर दाँ दिर दिर दिर दाँर दाँर दा धेराड दा रा
६ ११ १० ११ ८ ९ १२ ११ १२ १३ १४ १३ १२ ११ १० ९ १० ११
दाँ दा र दा। तोडा—दाँ रा दाँ रा दाँ दिर दा दारं दा दा रा दाँ दा रँ दा दाँ
८ ७ ५ ५ ९ १२ १२ १२ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १२ ११ १० ११ ८
दिर दिर दिर दाँ र दार दा।
९ ८ ७ ११ ८ ७ ५

तराणा ताल तिताला।

अंतत देरेंत नें देर नाँ तदर दाँनी अंलीयल्लँलोम अलीयं ललोम।

बोल ताल चोताला पुराना।

सबेंन बंअन बंऊक तरंल तरांल बेलें बंअन छांआयो। अंतरा—सांज भई बरस गई पाव सरत कोकला अरटरट।

श्रीराम।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी ऋषभ, अनुवादी निषाद, विवादी गांधार मध्यम धैवत शुद्ध हैं। जिससे गांधार व मध्यम तीव्र व धैवत सकारी लगता है। वक्त दिनका तीसरा पहर। आदु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे प ध ग। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम तीव्र, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। बाजे ग्रंथोंमें श्रीराग चार सुरकामी लिखा है। जिसके स्वर ये हैं—सा रे प नी। मारग व शुद्ध है। बडहंस, तनक व गोरीसे सुरक्कब है। बाजे ग्रंथोंमें शंकराभरन व मालसरीसेभी सुरक्कब लिखा है। मोसम हेमंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे पुष्पकानमाली षोली या बीमारी रफे करे। यह राग महादेवजीके पच्छिमके मुखसे पैदा हुआ है। इसके गानेमें स्वर सच्चे और असल लगानेसे सूखा वृक्ष हरा हो जावे।

आलाप।

अ नाने आअ गा ई रे ने ना नेने तोम अ नेने अ ना ने न ने ओम।
सा रे प ध प ग रे सा ध सा सा रे सा ग रे ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा-प म ध सा सा सा सा सा ध सा सा नी ध प म प ध प प म ग रे ग रे सा। आभोग-म ध सा सा सा सा सा रे रे सा सा ग रे ग रे सा सा सा सा रे रे प प ध प ग रे सा सा सा सा ध ध सा सा रे रे सा ग रे ग रे सा सा सा सा नी ध प म प ध प प म ग रे ग रे सा।

सरगम ताल चोताला।

सां सा रे रे प प ध प ग रे सां ध ध सा सा रे रे सा ग रे ग रे सां सा। अंतरा-प म ध सा सां सा सा सा ध सा नी ध प म प ध प म ग रे ग रे सां सा।

गत मशीतखानी ताल कोकला।

रा दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दा रा दां। तोडा-दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां रा दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां रा दां।

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दा रा दा थ्रोंड दा रा दां रा दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा दां र दा रा दां रा दां। तोडा-दांर दार दा दांर दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा थ्रोंड दा रा दां रा दां।

तराणा ताल चोताला।

दिम दीम तां दिम तदरदानी तदेर दांनी दिर नात नां दिरना।

बोल धृपद चोताला पुराणा।

एएए बिंदना तोपे अंचरा पसार मांगु जनम जनम दीजो यांही ब्रज बसवो। अंतरा-अहीरकी जात ओर पास नंदगेरे बेर बेर मोहेन तेन हेएए हेएए हसवो। आभोग-दंधिके दान मीस ब्रजकी बींद्रथनमें जकजोरेनं हीं अंके परसवो। मेथुराप्रभु गिरिधर श्रीबिठल शरदे रेनं रसरांअस बीलसावो।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड।

सा सा रे रे प प ध प ग रे सा साँ सा सा सा ध ध सा सा सा सा रे प प म ग रे ग रे सा सा सा सा रे रे ग रे ग रे सा सा सा सा रे प म प म ध सा सा सा सा सा नी ध प म प ध प प म ग रे ग रे सा सा सा सा सा रे रे प प ध ध प प ग ग रे रे सा सा सा सा सा ध ध सा सा रे प प म प ध प म प ग रे ग रे साँ सा।

चतुरंग ताल खम्सा।

चैतुर सुगंर नर चैतुरंग ताॅल खमसाकी गाॅए सुनाएं गुनीको सॅरीराग करें दिखाए थुं साँ सा रे रे पं प ध प गं रे सा ध धं सा सा रे रे साँ रे रे प प धं प ग रे साँ ध ध सा रे सा ग रे ग रे नाँ दिर दिर तोम दिरं दिर दाॅनी हो दाॅनी तदानी दिम दिमैं दिम तननन तोमें तना दिरनां तदरदानी दिमें दिम तादिम तोॅम तानोम तोमें धाँ किट तिक धुमकिंट तिकधीता धाॅकिट तीकिट घ्लाॅनिध नगदीट थातीकें धाॅकीटत्री कतिका कींटतीकां नदीगीन धाॅकडा नत्रीक धाॅत्रीक कीटतीका गिडनीगं एंएं बजेकं बसईयां अदरसंन बेग ही दें।

श्रीरागकी रागिणी वसंत १।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी मध्यम, संवादी पंचम, अनुवादी धैवत है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—प म ध ग सा रे नी। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार तीव्र, मध्यम तीव्र, धैवत निषाद तीव्र। वक्त दो पहर दिन चढे। मोसम वसंतमें हरवक्त। शुद्ध संकीर्ण है। देवगिरी, नट, मल्हार, सारंग व बिलावलसे मुरक्कब है। मोसम हेमंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

प म प ध प म म ग म ध सा सा ध म ग रे रे सा सा नी नी रे रे ग म म म प म सा नी नी सा नी नी ध ध ग ग रे रे सा। अंतरा—ग म ध सा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा सा ध म ग रे रे सा नी नी रे रे ग ग प म ग ग सा नी नी ध ध ग, रे रे सा। आभोग–म ध सा सा सा सा सा नी नी रे रे ग ग प म ग ग सा सा सा सा सा नी नी सा नी नी ध ध म ग रे रे सा प म प ध प म ग ग म ध ध सा सा ध म ग रे रे सा।

सरगम ताल आडा चोताला।

प म प ध प म ग ग म ध सा सा ध म ग रे रे सा सा नी नी रे रे ग ग प म ग ग सा नी नी सा नी नी ध ध ग ग रे रे सा। अंतरा–ग म ध सा सा सा सा ध म ग रे सा नी नी रे ग प म ग सा नी नी ध ग ग रे रे सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा–दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दां रा दां रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां दिर दिर दिर दांर दा र दा। तोडा–दां रा दां रा ध्रौंड दा रा दां दा र दा दां दिर दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा।

तराणा ताल खम्सा।

नौंदिर दिर तोम दिरं दिर दानी हो दानी तदानी दिम दिमें दिम तननन तोमें ताना दिरनां तदर दानी दिम दिम तादीम तानोम तोम तानोमें।

बोल ताल धमाल पुराना।

तुं कहो री मोअहोरा पियाकी बात म्हांरो पीया बीन जोवन युंही जाता। अंतरा– चंदासा मुखकमलसे सो गीत तरफ तरफ बीती सगरी रात।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीरागकी रागिणी मालसरी २ ।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी निषाद है, विवादी धैवत है जिससे तीव्र लगे । षाडु है । जिसके खास स्वर ये हैं—प म ग रे नी सा । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र, धैवत विवादी है जिससे तीव्र जरे लगावे और ऋषभ मध्यमभी ठहरकरही सुर देवे । वक्त दो पहर पीछे । अकसाम चार (४) हैं सो आगे लिखी हैं । शुद्ध व संकीर्ण है । मधयमाद, शंकराभरन, केदारा व सरस्वतीसे मुरक्कब है । मोसम हेमंत ऋतु । तासीर खुशी करे ।

आलाप ।

ग म ग रे नी सा नी सा ग म प प म ग । अंतरा—ग म प सा सा सा सा नी ध प म प म ग रे सा । आभोग—म प सा सा सा सा ग ग रे रे नी नी सा सा सा सा नी सा सा सा सा नी ध प म सा नी ध प म प सा सा सा सा नी ध प म प म ग प म ग रे सा ।

सरगम ताल केद ।

प म ग रे नी सा नी सा ग म प प म ग रे नी सां नी सा ग म प म प म ग रे सा । अंतरा—ग म प सा सा सा सा सा नी ध प म प ग म प प म ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल चाचर ।

दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा दिर ।
११ १० ८ ७ ५ ६ ५ ६ ८ १० ११ ११ १० ८ ८ ११ १० ८ ७ ६
तोडा—दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा दिर
८ १० ११ १४ १४ १४ १४ १४ १३ १२ ११ १० ८ १० ११ ११ १० ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल तिताला ।

दाँ रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दा र दा । तोडा—दिरँ
११ ११ १० ८ ७ ५ ६ ५ ६ ८ १० ११ १० ८ ७ ६ ८
दिर दार दारँ दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दांर दा र दा ।
१० ११ १४ १४ १३ १३ १२ ११ १० ११ १० ८ ७ ६
६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तराणा ताल तिताला।

नाद्रितं दिम तेंनन तदारे ततदानी तेंन देरना तनं दरेना देरनं दिर्दी तेदर-दाना दिरना।

बोल ताल तीव्रा नया।

संईयां विनं दंईयां मे नाँ जीऊँ नाँ जीऊँरी। अंतरा—सुनी सेज मोएँ विरहे सतावे ऊन विनं गरहु मे नाँ रहीयुना युरी।

श्रीरागकी रागिणी आसावरी ३।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी धैवत, संवादी मध्यम, अनुवादी पंचम, विवादी ऋषभ व गांधार है। जिससे ऋषभ गांधार सकारी लगते हैं। स्वर ये लगते हैं—षरज मध्यम पंचम शुद्ध, ऋषभ धैवत गांधार निषाद सकारी। वक्त पहर दिन चढे। शुद्ध व संकीर्ण है। आदु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा म प ध नी। बाजे ग्रंथोंमें सम्पूर्णभी लिखा है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे म प नी ध ग। मलार, परज व वसंतसे मुरक्कब है। अकसाम दो हैं शुद्ध आसावरी व जोगीया आसावरी। मोसम हेमंत ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। ऋषभ सकारी लगता है। गांधार निषाद शुद्ध नहीं लगते, कोमल लगते हैं।

आलाप।

सा रे म प म म म म प प प प नी नी सा सा नी नी प प ध प म प नी नी प म म म ग रे सा। अंतरा—म प नी सा सा सा सा नी सा रे सा नी ध प नी ध प म ग रे सा। आभोग—प नी सा सा सा सा सा नी सा रे रे सा सा सा सा ग ग रे रे सा सा सा नी सा सा नी ध प प नी ध प म ग रे सा।

सरगम ताल जपताला।

सां रे म पं म में म म पं प पं प नी नीं सा सां नी नीं पं प धं प म पं नीं नीं प म में ग। अंतरा—मं प नी सां सा सां सा नी सां रे सां नी धं पं नी धं प म गं रे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत मशीतखानी ताल जूमरा।

दिर दां दिर दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा
६ ७ ९ ९ ११ ९ ९ ११ ११ ११ ११ १३ १३ १४ १४ १३ १३ ११ ११ १२
दां रा दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा दां रां दिर
११ ९ ११ १३ १३ ११ ९ ९ ९ ८ ७ ९ ११ १३ १४ १४ १४ १४ १४
दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दां दिर दा रा दां दा रा
१३ १४ १५ १४ १३ १२ ११ १४ १३ १२ ११ ९ १३ १२ ११ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल सवारी।

दिर दा दिर दा रा दां रां दा रा दां दा रा दा दिर दिर दिर दांर दार दिर
६ ७ ९ ११ ९ ९ ९ ११ ११ ११ १३ १३ १४ १४ १३ १३ ११ ११ १२
दा दिर दिर दिर दां र दा र। तोडा—दिर दा दिर दा रा दां रां दा रां दांर
११ ९ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ९ ११ १३ १४ १४ १४ १४ १३ १४ १५
दा र दा दा दार दा दां रा दा रा दा दिर दिर दिर दां र दा र।
१४ १३ १२ ११ १४ १३ ११ ९ १३ १३ १२ ११ १३ १२ ११ ९ ८ ७

तराणा ताल चाचर।

तांदिम दिमता दिमतन दिरंना तेंना दिर नां तदारी दानी तदेरदानी।

बोल ताल धमाल पुराना।

गुंअजर जोबनमांती हाँ हो हो ओ कांई बोअले। अंतरा—सेनन फगुवा बेनने गांअरी बेतीईई ईईईयाअंअअ गेंड गेंड छोअले।

श्रीरागकी रागिणी मारवा ४।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी धैवत, संवादी गांधार, अनुवादी मध्यम, विवादी ऋषभ है। जिससे ऋषभ सकारी लगता है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी ध म रे प ग। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम दोनों, धैवत तीव्र, निषाद दोनों। वक्त दिनके दो पहरका। शुद्ध संकीर्ण है। गोरी, परज व सोरठसे मुरक्कब है। मोसम हेमंतऋतु। तासीर संयोगकी खुशी करे।

आलाप।

सा नी ध मं म रे म रे म नं प नी रे नी म रे म मं म म म म म म रे ग म ध ध ध म ध नीं। अंतरा—म प ध म ध नी सा सा सा सा नी ध म म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रे म रे ग म प ध ध म ध नी। आभोग—म ध नी सा सा सा सा सा सा नी ध म म रें म रे म म प नी रे नी सा सा सा सा नी म रे म म म म म म म म रे ग म प ध ध म ध नी सा सा म म म रें ग ग नी सा।

सरगम ताल धमाल।

सां नी ध मं म रे मं रे मं मं प नी रे नी मं रे मं मं मं मं मं मं मं रे गं म प धं ध म धं नी। अंतरा—मं प ध मं ध नी सां सां सां नी ध मं म रे मं रे गं म प धं ध मं धं नी।

गत मशीतखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा। तोडा—दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दां दिर दा दा रं दा दा रा दां रा दा रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा दां दा र दा ध्रां ड दा रा दांर दा र दा। तोडा—दिरं दिर दार दांर दा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दा र दा।

तराणा ताल अदा।

श्रीलैंग तोम दिरं दिर तोम दिरं दिर दानी तंन दिरन। देरंना तदांरीदारी तदिरं दिरदानी तंदरदानी।

बोल ताल तिताला पुराना।

कोंऊकी रीतं कोऊ केरसके रे ए ए पीईरवा जो कोऊ केरे सो अपनेऐ भनकी। अंतरा—हो आं दीन संदा रंग तुमें तो सांवधांन सबके ऐ ऐ ए सदांभ रंगें वरसंत हां।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीरागकी रागिणी धनाश्री ६।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी निषाद, संवादी गांधार, अनुवादी पंचम, विवादी कोमल मध्यम है, इससे मध्यम शुद्ध व तीव्र लगता है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी मग प ध रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार कोमल, मध्यम तीव्र, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल व तीव्र। वक्त दिनका तीसरा पहर। शुद्ध संकीर्ण है, टोडी, आसावरी व मारवासे मुरक्कब है। मोसम हेमंत ऋतु। तासीर वियोग करे।

आलाप।

सा नी नी सा सा म ग ग म प प नी नी सा नी ध प म ग ग ग प प म ग म ग रे सा। अंतरा—म म ग म प नी सा सा सा नी सा रे सा नी ध प प प म ग म ग रे सा। आभोग—म म ग म प प नी सा सा सा सा सा नी सा सा रे सा सा सा सा नी ध प प रे रे सा सा सा सा नी सा प म ग म प प म ग म ग रे सा।

सरगम ताल सवारी।

सा नी नी सा सा मँ ग ग म प पँ नी नी सा नी ध प म गँ ग ग प प म ग म गँ रे सा। अंतरा—म म ग म प नीँ साँ सा नी सा रेँ सा नी ध प प रे रे साँ सा सा नी सा प म ग मँ ग रे।

गत मशीतखानी ताल आडा चोताला।

दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ रा दाँ दिर दा रा
५ ५ ५ ५ ५ ६ ८ ८ ९ ११ ११ १३ १३ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ८
दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा। तोडा—दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर
८ ११ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ९ ९ ८ ९ ११ १३ १४ १४ १३ १४
दाँ दिर दा रा दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा।
१५ १४ १३ १२ ११ ११ १५ १५ १४ १४ १४ १४ ११ ९ ८ ९ ८ ७

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दिर दाँ दिर दा रा दाँ रा दा दाँ रा दा रा दाँ दिर दिर दिर दांर दार दा
५ ५ ५ ५ ६ ६ ८ ९ ११ ११ १३ १३ १३ १४ १३ १२ ११ ९ ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

आडे दा रा दाँ रा दा रां दाँर दा र । तोडा—दिर दाँ दिर दा रा दाँ र दा
८ ११ ११ ९ ८ ९ ८ ९ ८ ७ ९ ९ ८ ९ ११ १३ १४ १४
रा दाँर दार दा दाँ दिर दिर दिर दाँ दार दा दाँ दिर दा रा दाँ रा दा रा दाँर
१३ १४ १४ - १४ १५ १४ १३ १२ ११ ११ १५ १५ १४ १४ १३ ११ ९ ८ ९ ८
दार ।
७

तराणा ताल चोताला ।

दिमें दिमें दाँनी तोम दिरं दिर नारे ताँदिम ताँदिम ताँदिम ताना दिरंनाँ ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

आज बाँजत बधाई बरसानेअँ मेअसुनकँर आई अपने काअनें ।
अंतरा—नरनाँअरीनें मील मंगल साँअजेअ देअँत दान तोमें तननननन ।

श्रीरागका पुत्र सिंदुरा ।

इसको सींदुभी कहते हैं । इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी निषाद है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—प ग रे सा म ध नी । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार अतिकोमल, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद अतिकोमल । वक्त तीसरा पहर । संकीर्ण है । आसावरी व अहीरीसे मुरक्कब है । मोसम हेमंत ऋतु । तासीर खुशी व जोस मरदानगी पैदा करे ।

आलाप ।

प ग रे सा सा रे म प ध नी ध प प म प नी सा सा नी प म रे ग म । अंतरा—म प नी सा सा सा नी प म रे ग म प ग रे सा । आभोग—प नी सा सा सा सा नी प म रे रे ग ग म प ग रे सा सा सा सा रे रे म म प प ध ध नी नी ध प प म प नी सा सा सा नी प मं रे रे ग ग म प प ग रे सा ।

सरगम ताल टप्पेका ठेका ।

पं गं रे सां सा रे मं प ध नी ध प पं मं प नी सा सा नी प म रे ग म । अंतरा—मं पं नी सां सा सा सां सा सा नी प म पं नी सा नी प म रे ग म पं ग रे ।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत मशीतखानी ताल धमाल ।

दीं दा रा दां दा रा दां रीं दां दा रा दां दा रा दां रीं दां दा रा दां दा रा
११ ८ ७ ६ ६ ७ ९ ११ १२ १३ १२ ११ ११ ९ ११ १३ १४ १४ १३ ११ ९ ८
दां रीं । तोडा—दीं दा रा दां दा रा दां रीं दां दा रा दां दा रा दां रीं दीं दा
७ ६ ९ ११ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १३ ११ ९ ११ १३ १४ १३ ११ ९ ७
रा दां दा रा दां रीं ।
८ ९ ११ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल कोकला ।

दीं दा र दा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दां र दा दां र दा रा दां रा दां
६ ७ ९ ११ १२ १३ १२ ११ ११ ९ ११ १३ १४ १४ १३ ११ ९ ७ ७ ८ ८
रा दा दा रां दा दां रा । तोडा—दीं र दा रा दां रा दां दिर दा दा रं दा दां
९ ११ ११ ८ ७ ५ ५ ९ ११ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १३ ११ ९ ७ ८
रा दां रा दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दां र दां र दा ।
९ ११ ९ ११ १३ १४ १३ ११ ९ ७ ८ ९ ११ ८ ७ ६

तराणा ताल तिताला ।

तनी दिरेना दिरेना तदरेदानी दिमेतादिम तननं नारे तोम दिर दिर तोमं तानोम तानोम ।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना ।

सो संअज सअज आवत है व्रजनांअर खेलनको शशिवदनी मृगनैनी । अंतरा—केससांसिर चीरे वसंती फुलन गुथी है बेनी गोंअवत गोंअर अलाप मधुर सुर पीकेवैनी सुखदेहनी रसराजकी अंखियां अलेसानी सो जागी फागुनकी रैअनी ।

श्रीरागका पुत्र गौड ३ ।

इसमें सुर गुरु गांधार, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी गांधार है। षाडु है । जिसके खास स्वर ये हैं—ग रे सा नी म प। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, मध्यम कोमल, ऋषभ गांधार धैवत निषाद तीव्र । वक्त मोसम बरसातमें हरवक्त, गैर मोसम याने हमेशा वक्त दिनका तीसरा पहर। धनासरी, मलार व विलावलसे मुरक्कब है । मोसम हेमंत ऋतु । तासीर खुशी संयोग लिया करे। शुद्ध व संकीर्ण है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप ।

ग रे सा नी सा रे म म ग म प म प ग ग सा । अंतरा—ग म प ध सा सा सा सा ध प म ग म प ग ग म प प ग ग सा । आभोग—म प ध सा सा सा सा सा रे म म म ग म ग सा सा सा सा नी सा रे म म म ग म ग ग सा सा सा सा सा ध प म ग म ग म प म म ग ग सा ।

सरगम ताल फरोदस्त ।

ग रे सा नी सा रे मे म ग मँ प पँ प गँ प पँ ग ग सा । अंतरा—गँ म प धँ सा सा धँ प म गँ म पँ म पँ म पँ ग ग सा ।

गत मशीतखानी ताल सवारी ।

दाँ दिर दा रा दा दा रा दिर दाँ राँ दा रा दाँ दिर दा रा दा दा रा दिर दाँ दिरँ दा रा दा दा रा दिर । तोडा—दाँ दिर दा रा दा दा रा दिर दाँ राँ दा रा दाँ दिर दा रा दा दा रा दिर दाँ दिर दा रा दा दा रा दिर ।

गत फीरोजखानी ताल सुलफाख्ता ।

दाँ रा दाँ र दार दा श्रीं दा रा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दा । तोडा—दाँ रा दाँ दा र दा दाँर दा रा दाँ रा दिरँ दिर दिर दिर दाँ र दा रदा

तराणा ताल तिताला ।

तनंन दिर दिर दिमँतन दिरँना तँदानी ऊदंन तीलें तारें तदरदाँनी ।

बोल ताल कोकला नया ।

प्यारीजीकी पोरी जुऊँलाँअ जुऊँअले नेवले छेएल दुँलहँन दुँऊअले । अंतरा—धाँकीट तँकीट तीकाकीट किँटतीका गेदीगीन धाँकीट तीकधुम मृदंग बाजत सँखी लेएंत तँअन तोमें तेननन नाँअचंत मोओर चेहुं ओओर दीसी जमुनाँके कुँऊअले ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीरागका पुत्र बिहागडा ८।

इसमें सुर गुरु निषाद, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी निषाद है। संपूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—नी सा म ग रे ध प। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम दोनों कोमल व तीव्र, धैवत निषाद तीव्र। वक्त आधी रातका। दो कसम है बीहागडा व बीहाग। संकीर्ण है। केदारा, मारवा व सरस्वतीसे मुरक्कब है। मोसम हेमंतऋतु। तासीर खुशी वियोग लिया करे।

आलाप।

नी नी नी सा म ग रे सा नी नी नी ध नी सा नी प। अंतरा—प ग म प सा सा सा सा नी नी नी ध नी सा नी प नी सा म ग रे सा। आभोग—म ध नी सा सा सा सा सा नी नी नी सा सा सा सा म ग रे सा सा सा सा सा नी नी नी ध नी सा सा सा सा नी प नी नी नी सा म ग रे सा।

सरगम ताल तीव्रा।

नी नी नी सा मं ग रे सा नी नी नी ध नी सा नी प। अंतरा—मं ग मं प सां सा नी ध नी सा नी नी प नी सां सा।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर
५ ५ ५ ६ ९ ८ ७ ६ ५ ५ ५ ३ ५ ६ ५ २ ९
दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा।
११ १४ १४ १३ १३ १२ १२ १४ १३ ११ १२ १४ ९ ८ ७

गत फीरोजखानी ताल खम्सा।

दां दार दा दां दिर दिर दिर धाडें दा रा दां रा दा दा रा दां। तोडा—दिर
५ ५ ६ ९ ८ ७ ६ ५ ५ ३ ५ ६ ५ ५ २ २ ९
दिर दार दारें दा दा रा दां र दा रा दां रा दा दा रा दां।
११ १४ १४ १३ १३ १२ १३ १४ १३ १३ १२ १३ १४ १३ १३ ११

तराणा ताल तिताला।

तनन दिर दिर दिमतन दिरेंनां तदांनी उदनतील तारे दांनी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला पुराना ।

बना मुख देखे तेरी बनी है सुहागभरीई । अंतरा—तार नेभी नी रात जे सी चंदकी केरनखरी ।

श्रीरागके पुत्र ।

२ मालु विभास, गोरी व परजसे मुरक्कब है । ४ गनसागर गैर सुरवज है । ५ कुंब धनासरी व सरस्वतीसे मुरक्कब है । ६ गंभीर स्वरअष्टक व धनासरीसे मुरक्कब है । ७ संकर लंकधुन, सोरठ व बिलावलसे मुरक्कब है । ये श्रीरागके पुत्र हैं इनका हाल पूरा मालूम नहीं हुआ इससे नहीं लिखा गया और जो मिला सो लिखा है ।

श्रीरागकी भार्या ।

१ ध्यानजी टोडी, विभास व साहनासे मुरक्कब है । २ कुंभ सरस्वती व धनासरीसे मुरक्कब है । ३ सरव सुहा, भेरु व शुद्धसे मुरक्कब है । ४ पे कानडा, सरस्वती व कल्याणसे मुरक्कब है । ५ सेसररेषा ललित, पंचम, षट व सुहासे मुरक्कब है । ६ बीजना पुरीया मनादात व टोडीसे मुरक्कब है । ७ सदासुती नटनारायण व शंकराभरनसे मुरक्कब है । ये श्रीरागकी भार्या हैं इनका हाल मालूम नहीं हुआ इससे नहीं लिखा गया और जो मिला सो ज्योंका त्यों लिखा है ।

श्रीरागकी भार्या सोहनी ८ ।

इसमें सुर गुरु गांधार, वादी षरज, संवादी निषाद, अनुवादी धैवत है आदु है । जिसके खास स्वर ये हैं—ग म ध नी सा । स्वर ये लगते हैं— षरज शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, बाजे कोमल तीव्र दोनों लिखते हैं, पंचम शुद्ध विवादी है, धैवत तीव्र, निषाद कोमल वक्त पिछली रातका । संकीर्ण है । मोसम हेमंतऋतु । तासीर खुशी करे ।

आलाप ।

ग म ध नी सा सा सा सा सा नी ध नी सा नी ध म । अंतरा—म

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नी सा सा सा सा नी ध नी सा नी ध म ग रे सा । आभोग—म ध नी सा सा सा सा नी ध नी सा सा सा सा ग ग रे रे सा सा सा सा म म ग ग रे रे सा सा सा सा नी ध म ग रे सा ।

सरगम ताल धमाल ।

गं म ध नी सा सा सां सां सां नी ध नी सा नी धं मं । अंतरा—मं ध नी सां सा सा सां सां सां नी सा नी ध म गं रें ।

गत मशीतखानी ताल तीव्रा ।

दिर दां दिर दां रा दां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां । तोडा—दिर
८ ९ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १३ १२ ९ १६
दां दिर दां रा दां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां ।
१४ १५ १३ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १३ १२ ९ ८ ७

गत फीरोजखानी ताल चोताला ।

दां दा रं दा ग्रांड दा रा दां दिर दा रा दां रा दां रा दां दिर दिर दिर
८ ९ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १३ १२
दारं दा र दा । तोडा—दां दिर दिरं दिर दांर दार दा दां दिर दा रा दां दा रं
९ १२ ९ ८ ९ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १३ १२
दा दांर दा रा दां रा दा दिर ।
१३ १४ १३ १२ ९ १२ ९ ८

तराणा ताल तीव्रा ।

तानांना दिरं दिर दिमं तदिम दिरनां तनां दिरनां ।

बोल ताल टप्पेका ठेका पुराना ।

नेनां दे नांकों पियांरी या वे मीयां । अंतरा—नेनां तो सांडे थारीवं बरछीदी नोकांवेमीयांसुल कलेजेमें सांरी या वें ।

मेघराग ।

इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी षरज, संवादी मध्यम, अनुवादी धैवत, विवादी पंचम शुद्ध है, जिससे तीव्र कोमल लगता है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—म ध सा प ग रे नी । स्दर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध नादार वर्जित है,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धैवत तीव्र, निषाद सकारी। मोसम वर्षाऋतुमें हरवक्त, बाकी वक्त पिछली रातका या दिनके पिछले पहरका। मारग व शुद्ध है। कल्याण, सावंत, कामोद व वसंतसे मुरक्कब है। मोसम वर्षाऋतु। तासीर खुशी करे, गरमी की बिमारी रफे करे वा रस होवे। यह राग महादेवजीके पांचवें मुखसे पैदा हुआ है जो आकाशी मुह है, इसके गानेमें सचे असल स्वर लगानेसे पानी वरसे।

आलाप।

अ अ ना ने ना तोम अ अ ना ने ने ना री अ अ अ अ अ अ ना ने
म म ध ध ध सा सा सा ध प म ग रे सा सा सा सा सा सा नी सा
ना तोम इं री ने ना ने ने ना ओऊ ओऊ ओम।
सा म म म म ध ध ध म सा सा सा।

अंतरा—ग म म ध ध सा सा सा सा ध ध ध म म ध सा सा सा ध ध ध सा सा नी सा सा ध प म ग रे सा। आभोग—म म ध ध ध सा सा सा सा नी सा म म म म ग ग रे सा सा सा ध ध ध म म म ध ध सा सा सा म म ग ग ग रे रे सा सा सा नी सा सा ध ध सा सा ध प म ग रे सा।

सरगम ताल चौताला।

मे म धे ध धे सा सा सा धे ध प म मे ग गे रे सां सा सा सा सां नी सा सा सां म मे म मे ध ध ध मे सा सा सा। अंतरा—गे म धे ध सां सा सा सा धे ध ध म मे म धे ध सां सा सा सा सां नी सा सा धे प मे ग रे सा सां सा सा सा धे ध सा सा।

गत मशीतखानी ताल ब्रह्म।

दां दा रा दिर दां रा दा दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां रा दिर दां रा दां रा दां दिर दा रा। तोडा—दां दा रा दिर दां रा दा दि दां रा दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दां रा दां दिर दा रा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फिरोजखानी ताल तिताला।

दारं दार दिर दाँ दाँ दाँ दा रा दाँ दिर दिर दिर दार दार दा दारँ दा रा दाँ
९ १२ १२ १४ १४ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ६ ६ ६ ९ ९ ९ १२
दिर दिर दिर दाँर दार दा। तोडा–दिरं दिर दार दाँर दा दा रा दाँ दिर
१२ १२ ९ १४ १४ १४ ८ ९ १२ १२ १४ १४ १४ १२ १२
दिर दिर दारँ दार दा दाँ दार दा दाँ दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँ दा र दा।
१२ ८ ९ ९ १२ १२ १४ १४ १४ १२ १४ १४ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ६

तराणा ताल सवारी।

तनदिरना तदाँनीदानी तदाँनी तदरदानी दिरनाँ दिरना तदारीदानी तँदानी।

बोल ताल चोताला पुराना।

ऊलेर ओंई हों घनघंटा हींडोरे झुलते हे श्यांमां श्यांमअं। अंतरा–कँचनखंबंजटतें डांडी पँटलीलेर सुरेवारी प्रीतें बसेन फेरहेरात भ्रुकुंटी जीत कोटें कोंआंमअ ऊलेरें ओंई होंअं। यह कह अस्ताईमें मिले। बनी हें अद्भुत जोरी ऊंपमा को दींजे ओर जोटा देत सेव मीले व्रजकी बांमें। आंनंद बढचो ठोरें ठोरें नाचत हें मोरिनी मोरें येहँ सुख नीरेख शोभा पायो हें सुखेंधांमअं। यह कह अस्ताईमें मिले।

मेघरागका जोड।

साँ सा सा सा सा सा नी सा सा म म म म ध ध ध म म साँ सा सा म म ध ध ध साँ सा सा सा ध प म ग रे साँ सा सा सा नी सा सा म म म म साँ सा सा ध ध ध म म सा सा सा ध प म ग रे साँ सा सा सा सा ध ध ध सा सा सा म म म म सा सा सा ध प म म सा सा सा ध प म ग रे साँ।

चतुरंग ताल सवारी।

साँत सुरन ओरें तीन ग्राम एक वीँस मुरछना कहे चँतुरंग सचाईसे रंगँ मेघमें ताँल सवारी कर दिखावे गुनीयन गुनीँको गुनकर बतावे। साँ सा सा ध प मे ग रे सा सा सा सा सा नी सा सा म म म ध ध धँ म सा म म ध ध ध। तोमें तदर देंनी तदानी दिर दिर तोमें दिर दिर तोम दिर दिर तोमें तोम तोम तानोम धाँतां धुमकिट धांधिनिनिक धिनीनिक कडान

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिकधां धलानी धधुधुकिट तिकागीडनिग धाती कतिकटातिका कीटतिका गदीगिन ऊँमडी घुमंडी मेघ वरसेएए गरजे बादरवाअ चमके बीजुरी पिया।

मेघरागकी रागणी भोपाली १।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी गांधार, विवादी मध्यम है। आडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा प ग रे ध। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम नादार वर्जित है, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त पहर रात गई पीछे। शुद्ध सालनीक है। बिलावली, कल्याण व गौडसे मुरक्कब है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर इश्ककी खुशी पैदा करे। भोपाली यहां मेघकी रागिणी है और योंही भोपाली दीपकरागकी भार्याभी है, सो यहां वहां श्रुतियोंमें फरक है और श्रुतियोंका फरक होनेसे शकल बदल जावे।

आलाप।

सा सा सा प ग प ग रे रे सा ध ध सा रे ग ध प ग रे ग ग प ध प ग प ग रे सा। अंतरा—रे ग प ध सा सा सा ध ध सा सा ध प ग प ध सा सा ध सा ध प ग प ग रे सा। आभोग—ग प सा सा सा ध ध सा सा सा रे रे ग ग ग रे सा सा सा ध प ग रे ग प सा ध ध सा प प ध सा सा ध प ग रे ग ग प ध सा सा ध प ग प ध प ग रे सा।

सरगम ताल सवारी।

सा सा सा प ग प ग रे रे सा ध ध सा रे ग ध प ग रे ग ग प ग प ग रे सा। अंतरा—ग प सा सा ध सा सा सा सा ध ध सा सा ध प प ध सा सा ध प ध प ग प ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल आडा चोताला।

दिर दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दा
६ ६ ६ ११ ८ ११ ८ ७ ७ ६ २ २ ६ ७ ८ १२ ११ ८ ७

रा दां रा दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां रा दां रा दा रा दां दा रा दिर
८ १२ ११ ८ ११ ८ ६ ७ ७ ८ ११ १२ १४ १४ १४ १४ १२ १२ ११

दां दिर दा रा दां दिर दां रा दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।
१२ ११ ८ १० १२ १४ १४ १२ १४ १४ १२ ११ ८ ११ ८ ७ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दों रा दों रा दीं र दा रा दों दिर दा रा दों दिर दिरें दिर दांर दार दा दों दिर दा रा। तोडा—दिरें दिर दांर दांर दा दा रा दों रा दा रा दों दिर दिरें दिर दांर दार दा दों दिर दा रा।

तराणा ताल जूमरा।

तानोंमें तोम तोंनोम तनी दिरना तेंदरदानी दिरंना तेंदानी दानी दिरें दिरदानी तेंदानी।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना।

सुंअधअंअ बोअंलोअ आअंअनन रुअपंअकीई ई मंअरो अ रें अ। अंतरा—कैर रही मांअनन मोंनन प्यारेकी ईई जतन करोअंरअ।

मेघरागकी रागिणी मलार २।

इसमें सुर गुरु धैवत, वादी षरज, संवादी गांधार, अनुवादी मध्यम, विवादी ऋषभ व पंचम है, जिससे ऋषभ तीव्र, व पंचम कोमल लगता है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—ध सा प म ग रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम शुद्ध, पंचम कोमल, धैवत तीव्र, निषाद कोमल। वक्त मोसम बरसातमें हरवक्त, गैर मोसममें आधी रातका। शुद्ध व संकीर्ण है। सारंग, सोरठ व बिलावलसे मुरक्कब है। अकसाम पंदरह हैं, जिनकी तफसील आगे लिखी है। मोसम वर्षाऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

ध सा ध प म म ग रे सा रे म म म ग म म। अंतरा—ग म ध सा सा सा सा ध प म म ग रे सा। आभोग—म म ध सा सा सा सा ध प म ग रे सा सा सा सा म म म म ग म म म ग रे सा सा सा सा सा ध सा ध ध ध ध सा सा सा ध प म ग रे सा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सरगम ताल आडा चोताला ।

धं सा ध प मं ग रे सा रें म म म गं म धं ध सा सा धं प प म गं रे सा रे मं म । अंतरा—गं म ध सा सां सा सा ध धं ध प प मं ग रें सा स सा सां रे म म मं ग ग म मं म ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा—दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा ।

गत फीरोजखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां र दां दा रा दांर दा र । तोडा—दां दिर दा दांर दा दा रा दां दिर दिर दिर दां र दार ।

तराणा ताल चोताला ।

दिमं दिमं तांदिम अनंन नारे तोमं तोमं तांनोम तदिरं दिर दानी ।

बोल ताल तिताला श्रीदरबारका बनाया ।

लेरजतहें घन गेरजत बेरसत सेब ऋतु सेबही ठोरें सुखदायक दंपतिके हीतकों जर सेरसत । अंतरा—जों बरंनार मलांर ऊचांरत त्युं सुन सों अर मोरें चीत तेरसत । प्यारीचखें समताहीतें पुनींदांमनी दुंरीत पुनी फिर सुरत देरसत । रेसिक सेनेही ऊंचीई अंटाअपरं पियें अनुरांग हीये हेरसत ।

मेघरागकी रागिणी गुजरी ३ ।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी ऋषभ अनुवादी गांधार है। षाडु है । जिसके खास स्वर ये हैं—प म ध रे सा नी । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार कोमल, मध्यम शुद्ध व तीव्र दोनों लगते हैं, पंचम शुद्ध, धैवत कोमल, निषाद तीव्र । वक्त दो पहर दिनका । शुद्ध

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संकीर्ण है। ललित व रामकलीसे मुरक्कब है। अकसाम तीन हैं सो आगे लिखी हैं। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

प म ध प म म म रे सा सा सा नी सा सा रे रे रे। अंतरा–म रे सा सा सा सा नी सा सा ध ध ध प म ध प म म रे सा। आभोग–प मँ म रे सा सा सा नी सा सा सा सा रे रे रे प मँ ध प मँ म रे सा सा सा नी सा सा ध ध ध मँ म ग म ध प मँ रे सा नी ध ध ध ध मँ मँ ग मँ ध प मँ-म रे सा।

सरगम ताल खम्सा।

प मँ ध प मँ म रे सा साँ सा नी सा साँ सा रे रे रे रे। अंतरा– मँ रे सा सा नी सा सा ध धँ ध प मँ धँ प मँ म रे साँ।

गत मशीतखानी ताल रूपक।

दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा–दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दिर दाँ दिर दा रा दाँ र दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार। तोडा–दिर दिर दार दाँर दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दा र।

तराणा ताल आडा चौताला।

तनांना दिरे दिर दिम तोंदीम तनँदिर ना दिरे नाँ तदारी दोनी तदरदांनी।

बोल ताल तिताला नया।

लरी हेए साअस ननंदिया मो ओरी। अंतरा–हाथ पकरे मोरी अंगीया मसके दीनी बैईया मरो री ओरु चुरीया तोअरी। छीन झपटे मेरो दंधीहु ेी-ईनो सीरसे ऊतारी वाने गागर फोअरी। मेएं जात बरसांने सखी री इ डंगिर चलत मोसु केरी ठगठोअरी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मेघरागकी रागिणी तनक ४।

इसको तेलीगभी कहते हैं। इसमें सुर गुरु गांधार, वादी गांधार, संवादी मध्यम, अनुवादी पंचम, विवादी ऋषभ व धैवत है। जिससे ऋषभ कोमल व धैवत तीव्र लगता है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—ग म प सा नी रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ कोमल, गांधार तीव्र, मध्यम पंचम शुद्ध, धैवत अति तीव्र, निषाद तीव्र। वक्त आधी रातका। श्रीराग, कानडा न भेरुसे सुरक्कब है। इसका रिवाज पंजाबमें जादा है। शुद्ध संकीर्ण है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर वियोगकी खुशी करे।

आलाप।

ग म प सा नी रे सा प ग प म ग ग रे सा नी सा ग म प प सा नी रे सा सा प प। अंतरा—ग म प सा सा सा सा नी रे नी रे नी सा सा प सा नी सा रे सा प ग प प म ग रे सा। आभोग—प प सा सा सा सा नी रे नी रे नी सा सा सा प सा नी सा रे सा प ग प प प म ग ग ग रे सा नी सा सा सा रे सा प प।

सरगम ताल कोकला।

गं म प सा नीं रे सां प ग म मं ग गं रे सां नी सा ग मं प पं सा नी रे सां सा पं प। अंतरा—गं म प सा सां सा सां नी रे नी रें नी सां सा सा नी सा रें सा पं ग प प मं ग रें सा।

गत मशीतखानी ताल चोताला।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा
८ ९ ११ १४ १३ १५ १४ ११ ८ ११ ९ ८ ७६ ६ ५ ६ ८ ९ ११
दिर दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां
८१३ ७६ ९ ११ ९ ११ १४ १४ १३ १५ १३ १५ १३ १४ ११ १४ १३
दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा।
१५३१४ १४ ८ ११ ११ ९ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दिर दां दिर दा रा दां रा दां दा र
८ ९ ११ १४ १३ १५ १४ ११ ८ ११ ९ ८ ७ ६ ५ ६ ८ ९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

दाँ रा दा रा दाँ दिर दा रा । तोडा—दाँ रा दिरँ दिर दार दाँ दा दा रा दाँ
१४ १३ १५ १४ ११ ११ ९ ८ ८ ९ ११ १४ १४ १४ १३ १५ १३ १५
दिर दा रा दाँ रा दाँ दिर दा दाँर दा दा रा दाँ दिर दा रा ।
१३ १४ १४ ११ १४ १३ १४ १५ १४ ११ ८ ११ ९ ८ ७ ६

तराणा ताल रूपक ।

नेरे दिर ना दिरँ ना तदारी दानी दिरँ दिर दानी ।

बोल ताल ख्यालका ठेका पुराना ।

अबं कल नाँही परे मो रे तन तलफत श्यामके दरस बिन । अंतरा—कोऊ तो कहो एरी बेर न जाएं लावो बुलावो बेग बाए दरद समारे मेरे दे मन ।

मेघरागकी रागिणी देसकार ५ ।

इसमें सुर शुरु षरज, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी षरज, विवादी मध्यम है । आदु है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा ध रे ग प । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद कोमल, पंचम शुद्ध, मध्यम शुद्ध वर्जित है, जिससे कोमल व तीव्र लगता है । वक्त पिछली रातका । शुद्ध संकीर्ण है । परज, सरस्वती व सोरठसे सुरक्कब है । मोसम वर्षा ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप ।

सा ध ध सा रे ग ग ग ग रे रे रे ग ग सा सा । अंतरा—रे ग ग सा रे नी नी रे प प ध ग ग रे ग सा रे ग ग ग रे ग सा । आभोग—प प ध ग ग रे ग सा रे ग ग ग ग रे ग सा सा सा रे ग सा सा सा सा रे नी नी नी रे प प प ध ग ग ग ग रे ग सा रे ग ग ग ग रे ग सा रे ग सा सा ।

सरगम ताल फरदोस्त ।

सां ध ध ध सा रे ग ग ग ग रे रे रे ग ग ग सा सा सा । अंतरा—रे ग ग सां रे नीं नी रे प प ध ग ग रे ग सां रे ग सा ।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत मशीतखानी तीव्रा।

दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा राँ दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा राँ। तोडा-दिर दाँ दिर दाँ रा दाँ दा राँ दिर दाँ रा दाँ रा दाँ दा राँ।

गत फीरोजखानी ताल सुरफाख्ता।

दाँ दिर दा रा दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दिर दाँ रा। तोडा-दाँ राँ दिर दाँ दिर दा रा दाँ रा दाँ दिर दा दा राँ दा दा रा दाँ रा।

तराणा ताल फरोदस्त।

तोंदिम तोंदिम तोंदिम तोमें दिरें दिर दांनी तदरदानी तोमें तनोमें तानोमें तदरदांनी दिरें नाँ तदानी।

बोल ताल चौताला नया।

आवे छे आवे छे कृष्ण कुँवरे नंदलाल गैइया चरावते आवेछेए। अंतरा-गुवाले बाल गऊधन संग बंसी बजावे छेए कारी पीरी धोरी धुमेर कांजर ले ले नामें बुलावे छेए।

मेघरागके पुत्र।

१ जालंधर गैर सुरवज है। २ गजधर गैर सुरवज है। इनका हाल मालूम नहीं हुआ इससे नहीं लिखा।

मेघरागका पुत्र सारंग।

इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी ऋषभ, अनुवादी मध्यम है। आदु है। जिसके खास स्वर ये हैं-प म रे सा नी। स्वर ये लगते हैं-षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल। वक्त दो प्हर दिनका। शुद्ध संकीर्ण है। देवगिरी, मलार व नटसे मुरक्कब है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। सारंग अकसाम चौदह (१४) हैं जिनकी तफसील आगे लिखी है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलाप।

प म रे सा नी सा रे रे सा रे म प म रे रे सा। अंतरा—रे म प नी सा सा सा सा ध ध प प रे रे म प म रे रे सा। आभोग—म ग नी सा सा सा सा रे रे रे सा सा सा रे म म रे रे सा सा सा नी सा रे रे सा ध ध प सा ध प म रे रे म प ध प म रे रे सा।

सरगम ताल रूपक।

प म रे सा नी सा रे रे सां रे म प म रे रे सा। अंतरा—रे म प नी सां सा ध। मं रे म प मं रे रे सा।

गत मशीतखानी ताल तीव्रा।

दिर दां दिर दां रा दां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां। तोडा—दिर दां दिर दां दा रां दा रां दिर दां दिर दां रा दां दा रां।

गतफीरोजखानी ताल चौताला।

दां रा दां रा दां र दा रा दां दिर दा दां र दा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दा रा। तोडा—दिरं दिर दांर दांर दा दा रा दां रा दा रा दां दिर दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा।

तराणा ताल खम्सा।

धिलांग तोम तांनोम तदानी तंदर दानी दिरनां तदर दानी दिरनां तनं दीरना तदारी दानी दिरें दिर तोम तोमं तोमं।

बोल ताल तिताला नया।

कपि एक राम कटकसे आयो लंकामें असीई धूंअम मचाई। अंतरा—बाग बिगार सुभट केही मारे सीतापै जाएके नाअर नवाईई। पूंछ बंधाए फिर्‍यो चहुं ओरी नगरमें घर घर होरी जराईई। पूंछ बुझाए समुंद्रसे कूदो मंगल बात रघुवरको सुनाईई।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मेघरागका पुत्र नटनारायण ४।

इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी ऋषभ, संवादी षरज, अनुवादी गांधार है। आदु है। जिसके स्वर ये हैं—म प ग रे सा। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्र सामका। शुद्ध संकीर्ण है। शंकराभरन, बिलावल, मदमादलक व धुनसे सुरक्कब है। मोसम वर्षाऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

म प प ग ग रे ग रे ग रे सा सा सा रे रे सा। अंतरा—ग रे सा सा सा रे रे सा सा म प प ग ग रे ग रे ग रे सा। आभोग—ग ग रे ग रे सा सा सा सा रे रे रे रे सा सा सा सा म म म प प प प प ग ग रे ग रे ग रे सा सा सा सा म प प ग ग रे ग रे ग रे सा सा सा रे रे सा।

सरगम ताल धमाल।

मँ प प गँ ग रे गँ रेँ गँ रे सा साँ सा रे रे साँ। अंतरा—गँ रे सा साँ सा रे रेँ साँ मँ प प गँ रे ग रेँ साँ।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दाँ दा रा दिर दां दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा—दिर
९ ११ ११ ८ ८ ७ ८ ७ ८ ७ ६ ६ ६ ७ ७ ६
दां दिर दा रा दाँ दा रा दिर दां दिर दा रा दाँ दा रा।
७ १४ १४ १५ १५ १४ ९ ११ ८ ७ ८ ७ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल रूपक।

दां दिर दा दाँर दा दा रा दां दिर दिर दिर दाँर दार दा। तोडा—दिं
९ ११ ११ ८ ७ ८ ७ ८ ७ ६ ६ ६ ७ ६
दिर दा दाँर दा दा रा दां दिर दिर दिर दाँर दार दा।
७ १४ १४ १४ १५ १५ १४ १४ ९ ११ ८ ७ ६

तराणा ताल कोकला।

दिरँना तदाँरी तोँरी दिर दिर तोमँ तोमँ तांनोम तदँरदाँनी दिर दिं दाँरी दोँनी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला नया।

गेहेरी नदीया नीर वहे तेहे पवन चले ऐरी पुरवईयांअे । अंतरा—निसें अंधियारीई भयानक लोगे बोले दादुर कोएलीयांअे । सुनी सेजां विरंह सतावे कब आवे मोरे घर सईयाअे ।

मेघरागका पुत्र शंकरभरन ५।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी निषाद है। संपूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी ध प म ग रे । स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार मध्यम धैवत निषाद तीव्र । वक्त पहर रात गई पीछे । अकसाम ४ हैं । शंकरा, शंकराभरन, शंकराअरन, संकीरन । शुद्ध व संकीर्ण है । मालसरी, शुद्ध व मलारसे मुरक्कब है । मोसम वर्षा-ऋतु । तासीर खुशी पैदा करे ।

आलाप।

सा नी ध नी सा सा नी प म ग प म ग सा सा नी सा रे प प प प प सा सा नी नी सा ग ग ग ग प ग ग प ग रे सा सा । अंतरा—ग ग प ध प ध सा सा सा नी ध नी सा सा नी सा प प सा सा प म ग प प ग सा सा नी नी सा प प प ग म प ग रे सा । आभोग—१ ध प ध सा सा सा सा नी ग ग ग नी ध सा सा सा प प सा सा नी ध नी सा सा नी प म ग प म ग सा सा नी सा रे प प प प सा सा नी नी सा प प प ग ग प ग रे सा।

सरगम ताल फरोदस्त।

सां नी ध नी सा सा नी प म गं प मं ग सां सा नीं सा रे प पं प प सां सा नी नीं सा ग गं ग गं प गं ग पं ग रे सा । अंतरा—गं ग प धं प ध सां सा नी धं नी सां सा नीं सा पं प सा सा पं म ग पं प ग सां सा नी नीं सा पं प पं ग पं ग रे सा ।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिरा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर

१३ १२ १२ १३ १४ १४ १३ ११ १० ८ ६ ५ ६ ७ ११ ११ ११ ६ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा—दिर दाँ दिर दा रा
५ ५ ६ ८ ८ ८ ११ ८ ८ ११ ८ ७ ६ ८ ८ ११ १२ ११
दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर
१४ १३ १२ १३ १४ १३ १४ ११ ११ १४ ११ ८ ८ १४ १४ १३ १३ १४ ११ ११
दाँ दिर दा रा दाँ दा रा।
११ ८ ८ ११ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल खम्सा।

दिर दिर दिर दाँ र दार दा दाँ रा दा दा रा दाँ दाँ राँ दिर दाँ दिर दा
१४ १३ १२ १३ १४ १४ १३ ११ १० ८ ६ ५ ६ ७ ११ ११ ११ ११
रा दाँ दा र दा दाँ रा दा दा रा दाँ दाँ र दा रा दाँ। तोडा—दिर दा दा र
६ ५ ५ ६ ८ ८ ८ ८ ११ ८ ८ ११ ८ ७ ६ ६ ८ ११ १२ ११
दा दा रा दाँ रा दा दा रा दाँ दाँ दिर दा रा दाँ।
१३ १२ १४ ११ १० ८ ६ ५ ६ ७ ११ ८ ७ ६

तराणा ताल सुलफाख्ता।

दिर्म दिम तोंदिम तेंदरदानी दिरं दिर दानी तोम तारी दानी।

बोल ताल चोताला।

खंडीई चंडमुंडदल मेल एएएएए असुरसंहारिनीई अधमनको गत दीनीई। अंतरा—संअंत पालनीई दीनें दुखितें तिहुंलोकं सकल सुखदेनीं।

मेघरागका पुत्र कल्याण ८।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम, अनुवादी ऋषभ है। षादु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी ध प ग रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम नादार याने मध्यम विवादी है, सो वर्जित है, तीव्र कोमलके फेर लगावे हैं, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्र सामका। शुद्ध व संकीर्ण है। तनक, कामोद व गौडसे मुरक्कब है। कल्याण बारह (१२) हैं जिनकी तफसील आगे लिखी है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

सा सा नी ध प ग प प प प ध ध सा सा ध धं प ग रे रे ग ग रे

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा रे ग रे सा सा प प सा सा सा सा सा रे ग रे ग प प रे ग रे सा सा। अंतरा—ग ग प प ध ध प प सा सा सा सा नी ध प ग प प प प ध ध सा सा ध ध प ग रे रे ग ग रे सा। आभोग—प प ध ध प प सा सा सा सा सा सा सा सा रे रे रे रे सा सा सा सा प प रे रे रे रे रे सा सा रे ग रे सा सा सा प प सा सा सा नी ध ध प प ग रे रे ग ग रे सा।

सरगम ताल तिताला।

सा सां नी ध प गं प प प पं ध ध सा सां ध ध प गं रे रें ग गं रे सा सा रें ग रे सा सां प प सा सां सा सा सा रें ग रे ग पं प रे ग रें सा सा। अंतरा—ग गं प प ध धं प प सा सां सा नी ध पं ग प प पं ध ध सा सां ध ध प गं रे रें ग गं रे सा।

गत मशीतखानी ताल चौताला।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दिर
१४ १४ १३ १२ ११ ८ ११ ११ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १२ १२ ११ ७ ७
दा रा दां दिर दा रा दां रा दां रा दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दां
७ ८ ७ ६ ६ ७ ८ ७ ६ ६ ११ ११ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ७ ८ ७
रा दां दा रा दिर दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां
८ ११ ११ ११ ७ ८ ७ ६ ८ ८ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १४ १४
दा रा दिर दां दिर दां रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां रा दां रा दां दिर
१४ १३ १२ ११ ८ ११ ११ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १४ १४ १२ १२ ११ ११ ८ ७
दा रा दां दा रा।
७ ८ ८ ७ ६

गत फीरोजखानी ताल आडा चौताला।

दां रा दां दिर दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां रा दां दिर दिर दिर
१४ १४ १३ १२ ११ ८ ११ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १२ १२ ११ ८ ७ ७
दां र दार दा दां दिर दा रा। तोडा—दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा दां
८ ७ ६ ६ ७ ८ ७ ६ ८ ८ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १४ १३
रा दा रा दां रा दां रा दा रा दां दा रा दां दिर दा रा।
१२ ११ ८ ११ ११ १२ १२ १४ १४ १२ ११ ८ ७ ८ ७ ६

तराणा ताल जपताला।

तोमें तांनोम तन दिरना दिम तांदिम तनानां नारे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल चोताला।

तु सुर विसतारअंअ साधन नाद वेद अपरंपार जगमग जगजोते तुहीं साँअधनंअ। अंतरा—सपत सुर तीने ग्राम ऊनचास कोटे तान कहे तबेजु बावरेअं सुर माँअनअं।

मेघरागका पुत्र गांधार ७।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी मध्यम, संवादी पंचम, अनुवादी धैवत है। संपूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे म ध नी ग। स्वर ये लगते है—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद कोमल। वक्त पहर दिन चढेका। शुद्ध संकीर्ण है। सिंद गोरी, आसावरी, देवगिरी, भेरु व हिंडोलसे मुरक्कब है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। गांधार मालकोसरागकाभी पुत्र है परंतु वहां श्रुतियोंमें फरक है, श्रुतियोंके फरकसे रागमें फरक होता है।

आलाप।

सा रे म म म म प प ध ध सा सा सा नी ध प ध प नी ध प म ग सा रे म प ध म ग रे। अंतरा—म म प ध सा सा सा सा सा नी ध प ध प नी नी ध ध प प म म म म म ग रे सा रे म म प ध म ग रे सा। आभोग—म प ध ध सा सा सा सा नी नी ध सा सा सा रे म म म म प प ध सा सा सा सा नी ध प ध सा सा सा नी नी ध ध प प म म म म ग रे सा सा नी ध प ध प नी ध प म ग रे सा रे म प ध म ग रे सा।

सरगम ताल जधताला।

सा रे म मं म मं प प धं ध सा सा नी धं प धं प नी धं प मं ग र सा रे मं प ध मं ग। अंतरा—मं म प धं सा सा सा नी धं प धं प नी नी ध पं म म गं रे सा रे म मं प धं म ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल चाचर।

दां रा दां रा दां रा दिर दां दा रा दां रा दां रा दां रा दिर दां दा रा दा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दिर दाँ रा दाँ दिर दा दाँ दा रा। तोडा—दाँ रा दाँ रा दाँ रा दिर दाँ दा रा
दाँ रा दाँ रा दाँ दिर दा दाँ दा रा दाँ दिर दाँ रा दाँ रा दिर दाँ दा रा।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दिर दाँ रा दिर दाँ रा दा रा दाँर दार दा दाँ रा दा दा राँ दा दा रा दाँ
दा र दा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार। तोडा—दिरं दिर दार दाँर दा दा रा दाँ
दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ दा र दा दाँ रा दा रा दिरं दिर दा दा रं दा दा
रा। फिर गत शुरू करे तो आखिरके 'रा' को नहीं कहे।

तराणा ताल तिताला।

नादिर तेली दिम तना दिरं नाँ दिरं दिर तोम तोम तोमँ ऊदन तिलं तारे
तदरंदानी तनानाना तना।

बोल ताल तिताला पुराना।

बरज बरज सुत अपनो री बाअरो। अंतरा—सदाई गृहकाज करे
क्यों चोरी चपल चतुर अती भोरो। धरत दुराए दूध दधीभाजन जाहारी
होए सखी बोत अंधियारो। कंठ चरण धृत मणिगण भूषण जाहरी जाए
जाह तहा उजियारो। बैठे मन कछु नहीं जानत याही री सारूप भवन
अकारो। वरन छिपाये हँसी जननि तब गोविंद प्रभु व्रजलोचन तारो।

मेघरागका पुत्र साहना ८।

इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी पंचम, संवादी ऋषभ, अनुवादी मध्यम है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—म प ध ग रे सा। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार कोमल, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल। वक्त आधी रातका। शुद्ध संकीर्ण है। कानडा, बेहर व दोसतसे मुरक्कब है। मोसम वर्षा ऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

म प प प म प प प ध ध प प म ग ग म रे रे रे रे सा सा रे रे म ग ग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

म ग रे सा सा। अंतरा—ग म रे सा सा सा सा म प प प ध ध प म ग म रे सा सा सा रे म ग ग म ग रे सा। आभोग—म म रे रे रे रे सा सा सा सा रे रे रे म म म ग ग म म ग रे सा सा सा सा म प प प प प ध ध प प म प म म रे रे रे सा रे रे म ग ग म ग रे सा सा।

सरगम ताल धमाल।

म प प प म प प प ध ध प प म प ग म रे रे रे रे सा सा रे रे म ग ग म ग रे सां सां। अंतरा—ग म रे सां सा सा सां सां म प प प ध ध प म ग म रे सां सा सा सां सां रे म ग ग म ग रे सां।

गत मशीतखानी ताल झूमरा।

दिर दां दिर दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दा दा दिर दां दिर दा रा दां र दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा र दा दां रा दा रा दां दा रा।

गत फीरोजखानी ताल चौताला।

दां रा दां रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा दिर दा रा। तोडा—दां दिर दां रा दां रां दिर दां रा दा रा दां दिर दां र दां दिर दिर दिर दां र दार दा।

तराणा ताल ब्रह्म।

तनांनां दिर दिर तोंम तोम तोंनी दिरना तदानी दांनी तारे दानी दिर दिर्म तांदिम।

बोल ताल तिताला पुराना।

सुन सखी निठुर पपईया बोअले। अंतरा—पिऊ पिऊ कर पिऊ सुरत जनावे मेरो माआन पाअत जो डोअले। सुरत ससुद मेरो तन कुस कस मदन बाण जकजोअले। वामभाग कोकिला पुकारे मातु शीतल पवन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तक तोअले। मोहनलान गोवर्धनधारी पठवो कवन जो आवत मोअले। कृष्णदास प्रभु अधर सुधा दे मोसी दासी नेक न मोअले।

मेघरागकी भार्या।

१ कनहडनाट पंचम, गुजरी, ललित व बिभाससे मुरक्कब है। २ गावदी मारु, भाकरा व नटनारायणसे मुरक्कब है। ३ गोमनाट धनासरी, कानडा, घोल अहीरी, शुद्ध व मदमादसे मुरक्कब है। ५ मांज सोरठ, बिलावल, सारंग, धनासरी व नटसे मुरक्कब है। ७ नटमंजरी नट व मालसरीसे मुरक्कब है। ८ शुद्ध नाट शुद्ध व नटसे मुरक्कब है। मेघरागकी भार्याओंमें इन छःका विशेष हाल नहीं मिला किंतु जो मिला सो लिखा गया।

मेघरागकी भार्या बिहारी ४।

इसमें सुर शुरु ऋषभ, वादी ऋषभ, संवादी पंचम, अनुवादी गांधार है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—रे प म ग सा नी। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, धैवत निषाद तीव्र कोमल। वक्त दिनका तीसरा पहर। शुद्ध व संकीर्ण है। बाहदुरी, मारवा व शंकराभरनसे मुरक्कब है। मोसम वर्षाऋतु। तासीर खुशी पैदा करे।

आलाप।

रे प प प म म म म ग ग रे ग सा रे प म ग रे ग सा रे नी नी प प प नी नी सा रे रे रे सा रे प प म ग रे ग सा। अंतरा—रे ग सा सा सा सा रे प म ग रे ग सा रे नी नी प प प नी नी सा रे रे रे सा रे प म ग रे ग सा। आभोग—ग रे रे रे सा सा सा सा नी सा सा सा नी नी नी ध ध ध सा सा सा सा रे रे रे ग रे ग सा सा सा सा रे प म ग रे ग सा सा सा सा रे रे प प प म ग रे ग सा।

तराणा ताल आडा चोताला।

रे प[१] प प[२] म म म म[३स] ग ग रे ग[४] सा रे प म[१] ग रे[२] ग सा रे नी[३स] नी
प प नी[४] नी सा रे रे[०] रे सा[२] रे प प प[३स] म ग रे ग[४] सा सा। अंतरा—रे गं

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सा सां सा सा सा सां रे प ग रें ग सा रे नी पं प प नी नी सा सा रे रें र सा सा रें रे पं प प प मं ग रे ग सां सा सा।

गत मशीतखानी ताल चोताला।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा
७ ११ ११ ११ ९ ९ ९ ९ ८ ८ ७ ८ ६ ७ ११ ९ ८ ७ ८
दिर दां दा रा दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां दा रा। तोडा—दिर दां
७ ५ ४ २ २ ५ ५ ६ ७ ११ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ७ ८
दिर दां रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दों दिर दों रा दां दा रा दिर दां दा रा।
१४ १४ १४ १४ १५ ११ ९ ८ ७ ८ १४ १५ १२ १३ ११ १३ १४ ७ ११ ९ ८ १

गत फीरोजखानी ताल सवारी।

दिर दा दिर दा रा दां रां दा रा दां दा रा दा दिर दिर दिर दांर दार दिर
७ ११ ११ ११ ९ ९ ९ ८ ८ ७ ८ ६ ७ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ७ ५
दा दिर दिर दिर दां र दा र। तोडा—दिर दा दिर दा रा दां रां दा रा दां दा
२ ५ ६ ७ ११ ९ ७ १ ७ ८ १४ १४ १४ १५ ११ ९ ८
रा दा दिर दा दा रां दा दा रा दा दिर दिर दिर दां र दार।
१४ १५ १२ १३ ११ १३ १४ १४ १५ ११ ९ ८ ७ ८ ६ ६

तराणा ताल अदा।

तांदिम तदरें दानी तनों दिरता दिरेंना तदरं दानी तनांना ना तोमें दिर दि तोमें तानोम।

बोल ताल तिताला पुराना।

अब तो प्रगट भई जग जाअनीई ई वाँ सुरलीईसो प्रीते निरंतर कैयों वो रहेगी छोअनी। अंतरा—कहा करूं सुंदर सुरत इन नैनन मांज समानी निकसत नाई बोहत पचहारी रुम रुम उर जानी। अब कैसे नीरवर है आली मिल्यो दूध ज्यों पानी। सूरदास प्रभु अंतरयामी उर अंतरकी जानी।

मेघरागकी भार्या परज ६।

इसमें सुर गुरु षरज, वादी गांधार, संवादी धैवत, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा नी ग प ध म रे। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। वक्त पिछली रातका। शुद्ध व संकीर्ण है। धनासरी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मारवा व गंधारसे मुरक्कब है। मोसम वर्षाऋतु। तासीर खुशी पैदा करे। अकसाम दो हैं सो आगे लिखी हैं।

आलाप।

सा नी सा ग ग ग ग ग प ध नी नी सा सा ध प म ग ग ध ध ध ध प म ग ध ध प म ग रे सा। अंतरा—ग ग प ध नी सा सा-सा सा नी ध प नी सा नी सा नी सा नी ध प सा नी ध प म ग म ध प म ग रे सा। आभोग—म प ध नी नी सा सा सा सा नी सा सा नी ध प नी सा नी सा सा नी सा नी ध प म म ग ग रे रे सा सा सा सा नी ध ध प प ध प सा नी ध प म ग म ध प म ग रे सा।

सरगम ताल एकताला।

सां नीं सा ग गं ग ग ग पं ध नी नी सां सा ध प मं ग ग ध धं ध ध प मं ग ध ध पं म ग रे। अंतरा—गं गं प ध नीं सा सा सा सां नी ध प नीं सा नी सा नीं सा नी ध पं सा नी ध पं म ग म धं ध प म मं ग रे सा।

गत मशीतखानी ताल कोकला।

दिर दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दिर दा रा दां रा दां रा दां
६ ५ ६ ८ ८ ८ ८ ८ ११ १२ १३ १३ १४ १२ ११ ९ ८ ८ १२ १२
दा रा दिर दां रा दां दिर दा। तोडा—दिर दां रा दां रा दां दा रा दिर दां रा
११ ९ ८ १२ ११ ९ ८ ७ ८ ८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १३ १४ १३
दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां दा रा दिर दां रा दां दा रा।
१२ ११ १३ १४ १३ १२ १२ १२ ११ ९ ८ ९ १२ ११ ९ ८ ७

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दा र दा दां रा अ दिर दां दिर दा रा दां रा दा दा रां दा दा रा दांर दार
५ ५ ६ ८ ८ ८ ८ ११ १२ १३ १३ १४ १४ १२ ११ ९ ८ ८ १२ १२ १२
दा दां रा दा रा दां र दा रा दां। तोडा—दा र दा दां दिर दिर दिर दां दा
११ ९ ८ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ८ ११ १२ १३ १३ १४ १४ १४ १३
दा दां र दार दिर दां दिर दा रा दां रा अ द दां र दा रा दांर दार दिर दां।
१३ १३ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ९ १२ १३ १४ १४ १३ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ६

तराणा ताल एकताला।

तेननं दिर दिर दीम तन दीरनां तदानी ऊदन तील तारे दानी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला पुराना ।

दरसनको नीत तरसे अखियां । अंतरा—घायल ज्यों घुमत सगरो दिन घन ज्यों नैना बरसे अखियां । आपन जाय मधुपुरी छाये कुबजा सौत अंग करसे । ब्रजाधीश जीवन याहीको चरणकमल नीत परसे । इसमें तीसरी ताल अखियांपर है जिससे हर जगह तीसरी लगाकार मिलना चाहिये ।

अकसाम राग रागिणीके नाम ।

१ भेरुराग—शुद्ध भेरु, कीरल भेरु, संकी या संकीरन भेरु, कदी भेरु । ४

२ पूरीया—शुद्ध पूरीया, धनासरी पूरीया, बिभास पूरीया, कल्याण पूरीया । ४

३ सोरठ—शुद्ध सोरठ, सारङ्ग सोरठ । २

४ पटमंजरी—सुरदासी पटमंजरी, तानसेनी पटमंजरी । २

५ गोरी—शुद्ध गोरी, जेती गोरी । २

६ देवसाख—शुद्ध देवसाख, गुन देवसाख, कछ देवसाख, भोहर देवसाख । ४

७ ललत—शुद्ध ललत, बाहर ललत, केदारा ललत, मारवा ललत, सुमती ललत । ५

८ कामोद—शुद्ध, कामोद, सावंत कामोद, तिलक कामोद, मोदीनी कामोद, विनोद कामोद । ५

९ केदारा—शुद्ध केदारा, श्याम केदारा, नट केदारा, ललत केदारा, मारवा केदारा । ५

१० जेजेवंती—शुद्ध जेजेवंती, कानडा जेजेवंती । २

११ मालसरी—शुद्ध मालसरी, जोगिया मालसरी, जेत मालसरी, प्रताप मालसरी, धोल मालसरी । ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२ आसावरी—शुद्ध आसावरी, जोगीया आसावरी, सींध आसावरी, जोनपुरी आसावरी। ४

१३ बीहाग—शुद्ध बिहाग, बीहागडा। २

१४ गुजरी—शुद्ध गुजरी, षट गुजरी, श्याम गुजरी। ३

१५ परज—शुद्ध परज, जोगीया परज। २

१६ धनासरी—शुद्ध धनासरी, पुरीया धनासरी, मुलतानी धनासरी। ३

१७ गोरा—माली गोरा, शुद्ध गोरा, जेती गोरा, सरी गोरा। ४

१८ बीलावल—शुद्ध बीलावल, कोकब बीलावल, अलीया बीलावल, मंगल बीलावल, खमाएची बीलावल, जेजेवंती बीलावल, संकरा बीलावल, कजली बीलावल, ईमन बीलावल, कामोदी बीलावल, मदरसीया बीलावल, सखीया बीलावल, सुहा बीलावल, सोहात बीलावल, बीहाग बीलावल। १५

१९ टोडी—शुद्ध टोडी, बाहादुरी टोडी, बेराटी टोडी, देसी टोडी, जोनपुरी टोडी, लाचारी टोडी, मंगली टोडी, पुना टोडी, षट टोडी, रामा टोडी, सुई टोडी, हेभी टोडी, मीयाकी टोडी। १३

२० नाट—शुद्ध नाट, केदार नाट, मलार नाट, नारायण नाट, अहीरी नाट, मारवा नाट, सांवरी नाट, कनड नाट, हमीर नाट, कल्याण नाट, गोंड नाट, सारंग नाट, मब नाट, छीन नाट, राजनारायण नाट। १५

२१ मलार—शुद्ध मलार, गौंड मलार, धोलीया मलार, मलरुहन मलार, रामदासी मलार, सुरदासी मलार, सावंत मलार, मेघावली मलार, बीसंती मलार, हींडोली मलार, सांवरी मलार, कच मलार, मीयाकी मलार, सोंद मलार, नट मलार। १५

२२ सारंग—शुद्ध सारंग, विंदराबनी सारंग, घडहंस सारंग, मल्दुहन सारंग, सावंत सारंग, धोलीया सारंग, सोरठी सारंग, संवारी सारंग, मदमाद सारंग, गौड सारंग, सचानक सारंग, गोबरारी सारंग, लुहसां सारंग, लंकदहन सारंग। १४

८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२३ कल्याण—शुद्ध कल्याण, इमन कल्याण, भोपाली कल्याण, पुरीया कल्याण, हमीर कल्याण, षेम कल्याण, सांवरी कल्याण, श्याम कल्याण, कामोदी कल्याण, नट कल्याण, हेम कल्याण, जेत कल्याण, नायकी कल्याण, बीनोद कल्याण। १५

२४ स्याम—गौड स्याम, मलार स्याम, भोपाली स्याम, कनहर स्याम, सुहु स्याम, पुरवी स्याम, राम स्याम, मेघ स्याम, बीसंत स्याम, बेराटी स्याम, सुगरेई स्याम, शुद्ध स्याम। १२

२५ कानडा—शुद्ध कानडा, नायकी कानडा, साहना कानडा, अडाना कानडा, सुगरेई कानडा, बीसंती कानडा, खमाएची कानडा, सोरठी कानडा, जेजेवंती कानडा, दरबारी कानडा, गारी कानडा, करनाटी कानडा, दोलती कानडा, मंगलीक कानडा, कील कानडा, मंदरीक कानडा, बागेसरी कानडा, सुहा कानडा, धोलिया कानडा, कोसी कानडा। २०

२६ शंकरा—शुद्ध शंकरा, शंकराभरन, शंकराअरन, संकीरन। ४

२७ जींजोटी—देसी जींजोटी, पहाडी जींजोटी। २

२८ खमाएच—शुद्ध खमाएच, परजीया खमाएच। २

मुतफरुकात राग रागिणी याने धुन कहते हैं ये रीवाजमें जादे हैं इनकी तपसील।

फजरके वक्तकी राग रागिणी।

कालींगडा—इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी ऋषभ, संवादी मध्यम, अनुवादी गांधार है। आदु है। जिसके सुर ये हैं—रे म ग सा नी। सुर ये लगते हैं—परज पंचम शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। भेरु, सोहनी, गोरी व पुरीयासे मुरक्कब है। वक्त फजरका। तासीर खुशी पैदा करे।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दा दांर दा रा दीं रीं दिर दों रा दा रा दों दा र दा दीं दा रा दीं दि
० ९ ११ ११ ११ ११ १२ ११ ९ ८ ८ १ ० २ ३ ४२ १२ ९ ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दा रा दों दिर दिर दिर दार दार । तोडा—दिर दों रा दा दिर धांड दा रा
दों दिर दिर दिर दार दार ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

ति हा री हों सी चि त व नें ग र गौं ल नी । पलटा—हों सी चि त व नें ग र गौं ल नी । तो से र सी ली अखियां मो री रू प र सि कं जं जों ल नी ई ।

देवगंधार—इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम, अनुवादी गांधार है । आडु है । खास स्वर ये हैं—सा ध प ग रे । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । वक्त फजरका । तासीर खुशी पैदा करे । भैरु व नटसे मुरक्कब है ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दों दिर दा रा दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों दा रा । तोडा—दिर दों दिर दा रा दों दिर दा रा दों दिर दा रा दों दा रा ।

बोल ताल खम्सा श्रीदरबारका बनाया ।

बातें डल्या तिहारी बिहारी जी माने याद रहेली । अंतरा—में जांणी बिछुंडणरी मारी बात बलाए सहेली । वीप्रीतें करी प्रीतम कथंदा जगतेमें कहेली । धोकें रही मोहोरे घोअरे हुतो राओंज गहेली । रंसिकें सनेही छलरी छोएण वीरेहें दहेली ।

सींध भैरवी—इसमें सुर गुरु धैवत, वादी पंचम, संवादी धैवत, अनुवादी ऋषभ है । षाडु है । जिसके खास स्वर ये हैं—ध म प सा रे नी । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी । वक्त फजरका । तासीर गुस्सेके बाद खुशी करे । भैरवी व सींदवीसे मुरक्कब है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत फीरोजखानी ताल कोकला।

दाँ रा दाँ रा दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दारँ दारँ दिर दाँ दा रा
३ ० २ २ ३ ४ ७ ८ ७ ६ ४ ५ ४ ३ २ ३ ६ ७ ८
दाँ रा दाँ दिर दा रा। तोडा—दाँ दिर दाँ रा दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा
७ ४ ३ २ ३ ६ ८ ९ ११ १२ १४ १४ १४ १३ १४ १३ १४ १२ ११
रँ दा दाँ रा दाँ दार दा दाँ रा दाँ दिर दा रा।
१४ १२ ११ १२ १४ १४ १३ १२ ११ ९ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला श्रीदरबारका बनाया।

प्यारीकी कँपासी साडी धारु मन भाँई। अंतरा—रजत कीनारी सुथरे कस लागणमें अधिकाई। अंबर अंगुरी अंगीया जोएर पीयसे प्रीत बढाई। आज चानणी पीव मानणी धणनु ऊमंग सवाई। ईण रसीयारे ईण रजनी सुदेषामोद सवाई। सरब रंग हर ले हर चमकण अती ज्युंही सरवस जाई। शीतल मंद सुगंधित सुरभी जो वरणी किम जाई। इण सुगणी सुगणारे दिन प्रति रहो चंद सुखदाई। रसिक सनेहीके ढंग सुरंग भर रैन रमाई।

बाहरी—इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी धैवत, संवादी पंचम, अनुवादी मध्यम है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—म प ध ग नी सा। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त फजरका। तासीर संयोग लियां खुशी करे। सोहनी व ललितसे सुरकब है।

गत मशीतखानी ताल जपताला।

दाँ दा रा दाँ रा दाँ रा दिर दाँ रा दाँ रा दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा
९ ११ १२ १२ ११ १२ १४ १४ १२ ११ ९ ११ ८ ९ १२ १२ १२ १२ ९ ११
तोडा—दिरँ दिर दाँर दार दाँ दा राँ दा रा दाँ दिर दिरँ दिर दाँर दार
८ ९ १२ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १२ ११ ९ ११ ८ ९ ११
दा रा।
१२ ११

बोल ताल चोताला तितालासे चोतालामें किया।

नंई ऋतु नंयो फूलनंईई बेएँलेअ बनाई नंईई कलीयेंनको नयो रंग। अंतरा—नये द्रुम नये पात हरि हरी डारी यँ। तांदर भंवरा भयो वंश।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पहर दिन चढेकी राग रागिणी।

जोतपुरी—इसमें सुर गुरु षरज, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी षरज है। आदु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे ग नी प। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ शुद्ध, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त पहर दिन चढेका। तासीर संयोगी खुशी करे।

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां दिर दा रा दां रां दिर दांर दार दिर दां दां दिर दा रा दां दिर
४ ७ ८ ८ ५ ७ ५ ६ ७ ७ ११ ८ ८ ८ ७ ४ ७ ११ ११
दां र दा रा। तोडा—दां रां दिर दां र दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार
८ ७ ५ ७ ९ ९ ८ ९ ११ ११ ११ ११ १३ १४ १४ १४ १५ १४ १४
दिर दां दा रा दां दा रें दा दा रा।
१५ १४ ७ ११ ८ ११ ८ ७ ५ ७

बोल ताल तिताला श्रीदरबारका बनाया।

नवेल बनीनीको नांह बंन्यो। अंतरा—निपट नवीनो नेह नीरखने हीयेमें मोद भऱ्यो। धनईण पीयेरो पार न लेसी आद्र नियम कऱ्यो। भरीयो रजवट षट्गुण सागर हारि निज हाथ कऱ्यो। रतिपति रूप गरवता तो पण हीयेमें शोक भऱ्यो। या गुण बोली रूपरस रेली पतिहित जनम धऱ्यो। रसिक सनेही गुणरी कीणसु जाये हऱ्यो।

जोगीया—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी धैवत, अनुवादी मध्यम है। षादु है। जिसके स्वर ये हैं—सा रे म प ध ग। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद सकारी। वक्त पहर दिन चढेका। तासीर वियोग पैदा करे। आसावरी, रामकली, टोडी व भेरूसे सुरकब है।

गत फीरोजखानी ताल खम्सा।

दां रा दा दा रा दां दां रां दिर दां दिर दिर दिर दांर दा र दा। तोडा—
५ ४ ७ ९=११ ११ १२ ११ ११=९ ११ १२ ११ ८ ७ ५ ६
दां रा दा दा रा दां दां दा रा दांर दार दिर दां दिर दा रा।
९ ११ १२ १४ १४ १३ १२ ११ ११ ९ ११ १२ ११ ८ ७ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला श्रीदरबारका बनाया।

अंबिका रूप अनूप दिखायो । अंतरा—हाथ त्रिशूल धार अघहरणी वाहन सिंह बनायो । काल कराल होएकर काली शुंभही मार गिरायो । आसव छाकछकी ऊण अवसर चषरंग चोल चढायो । महिषासुर मरदन कर महिषं कैटभ जंग खपायो । रक्तबीजका रक्तपानसु छोनीतल छायो । चंडमुंड हनी चंड रूप धर चंडी नाम धरायो । सेवक साद सुणे निज सरवणा अंतर लव न लगायो । सज्जन जगपालक जगदंबा पाए दरश सुख पायो ।

सुरपरदा—इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी गांधार, संवादी मध्यम, अनुवादी पंचम है । षाडु है । जिसके स्वर ये हैं—म ग रे सा प ध । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद तीव्र । वक्त पहर दिन चढेका । तासीर खुशी पैदा करे। बिभास, मलारी, ललित व आसावरीसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल कोकला।

दाँ राँ द दाँ दाँ रा दिर दिर दाँ र दाँर दा दाँ दा रा दाँ रा दाँर दार दा दाँ
९ ८ ७ ६ ७ ८ ८ ९ ७ ८ ९ ११ ११ ९ ८ ९ ११ १२ ९ ८ ११
रा दाँ रा । तोडा—दिर दिर दार दाँर दा दाँ रा दा रा दाँ दिर दाँ रा दाँ द
९ ८ ८ ९ १४ १४ ११ १२ ९ १४ ९ १२ ११ ११ ९ ८ ११ ८
दाँ दाँ रा दा रा दाँ दा रे दा ।
१४ १३ ११ १२ ९-११ ९ ८ ८

बोल ताल चोताला नया।

डेगरें चलतें मोरी बंईया गहीं कछु कंयो न जांए । अंतरा—बरजोरी कर मोरी गगरीया छीनी दधी खांए मुसकांए । ठगठोरी कर मोरी अंगीया मसक दीनी बहीया पकर जकजोरी मोरी बांह जटकांए । रसवंश कर मोको वंश कर लीईनीई बांसुरी बजांए ।

अलीया—इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी निषाद, संवादी गांधार, अनुवादी ऋषभ है । सम्पूर्ण है । जिसके खास स्वर ये हैं—रे ग प ध नी सा म। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद तीव्र। वक्त पहर दिन चढेका । तासीर विरह पैदा करे। मधुमादवी व बिलावलसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल फरोदस्त ।

दाँ दिर दाँ राँ दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दिरँ दिर दाँर दा र दा। तोडा—
७ ८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १२ १२ १२ ११ १२ ११ ९ ८

दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ राँ दाँर दाँर दा दाँ रा दाँर दार दिर।
८ ११ १२ १३ १४ १४ १४ १४ १२ १२ ११ १२ १२ ११ ९ ८

बोल ताल तिताला नया ।

पीतंनि बाँजो जी म्हारा सेऍण । अंतरा—थांह बिना भौरुऊ गडि'र सुँहावेए ऑण दीखाँ जो जी थाहं रानेणँ ।

सकल बिलावल—इसमें सुर गुरु षरज, वादी गांधार, संवादी पंचम, अनुवादी मध्यम है । षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—सा ग रे म प ध। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त पहर दिन चढेका । तासीर उम्मेद मिलनेकी खुशी करे।

गत फीरोजखानी ताल सुलफाख्ता ।

दाँ रा दाँ दा र दा दाँ राँ दिर दाँ रा दाँ दा रा दाँर दा र दिर। तोडा—
९ ८ ७ ८ ९ ११ १२ १२ ९ ८ ८ ९ ११ १२ ९ ८ ७ ९

दाँ रा दाँ र दार दा दाँ दा रा दाँ दिर दिरँ दिर दा रा दाँर दा र दिर।
९ ११ १२ १३ १५ १४ १४ १२ ११ १२ ११ ८ ८ ९ ११ १२ ९ ८ ७

बोल ताल धमाल रामप्रसाद पखावजी जोरावरसींगजी भाईका ।

अब तुँम बेगे कानह चले आवो जुं होरीमेंए । अंतरा—प्यारो सीस चुंदर चटकीली अपने हाथरे' गावो गे' ।

दफेराकी राग रागिणी ।

गोड सारंग—इसमें सुर गुरु गांधार, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी मध्यम है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—ग सा नी म प ध।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त दफेरा। तासीर वियोग करे गोड व सारंगसे सुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दिर दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ रा दा दा दाँ दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा—दिर दिर दार दाँर दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ दिर दा दाँर दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दा र।

बोल ताल चोताला रामप्रसाद पखावजीका।

बोहो री डफ बाजन लोगे खो री कानर धूमें मचाई इइइइ। अंतरा—अबीरें गुलालके बादर छाऐ फागन रांगन गोअ ईईई ईई।

माली गोरा—इसमें सुर ग्रुर षरज, वादी गांधार, संवादी पंचम, अनुवादी धैवत है। षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—सा प ध म ग रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। वक्त दफेरा। तासीर खुशीकी उमंग पैदा करे। गोरी व सोरठसे सुरक्कब है।

गत मशीतखानी ताल चाचर।

दाँ दाँ रा दाँ रा दिर दाँ रा हाँ दाँ रा दाँ दा रा दाँ रा दिर। तोडा—दाँ रा दाँ दाँ दिर दा दाँ दा रा दाँ दाँ रा दाँ रा दाँ रा दिर।

बोल ताल तिताला नया।

मारुऊ मारा हो ओ लागी थासु प्रीत। अंतरा—ढोलावो दिन याद है सुखसु बादी प्रीतें अब दुःख देनारे भये कहो काहकी रीत।

सुरमलार—इसमें सुर ग्रुरु निषाद, वादी षरज; संवादी ऋषभ, अनुवादी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

निषाद है। आदु है। जिसके स्वर ये हैं—नी सा रे ग। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त दफेरा। तासीर प्रेमकी खुशी करे। मलार व खंबायतीसे मुरक्कब है।

गत मशीतखानी ताल तीव्रा।

दिर दाँ दाँ रा दाँ दिर दाँ रा दाँ दाँ दिर दाँ रा दाँ। तोडा—दाँ रा दाँ
५ ६ ७ ६ ७ ६ ८ ७ ६ ७ ६ ७ ६ ५ ९ ११ १३
दिर दाँ रा दाँ दा दाँ दाँ रा दाँ रा दाँ।
१४ ११ १२ ११ ९ ७ ९ ११ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला नया।

री नीति प्रीत लगाकर साँवरे कुंवजा घर गए रे हेएरेए। अंतरा—श्याम पडे घर आए मो रे हमसे कीनी बात रे झूठी साची बतियां करके मनमें रालणो ए रे ए।

मीयाकी मलार—इसमें सुर गुरु निषाद, वादी षरज, संवादी निषाद, अनुवादी धैवत है। षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—नी सा रे म ध प। स्वर ये लगते हैं—षड्ज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त दफेरा और आधी रातकाभी है। तासीर उम्मेद खुशी करे। दरबारी कानडा, बागेसरी, मलार व सोरठसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल फरोदस्त।

दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दा र दा।
५ ६ ७ ९ ७ ६ ५ ६ ७ ३ २ २ २ ३ ५ ६ ३ ६ ६
तोडा—दाँ रा दा दाँ राँ दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा।
९ ११ १४ १४ १४ १३ १४ १५ १४ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ३ ६

बोल ताल तिताला बालकृष्ण हरसुखके सागरदका।

हेएएए दोऊ भीई जन अटकेरी बातन। अंतरा—राधा श्याम केदम तेरे ठाअडे खुद बचावत पातन। रस खस कर लीनो मोहन प्यारी कामकेलिरस गातन बातन।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तीसरे पहरकी राग रागिणी।

मुलतानी—इसमें सुर गुरु निषाद, वादी षरज, संवादी गांधार, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—नी सा ग म प रे ध। स्वर ये लगते हैं—षरज़ शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत सकारी, निषाद तीव्र है। वक्त तीसरा पहर। तासीर वियोग पैदा करे। पीलु, वसंत व पुरीयासे मुरक्कब है। बाजे आदुभी कहते हैं, जिसके स्वर ये हैं—नी सा ग म प।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दाँर दा दा रं दा दा रा दीं रीं दा रीं दा रा दीं दिर दिर दिर दां र दा र दिर दां दिर दा रा दां रा दा रा। तोडा—दीं दिर दा दारं दा दा रा दीं दार दा दां रा दा रा दीं दिर दिर दिर दारं दार दा धांड दा रा दां रा दा रा।

बोल ताल तिताला हद्दुखांजी खालीयेका।

सरजनं वा मोरा सांई रें। निशिदिन तोरो ध्यान धरत है आन मिला रब सांई रे।

बेसवाडा—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी षरज, अनुवादी मध्यम है। षाडु है। जिसके खास स्वर ये हैं—सा रे म ग नी प। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त तीसरा पहर। तासीर खुशी पैदा करे।

गत फीरोजखानी ताल रूपक।

दां दिर दिर दिर दाँर दार दा दांर दार दा दां र दा रा। तोडा—दिरं दिर दा र दाँर दा दा रा दिरं दिर दिर दिर दाँर दार दा।

बोल ताल तिताला नया।

ऊधो घेर पीयनसेएं कंहीयो जाए। अंतरा—कअंस माअर मथुरांअसे आंवे जितने सब नांअअकुलांए।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जींजोटी—इसमें सुर गुरु पंचम, वादी गांधार, संवादी मध्यम, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है। जिसके खास स्वर ये हैं—प ध सा रे म ग नी। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त तीसरे पहर पीछे। तासीर संयोगी खुशी करे। संवायती, काफी व सौंदर्वासे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दीं दिर दा दा रं दा दा रा दीं रं दिर दों दिर दा रा दीं रा दारा दारा दारा दां दिर दिर दिर दोर दार दा भ्रांड दा रा। तोडा—दीं दिर दा दोर दा दा रा दीं दिर दिर दिर दोर दार दा।

बोल ताल चोताला।

पतियां लखु अखियां भर आवे धरकत छतीया भवन ना सुहावेऐए। अंतरा—सुन ऊधो माधोकी कुबजा हमरी पतिया कौने सुनावे। प्रेमकी बाडी कान उजारी विरह विषकी बेलें सींचावेएं। जोगन होकर सब जग ढूंढू मन विन धीरज कौने बंधावेएं।

धानी—इसमें सुर गुरु निषाद, वादी ऋषभ, संवादी निषाद, अनुवादी पंचम है। आदु है। जिसके स्वर ये हैं—नी रे ग सा प। स्वर ये लगते हैं। षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गंधार सकारी, मध्यम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त तीसरा पहर। तासीर संयोगी खुशी करे।

गत फीरोजखानी ताल झमरा।

दा रां दा दा रा दीं रां दिर दों दिर दिर दिर दीर दार। तोडा—दिर दोर दार दिर दों रां दा दों रा दा रा दीर दार।

बोल ताल तिताला नया।

सोतनी थाको दुख मोसे सईयो न जीय। अंतरा—सुनियो री मीरी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बेगर पारोसैंने सोंनी मोको सताय । दोहा—सोंती सोंती सभी कहे, सोंती बुरी बलाय । गुंईया सोंतो दुःखद, हैं घन होकर खाय ।

बीरवा—इसमें सुर गुरु मध्यम, वादी ऋषभ, संवादी निषाद, अनुवादी मध्यम है । आदु है । जिसके खास स्वर ये हैं—म ग रे सा नी । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार अति कोमल, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत कोमल, निषाद तीव्र । वक्त तीसरा पहर । तासिर वियोग करे । पीलु, पूरवी भीमपलासी व खंभायतीसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल चौताला ।

दिर दों दिर दों रा दों रों दिर दों दिर दिर दिर दों र दांर दिर दों दिर दा
६ ८ ७ ६ ७ ५ ६ ७ ५ ६ ७ ९ ८ ७ ६ ७ ६ ५ २
रा दों रों दा रों दों रा दों रों दा दों र दार । तोडा—दों दा रे दा दों रों द दों
२० २ ५ ६ ७ ५ ७ ७ ९ ८ ७ ६ ९ ११ १३ १३ १४ १४ १५ १८
र दार थ्रोड दों रा दों दिर दिर दिर दों र दार ।
१३ १४ १४ १२ १२ ९ ११ ९ ९ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला नया ।

सांवरो ऐरे मोरी मांआ मेरे दिल लग गयो नैनन बसं गयो सांवरो । अंतरा—मोरे मुकुट वाके सीस विराजत ऐ वो तो नंद महरजुको डांवरो ।

पीलु—इसमें सुर गुरु गांधार, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है । आदु है । जिसके स्वर ये हैं—ग रे सा नी प । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ शुद्ध, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी । तासीर विरहकी खुशी करे । वक्त तीसरा पहर । भैरवी व धनासरीसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल सुलफाख्ता ।

दिर दों रा दों दिर दा रा दों रों दा दों रा दों दिर दिर दिर दांर दार ।
६ ७ ८ ६ ७ ६ ७ ७ ६ ५ ६ ५ २ २ २ २ ५ ६
तोडा—दिर दों रा दों दार दा दों रों दिर दों दिर दों रा दा रा दांर दार ।
९ ११ ११ ११ १४ १५ १४ १४ १३ १४ १३ ११११ ९ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला नया ।

सनेहैया कांहे करत सनेहैं । अंतरा—प्रीत तिहारी जांआनी सबही

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

छांअंड गयो निज गेहे । निशिदिन मोओही विरह सतावेएएए वेहेए दरस सुपनेहे । मैनकी बीईतीई मैनही जाआने केएसे नि भेहे नेह ।

जंगला—इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी मध्यम, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है । सपूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं—रे सा नी ध प म ग । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत शुद्ध, निषाद सकारी । वक्त तीसरा पहर । तासीर खुशी करे । जींजोटी, कानडा व तिलकसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल तिताला ।

दिर दां रा दा दिर दां रा दा दिर दांर दार दिर दां दा रा । तोडा—दिर
७ ६ ४।३ ३।४ २ ३ ४ ५ ६ ७ ७ ९ ८।९ ७।८ ६।७ ६
दां दिर दा रा दां रां दा दां रा दा रा दारं दा रा ।
८ ८ ९ ८ १४ १४ १५ १४ १३ १२ ११ ९।८ ७ ६

बोल ताल टप्पेका ठेका ।

मियां वेएं टेडी अखियां रंसीलीई ई यांर वेएं । अंतरा—इंसकदीं फंदा फंसदा जान्दा टेडी ही नंजरदां वारवेएं ।

ठुमरी ताल तिताला ।

हटो हटो लंगरं छांडो छांडो मोरी बईया । पलटा—मोरी संगकी सहेली संग नंईयां । अंतरा—इतनी ढीटांई तुम कांहों सीख पांई चलो चलो बनमांज चरांओ गईयां ।

पहाडी जींजोटी—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी मध्यम, अनुवादी ऋषभ है । आदु है । जिसके स्वर ये हैं—सा रे म प ध । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । वक्त तीसरा पहर । तासीर विरह पैदा करे । गोरी, नट, मारु व श्रीरागसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल आडा चौताला ।

दां रा दां दा र दा दां रां दा दां र दा रा दां दिर दिर दिर दिर दिर दांर
६ ६ ८ ७ ८ ८ ९ ९ ११।१२ ६ ६ १०।८ ७ ६।६ ६ २ २ २ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दार दिर दां दिर दा रा। तोडा—दां रा दां रा दा दा रां दा दा रा दांर रा दां रा दां दिर दिर दिर दांर दार दा धांड दा रा।

बोल ताल चोताला रामप्रसादजी पखवाजीका।

ईतनी कोऊ कहे। जाय हरिसु अवधि गई बरषा ऋतु आईई। अंतरा—जबते गये श्याम मधुपुरी हमको छांड बेरी भयो मनोज ये ऋतु आई ई।

शामकी राग रागिणी।

गारा—इसमें सुर गुरु गांधार, वादी निषाद, संवादी पंचम, अनुवादी गांधार है। आदु है। जिसके स्वर ये हैं—ग रे सा नी प। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त शामका तासीर वियोगी खुशी करे। साहना व बिलावलसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां दिर दिर दिर दां र दा र दा दां र दा रा दिरं दिर दांर दार दा दां दिर दा रा दां रा दा रा। तोडा—दां रा दां दिर दा दां र दा दा रा धांड दा रा दिरं दिर दांर दार दा दांर दा रा दांर दिर दा रा।

बोल ताल चोताला नया।

होअटअ लंगर नट छोडं मोरी बईयां चरांवो गईया। अंतरा—नीर भरन में जमुना जात हुं सर जन सईया। सो सं नंनदको डर है भोई परुं पईया। ये विनय मोअरी मोअनो सांवरे लेईऊं बलेईयां।

स्याम—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी ऋषभ है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—सा नी रे ग ध प म—स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम दोनों, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त शामका। तासीर खुशी पैदा करे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दिर दा दिर दां दा रा दिर दां दा रा दा दां रा दा
६ ५ ७ ९ ९ ८ ८ १२ १२ ११ १० ११ १२ ११ १० ११ ८ ९ ११ १०
रा दां दा रा दिर दां दिर दिर दिर दां र दार। तोडा—दिर दां रा दा रा दां
११ १२ १० ११ ११ १२ ११ १० ९ ८ ७ ६ ११ १० ८ १२ १२ १४
रां द दांर दा रा दां दा र दा दां र दा रा दां द दां दा रा दां र दार।
१४ १४ १२ १३ १२ ११ १२ १४ १३ १४ १२ १० १० ११ १८ ११ १० ९ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला पुराना।

वोहे तेरा ढूंढां न मिला सांजनवा तोरी डेरोरे। अंतरा—लाल लाल तंबुवेकी जरंद किनारी जोमें वसे हे प्रीतम मुरारी।

पहर रातकी राग रागिणी।

खमाएच—इसमें सुर गरु धैवत, वादी गांधार, संवादी पंचम, अनुवादी धैवत है। षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—ध प म ग सा नी—स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ शुद्ध, परंतु सकारी लगे, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त पहर रात पीछे। तासीर मिलापकी खुशी करे।

गत फीरोजखानी ताल चोताला।

दां रां द रां दां रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां दिर दां रा दां द दां
१२ १२ १२ ११ ९ ११ १२ १२ ११ १२ ९ ८ ८ ११ ९ १२ ९ ८ ५ ६
दा रा दां दिर दिरं दिर दांर दा र दा। तोडा—धांड धाड दिर धांड दां रा दां
८ ८ ९ ११ १२ ११ १२ ९ ८ ८ ८ ९ ११ १४ १३ १४ १३
रां दा रां दा रा दां दिर दिरं दिर दांर दार दा।
१५ १३ १४ १३ १२ ११ १२ ९ ११ १२ ९ ८

बोल ताल तिताला पुराना।

दरसन बिन अंखियां तरस रहीं। अंतरा—प्रीतम प्यारेने सुधहु न लीईनी तलफ तलफ जीये जात कहीं।

बोल ताल टप्पेका ठेका रामप्रसादजी पखावजीका।

विदेशां राम तंजाईयोरे थारी फुलान छोऊ विवेरीइयां भवरा। अंतरा—कांईकी तोरी नांव नीवेरीयां कांईकी पेतवार रे तोरी खेवनहारो गुसंईया सांईया।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

देस—इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी ऋषभ, संवादी पंचम, अनुवादी मध्यम है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—रे ग सा नी म प ध। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त पहर रात पीछे। तासीर संयोगी खुशी करे। गारा, सिंदु, खंभायती व नटसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दां दिर दिर दिर दांर दार दा दिरं दिर दार दांर दा दा रा दां रा दा रा
७ ९ ११ ९ १२ ९ ११ ७ ७ १२ १२ ११ ९ ११ ११ १२ ११ ९
दां दिर दां दिर दा रा दां रा दा रा। तोडा—दां दिर दा द दां दां रां दा
८।७ ८ ७ ६ ५ ६ ५ ६ ५ ६ ७ ९ ११ १३ १४ १३ १४ १३
रा दा रा दिरं दिर दिर दिर दां रा दा दिर दां दिर दिर दिर दांर दा र दा।
१४ १३ १४ १२ १२ ११ ९ १२ ११ ९ ७ १२ १२ ९ ११ ९ ८ ७ ६

बोल ताल सवारी छजुषा नगारची दतीयाका।

मारुऊं मारे आंअगन चंअपो फूलं रयो। अंतरा—मो ब्रेहनको पैपईया नीत ऊठ आन सतावे ते मीअडी सुद भुल गयोअ।

जिला—इसमें सुर गुरु ऋषभ, वादी निषाद, संवादी ऋषभ, अनुवादी गांधार है। आदु है। जिसके स्वर ये हैं—रे सा नी ग। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी। वक्त पहर रात पीछे। तासीर खुशी करे। काफी व शुद्धसे मुरक्कब है।

गत मशीतखानी ताल जपताला।

दां रा दा दां रा दां रा दा दां रा दां रा दा दां रा दां रा दा दां रा। तोडा—
७ ६ ५ ४ ४ ४ ६ ६ ४ ५ ५ ५ ५ ७ ६ ७ ७ ८ ८ ७
दिरं दिर दां र दार दां दा रा दां रा दां रा दा दां रा दां रा दा दां रा।
७ ७ ८ ८ ७ १४ १४ १५ १५ ८ ८ ७ १४ ७ ७ १३ ७ ६ ४ ६

बोल ताल तिताला श्रीदरबारका बनाया।

साजनीया वो दिन सोले छे। अंतरा—सुरभी ऋतु अती सोरंभ हिये चित चाह मलींदन चाह ले छे। कोयल बोले सुणाए कैसाएण धाव कलेजे गाले छे। बालम सुध अमृत वच नारीहुक अमावड हाले छे। रसिक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सनेही हिं वडेरमीयाँ नेहें निपट गुण जाले छे । दोहा—इंदुप्रकाश अवास अरु, सहज सनेही सेन । साले वे दिनसे लसा, रंग भर रमिया रेन । लेह गलबाही जे लिया, मद प्याला मन मोय । दिन वे साले आज दिन, हिये तीर सम होय ।

छाया—इसमें सुर ग्रुरु गांधार, वादी ऋषभ, संवादी पंचम, अनुवादी गांधार है । आदु है । जिसके स्वर ये हैं—ग रे सा ध प । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । वक्त पहर रात पीछे । तासीर मिलापकी खुशी करे । कामोद, गारा व केदारसे मुरक्कब है ।

मत फ़ीरोजखानी ताल तिताला ।

दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दिर दाँ दिरं दिर दार दांर दा दा रा दाँ रा द दाँ दिर दाँ र दा रा । तोडा—दिरं दिर दार दांर दा दा रा दाँ रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दिर दिर दिर दांर दार दा धाँड दा रा दाँ रा दा रा ।

बोल ताल आडा चोताला ठाकर गोवर्धनसींगका ।

चतुर चिंतवन चिंते हर लीनो लंगर नेढ बंसीबट जमुनातट नट हेरें कछुक छैल कीनो । अंतरा—मुरली अधर मुकुट मोरपंछ तिलक भाल भँवर कुंडल डोल कोंहे मे नांई चीनो ।

हुजाज—इसमें सुर ग्रुरु षरज, वादी गांधार, संवादी निषाद, अनुवादी धैवत है । षादु है । जिसके स्वर ये हैं—सा नी ध रे ग म । स्वर ये लगते हैं षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र । वक्त पहर रात पीछे । तासिर खुशी करे ।

गत फ़ीरोजखानी ताल चोताला ।

दाँ रा दाँ र दाँ रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा र दा दाँ द दाँ र दा रा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तोडा—दाँ दाँ दाँ रा दिर दार दार दिर दाँ दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दा
दार दा।

बोल ताल तिताला पुराना मीराबाईका।

रसिक विहारीजी हो म्हारा राज थारी गाली दोनों दे छे म्हाने लोग, अंतरा—विपत विडारण तुम हो गिरधर सुखमें मीत गनो बाह गहेकी लाअज सांवरे आन बन्यो हे जोगे। प्रीत करो तो ओर निवांजो मत हसो जो लोगे। अबके बिछडे कब मीलेंगे नदी नांव संजोग।

बिहाग—इसमें सुर गुरु निषाद, वादी मध्यम, संवादी पंचम, अनुवादी निषाद है। षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—नी ग म प सा ध। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल व कडी दोनों, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र, ऋषभ धैवत सकारीभी लगे। वक्त पहर रात पीछे। तासीर वियोग करे। मलारी, खंभायती व सोरठीसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल फरदोस्त।

दिर दाँ रा दा दाँ रा दा दाँ राँ दाँ रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दा र।

तोडा—दिर दाँ रा दा दाँ राँ दाँ रा दा दाँ रा दाँ दिर दाँ दा रे दा दा रा।

बोल ताल तिताला नया।

नेना तोए वरजु मेरो कह्यो मानअन। अंतरा—रूप सरूप देख ललचाऐ एऐ मत अपनेएं कर जीआन।

बोल दूसरा ताल तिताला।

अबी होओ लालन में इका आंजुन बीत गयेहे तुमारे दरसबिन। अंतरा—काहसे कहूं दुख अपनो री सजनी जोवन जात रेहीकाअ।

बोल तीसरा ताल तिताला ये बोल नथुषाख्यालीयाके हैं।

मोई री आज को दिन नीको ईलगत केसर गोअरी। अंतरा—सोहत खुद मालनीया ऐं ऐंक मीडेत मुखे मरोरे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आधी रातकी राग रागिणी।

संकरा—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी निषाद है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—सा नी ध प म ग रे। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम तीव्र, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त आधी रात पीछे। तासीर वियोगी खुशी करे। कामोद, भोपाली व ईमनसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला।

दां रा दां रा दिर दां दा रा दां दिर दा रा दां रा दां दा र दा दां दिर
५ ३ ५ ६ ८ ८ ११ ८ ११ ८ ७ ६ १४ १३ १२ १३ १४ १४ १३ १४
दिर दिर दां र दार दा। तोडा—दां दा र दा दा रा दां दिर दा दा र दा दा
५ ८ ११ ५ ८ ६ ८ ११ १२ १४ १४ १४ १३ १२ १३ १४ १४ १३ १४
रा दां रा दा रां दिर दां दिर दा रा दां रा दा रा।
११ ११ १४ १४ १३ १४ ११ ११ ८ ८ ११ ८ ७ ६

बोल ताल तिताला पुराना।

तुम बिन मेंहीको कल न परत हे नेके न पैरत मोएंचेनें। अंतरा—जागत जागत रेनें बीतें गई तुने मोरी सुधहु न लीनी आंसु भर आए नेनें।

तिलक कामोद—इसमें सुर गुरु षरज, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—सा रे प म ग नी ध। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत निषाद तीव्र। वक्त आधी रात पीछे। तासीर वियोगी खुशी करे। तिलक व कामोदसे मुरक्कब है।

गत फीरोजखानी ताल तिताला।

दा रा दां दिर दा रा दां र दा दां दिर दां दिर दा रा दिर दिर दा र दा
६ ६ ११ ११ ९ ८ ६/७ ८ ८ ६ ८ ७ ६ ५ ५ २ २ ५ ६ ७
रं दा दा रा धां ड दा रा दां रा। तोडा—दिर दिर दार दार दा दा रा दां रां
५ ६ ७ ९ ११ १२ ११ ९ ८ ६ ९ ९ ११ १२ १४ १४ १४ १५ १३
दिर दां दिर दा रा दां दिर दिर दिर दार दार दा दां दा रा दां रा दा रा।
१२ १२ १४ ११ १३ ११ १३ १४ १५ १३ १४ १२ ११ ९ ८ ७ ८ ० ६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल तिताला नया ।

सावँरीयासे मोरी कंहीयो जाँए । अंतरा—आप तो जाइ द्वारकामें छाएए हमको जोगं पठाए ।

काफी—इसमें सुर गुरु निषाद, वादी मध्यम, संवादी पंचम, अनुवादी गांधार है । सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं—नी सा रे ग म प ध । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ धैवत तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, गांधार निषाद सकारी । वक्त आधी रातका । तासीर उम्मेद खुशी करे । कानडा, बीरसा व मुलतानीसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल आडा चोताला ।

दा दिर दां दा रे दा दा रा दाँ राँ दिर दाँ रा दा दिर दां रा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दिर दाँ रा । तोडा—दा दिर दां रा दां दा र दा दाँ राँ दिर दाँ दा रा दां रा दां दिर दिर दिर दार दार दा दाँ रा ।

बोल ताल तिताला पुराना ।

केसे केसे मोपे रह्योहु न जाँए सावँरीयासे प्रीत करे पछतानी केसी करुं केसी करूं मोरी सजनी प्यारी सुरत समोनी । अंतरा—हेरी मिली नाहीं छाई काही रह्यो बन माही मोरी सखी मोरी सखी दईयोरे बताए तेरो अंखीयों में पानी ।

बागेसरी—इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम, अनुवादी मध्यम है । षाडु है । जिसके सुर ये हैं—सा नी प रे म ग । सुर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार कोमल, मध्यम शुद्ध, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद कोमल । वक्त आधी रातका । तासीर वियोग लिया खुशी करे । धनासरी व कानडासे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल चोताला ।

दाँ दाँ दाँ दा रा दां दिर दिर दिर दार दार दिर दाँ राँ द दां रा दा रा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

तोडा—दाँ रा दाँ रा दाँ राँ दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रें दा दाँ दिर दिर दिर
५ ८ ११ १४ १४ १४ ११ १४ १२ १३ १५ १४ ७ ७ ६ ६ ६ ८ ६
दाँ र दा र दा ।
११ ६ ८ ७ ५

बोल ताल तिताला नया ।

वैरन श्याम तरुन वय जाकी गुवालन संग धेनुं लिये आवेएं । अंतरा—डगर चलत मोरी बहीया गहेलीनी मुंदरी देने कहें मुसकावेए । मैं अकेली कहा करूं सजनी छतीया धरक अंखियो भरी आवेए । पीयन परी परी विनती करी करी जमुना तट जल भरी ले आवेए ।

संदुरीया—इसमें सुर गुरु पंचम, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी मध्यम है । सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं—प म ग सा नी ध रे । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार सकारी, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र, निषाद सकारी । वक्त आधी रातका । तासीर खुशी करे । काफी, दरबारी कानडा व पीलुसे मुरक्कब है ।

गत फीरोजखानी ताल झूमरा ।

दिर दाँ दिर दा रा दाँ रा दिर दाँ रा दा दा दाँ र दार । तोडा—दिर
११ ९ ८ ६ ६ ११ ११ १४ १३ १२ ११ ९ ७ ८ ८ ११
दिर दा र दाँर दा दा रा दाँ दा र दा दाँ र दा र ।
११ १२ १४ १४ १४ १३ १२ १५ १३ १२ १३ ११ ९ ७ ८

बोल ताल तीव्रा होरीका नया ।

आंजो आंजो जी श्याम म्हारे होअरी खेलन मिसें आंजो । अंतरा—सब सखियन मिल फाअगं खेलेंगी अबीरें गुलाल उडाआंजो । चुवा चंदन ओरें अरगजा पीचकारी भरवाआं जो । गुवाले बाले सखा सबही मिलके होअरी में डफ बजा जो । अभिलाषा हे तिहारें मीलनकी वेग ही दरस दिखा जो ।

बेसोरी—इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी ऋषभ, अनुवादी मध्यम है । आदु है । जिसके स्वर ये हैं—सा रे म प ध । स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तीव्र, निषाद तीव्र । वक्त आधी रातका । तासीर खुशी करे ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दों दिर दा रा दों दा रा दा दों रा दा रा दों दार दा । तोडा– दों दा रा
१४ ७ ९ ११ ७ ६ ७ ३ ६ ६ ७ ९ ११ १२ १२ ९ ११ १३
दा दों रा दा रा दों दा रा दिर दों रा दा रा ।
१३ १४ १३ १३ १४ १५ १४ १२ ११ ९ ११ १२ १२

बोल ताल धमाल पुराना ।

फाँग ऋतु आई हो हो होरी कां जो खेलाई । अंतरा–धूम धाम देखो होरी की बीरेहे धुम मचाई ।

धोलसरी–इसमें सुर गुरु निषाद, वादी षरज, संवादी निषाद, अनुवादी गांधार है । सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं–नी सा रे ध म प ग। स्वर ये लगते हैं–षरज मध्यम, पंचम शुद्ध, ऋषभ शुद्ध याने अलीयाके ठाटकी, गांधार धैवत निषाद सकारी भैरवीकी लगे । वक्त फजर सूरजके उगने तक । तासीर खुशी करे । जेतस्री व वेरारीसे सुरक्कब है ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दों दिर दा रा दों दा रा दिर दों दिर दा रा दों दा रा । तोडा–दिर
४ ६ ७ ६ ३ ४ ६ ६ ६ ९ ९ ११ ९ ८ ७ ६ ९
दों दिर दा रा दों दिर दा रा दों दिर दा रा दों दा रा ।
९ ११ १२ १३ १४ १४ १२ ११ ९ ९ ११ ९ ८ ७ ६

बोल ताल चोताला ये बोल हदुषाके हैं ।

शिं र ध र भो अ रे के प ऊ ख ध रे सो च रां आ वे त ग ई या
९ ४ ६ ७ ६ ३ ४ ६ ६ ९ ८ ११ ९/८ ७/६ ६ ६ ४ ६ ६ ७ ८ ८ ९
खां दे कों म रे कों री ।
९/१ १/११ १३/११ ९ ८ ८ ७/६

पिछली रातकी राग रागिणी ।

जेलफ–इसमें सुर गुरु धैवत, वादी धैवत, संवादी पंचम, अनुवादी निषाद है । सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं–ध प ग म नी सा रे । स्वर ये लगते हैं–षरज शुद्ध, ऋषभ सकारी, गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, पंचम

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

शुद्ध, धैवत सकारी, निषाद तीव्र। वक्त पिछली रात। तासीर उमंगकी खुशी पैदा करे। षटरागसे मुरक्कब है।

गत मशीतखानी ताल कोकला।

दिर दाँ रा दाँ दिर दा रा दाँ दा राँ दिर दाँ दा रा। तोडा—दिर दाँ रा
१२ ११ ८ ९ ११ १२ १२ ११ १२ १३ १४ १२ ११ ११ ८ ९ ११
दाँ दा रा दिर दाँ दा राँ दिर दाँ दा रा।
११ १२ १३ १४ १३ १२ ११ १२ १२ ११ ११

बोल ताल झूमरा पुराना।

आँ पिया प्यारे मोरे मंदिरमें तेरे रूपकी धूम परी है नगरमें। अंतरा—रोखुंगी नैननमें औरन न देखन दुंगी मैं जो परी हूं तेरे प्रेमके सागरमें। बिन देखे कलै कैसे परेगी हेरंत हेरंत डगर नगरमें।

षटराग—इसमें सुर ग्रुरु षरज, वादी मध्यम, संवादी पंचम, अनुवादी षरज है। षाडु है। जिसके स्वर ये हैं—सा म ग प ध नी। स्वर ये लगते हैं—षरज शुद्ध, मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत निषाद सकारी। वक्त पिछली रात। तासीर संयोगी खुशी करे। भैरवी, रामकली व सोहनीसे मुरक्कब है।

गत मशीतखानी ताल धमाल।

दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ राँ दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ राँ। तोडा—दाँ रा
६ ६ ९ ९ ८ ९ ८ ९ ११ ११ ११ ९ ११ १२ १४ १४ १६ १
दिर दाँ रा दा दाँ राँ दाँ दा रा दाँ दा रा दाँ राँ।
१४ १३ १२ ११ ९.११ ११ ११ ९ ११ ११ १२ १४ १४

बोल ताल एकताला पुराना।

ऊठो प्यारे भोर भई जंगत कांही नाँई कंवकी मनावंत तोहे प्राण-प्यारी। अंतरा—दृग खोल देखो धूप छीनन लांगी पंछी मिले और चंकवा चंकवी।

भटियार—इसमें सुर ग्रुर निषाद, वादी गांधार, संवादी ऋषभ, अनुवादी मध्यम है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—नी रे ग म ध प सा। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार धैवत सकारी, निषाद मध्यम

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तीव्र । वक्त सुबहका । तासीर खुशी करे । तिलक कामोद, बिभास, लुम, सारंग व आसावरीसे मुरक्कब है ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा-दिर
९ ७ ८ १० ७ ८ ८ ८ १२ ११ १० ८ १० ८ ७ ६ ८
दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा ।
१० १२ १३ १४ १४ १३ १४ १५ १४ १३ ११ १० ८ १०।८। ७।६

बोल ताल ख्यालका ठेका हडुपाका ।

पा स न गै र के ऐ ए लो ग भु रे ऐ रे सो वें ल ब ल जै ई ये ।
९ ७ ८ ८ ८ १०।७।८ ८ १२ ११ ११ १० ८ ७ ७ ८ ८ ११ १० ८ ८ ७।६

अंतरा-ऊे चें ल अं प ने दे सें जुं म ई का भी त वा मो अ रे ।
८ १० १२ १३ १४ १४ १३ १४ १५ १४ १३ ११ ११ ८ ११।१० ८ ८।७ ६

सावंत-इसमें सुर गुरु षरज, वादी षरज, संवादी पंचम, अनुवादी धैवत है । आदु है । जिसके स्वर ये हैं-सा ध नी प म । स्वर ये लगते हैं-षरज शुद्ध, ऋषभ तीव्र, गांधार मध्यम कोमल, पंचम शुद्ध, धैवत तीव्र निषाद कोमल । वक्त तीसरा पहर । केदारा व कामोदसे मुरक्कब है । तासीर आनंद करे ।

गत मशीतखानी ताल तिताला ।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा । तोडा-
६ ३ ४ ६ २ ० २ ६ ३ ४ ६ २ ० ३ २ ६
दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा ।
११ ९ ११ १४ १२ १३ १४ ११ ९ १२ ११ ६ ६ ३ ४ ६

बोल ताल तिताला पुराना ।

कदर पीया आए ने सेजा मोरे । अंतरा-सगरी रेन मोए तरफत बीती इतनेमें हो गई भोर ।

परदीपका-इसमें सुर गुरु पंचम, वादी षरज, संवादी ऋषभ, अनुवादी पंचम है । सम्पूर्ण है । जिसके स्वर ये हैं-प नी सा रे म ग ध । स्वर ये लगते हैं-षरज पंचम शुद्ध, ऋषभ गांधार तीव्र, मध्यम कोमल, धैवत निषाद तीव्र । वक्त शामका । तासीर खुशी करे । खंबायती, बिभास, भोपाली व दीपकसे मुरक्कब है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत मशीतखानी ताल विताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दि र दा रा दां दा रा। तोडा—
२ ५ ६ ७/६ ७/११ ९ ८ ७/६ ६ ६ ६ ५ ६ ३/५ ६ ५ २

दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा।
९ ९ ११ १३ १३ १४ १४ ११ १३ १४ १३ ११ ९ ८ ७/६ ६

बोल ताल धमाल छजुषानगारची दतीयाका।

चे लो री ई हो री खे अ ले स ज न दे नों आ ल। अंतरा—
२ ५ ६/७ ११ ९ ८ ७/६ ६ ७ ८ ६ ५ ५ ६ ५

अं हो भे हो म दी नों आ ल हो री खे ल न खी ला र।
९ ९ ११ १३ १३ १४ ११ १३ १४ १५ १४ १३ ११ ९ ६ ३/५ ६

हेम—इसमें सुर गुरु षरज, वादी पंचम, संवादी गांधार, अनुवादी धैवत है। सम्पूर्ण है। जिसके स्वर ये हैं—सा रे प ग म ध नी। स्वर ये लगते हैं—षरज पंचम शुद्ध, मध्यम कोमल, ऋषभ शुद्ध, गांधार शुद्ध, धैवत शुद्ध, निषाद शुद्ध। वक्त तीसरा पहर। तासिर खुशी करे।

गत मशीतखानी ताल तिताला।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा रां दा रा दिर दां दिर
६ ७ ११ ११ ११ ११ ८ ८ ८ ९ ९ ८ ११ १२ १३ १३ १४ १४ १४

दा रा दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां दा रा। तोडा—दिर दां दिर दा रा
१२ १२ ११ ११ ९ ८ ७ ८ ८ ६ ७ ५ ६ ७ ८ ९ ९ ९

दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा दां दिर दा रा दां
११ ११ १२ १३ १३ १४ १४ १४ १४ १२ १२ ११ १४ १२ १२ ११ ९ ९ ८ ७ ८

दिर दा रा दां दा रा।
८ ६ ७ ७ ५ ६

बोल ताल ख्यालका ठेका हदुषा ख्यालीयेगुवालेयरका।

म ग ज ई ये ए ए हो यां बी द कैं व न सं दे अ अ अ स वीं आ
६ ७ ११ ११ ११ ८ ८ ९ ९ ११ १२ १३ १३ १४ १४ १२ १२ ११ ९ ८ ७ ८

ओं आ ओं आ।
६ ७ ५ ६

मुतफरकात राग रागिणी जो अक्सर रिवाजमें नहीं और बाजे रिवाजमें हैं परंतु जिनका और हाल कुछ मालूम नहीं हुआ जिससे सिर्फ नामही लिखे गये हैं। बाकी राग रागिणी वगैरह सैकडोंही हैं।

कामी १, मदमादवी २, लंकधनु ३, कनेहडी ४, चंद्रका ५, सकरेऐन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६, केदारी ७, मुली ८, नागदी ९, रेवा १०, सेकही ११, कायान १२, नागधुन १३, जेती १४, कालंदरी १५, सरी १६, कुंवहारु १७, कंनजरी १८, जोरटी १९, रिमीरी २०, जेजी २१, असीहर २२, कामलोचन २३, कलहंस २४, दरावरी २५, देवगत २६, सुरत २७, दिलेरी २८, कलहंस २९, गोडमी ३०, बजारी ३१, बरनजी ३२, बनजेई ३३, विकटहंस ३४, सादनी ३५, देवगंध ३६, करनाटी ३७, नंद ३८, कोलाहल ३९, धोल ४०, रोरानी ४१, गमकी ४२, असतरनतीरथा ४३, रगतहंसा ४४, रामा ४५, बरुनकी ४६, धामकी ४७, तरवेनी ४८, भागा ४९, सुदहरा ५०, तिलकी ५१, देवारी ५२, तिरवंकी ५३, गोडकरी ५४, भनाका ५५, तिलंजी ५६, भरत ५७, बेलास ५८, दीपावती ५९, शुभरावती ६०, परीछन ६१, सगतवेला ६२, इलावति ६३, भषारषेद ६४, बेहरदोसत ६५, कनकधुन ६६, रहेसमंगला ६७, मंगलासतग ६८, फरदोसत ६९, हनुवंत ७०, रागेसरी ७१, रतबेला ७२, कलाऐर ७३, ईसनता ७४, गनसारी ७५, धमावली ७६, मगर ७७, मलावती ७८, दिवाली ७९, सुई ८०, मालवा ८१, कनीरदी ८२, थुमरी ८३, वजतीरा ८४, सिरहटी ८५, संकर ८६, असेनथ ८७, करनाट ८८, बुदका ८९, बडहसका ९०, भीली ९१, हरसिंगार ९२, सिरीरुन ९३, नाटकी ९४, सकतपकना ९५, षटतीकट ९६, स्योरती ९७, मदमथनमाधवी ९८, कलाऐरवनि ९९, पतावती १००, कापरगोरी १०१, सुरअष्टक १०२, जंबावती १०३, अंनसी १०४, कंनठा मुदवीन १०५, राजहंस १०६, सरीसमुभा १०७, मकरु १०८, अनुपरूप १०९, संकट ११०, संकरुन १११, रागेसर ११२, बजाया ११३, सपते ११४, करनानट ११५, कुसल ११६, गरवी ११७, पारवाई ११८, मालवी ११९, सबता १२०, हीडोली १२१, इदोली १२२, मेरुई १२३, कुंवावती १२४, पलावली

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२५, लीलावती १२६, किरवी १२७, तुरसी १२८, गोमाकरी सुद १२९, ईसवता १३०, आसावली १३१, कुहनभी १३२, गोरभी १३३, सेरुही १३४, गोर १३५, आसाटक १३६, धनादात १३७, मंगलाअष्टक १३८, कटटंक १३९, ईमनी १४०, परेवी १४१, हुंत १४२, षेमषरज १४३, रामपुरीया १४४, लुम १४५, जुम १४६, बंगालसरी १४७, धुरीया १४८, गाटी १४९, मलरुहुन १५०, मदरसीया १५१।

मुतफरकात राग रागिणीकी गतें रिवाजी राग रागिणी व तालमें लिख दी जावें कि शायकीनको चंदादिकतव मुसकल इनको लिखनेमें नहीं पडे और जलदी याद हो जावे। ये गतें सब नई बनाई गई हैं।

गत भेरुराग ताल तिताला ठाट भेरु।

द द दारॅ दार दा दराड दा रा दाॅ द द दॅ द दा रा दाॅ रा दा रा दाॅ र दा
९ ८ ९ १३ १२ ११९ ९ ८ ७ ८ ९ ८ ७ ६ ८ ७ ६ ६ ३ ३ ५ ५
रा दाॅ र र दाॅ दिर। तोडा—दा रा दॅ द दा रा दाॅ दा र दा दाॅ द र दाॅ दिर
९ ७ ८ ७ ६ ५ ८ ९ १३ १४ १४ १३ १३ १२ १३ १२ १३ १२ १३ १४ १३
दिर दिर दाॅर दार दिर दाॅ राॅ द दाॅ र र दाॅ रा।
१२ ११ ९ ८ ९ ८ ७ ८ ९ ८ ७ ६ ५

गत भैरवी ताल तिताला ठाट भैरवी।

दाॅ दिर दिर दराॅड दा दा रा दाॅ दराड दा दाॅ दराड दा दॅराड दा रा दाॅ
११ ११ १२ १२ ८ ७ ७ ८ ६ ८ ९ ८।७ ८ ७।६ १३ १२ ११
दा र दा दाॅर दार दिर दाॅ दिर दा रा। तोडा—दिॅर दिर दा र दाॅर दा दा
९ ८ ७ ६ ११ १२ ९ ११ ८ ९ ९ ११ १२ १३ १४ १४ १५
रा दाॅ दिर दिर दिर दाॅर दार दा।
१४ १३ १२ १३ ९ ८ ७ ६

गत आसावरी ताल तिताला ठाट भैरवी।

दाॅ र दार दा दाॅ दा रा दाॅ दिर दिर दिर दाॅ दाॅ दाॅ दा रा दाॅ दिर दिर
७ ५ ११ ११ ११ ९ ११ ७ ७ ६ ६ ७ ४ ६ ७ ९ ११ ९ ११
दिर दाॅ र दार दा धाॅड दा रा। तोडा—दाॅ दिर दा दाॅर दा दा रा दाॅ दा रा
११ १२ ११ १२ ११ ९।८ ७ ६ ९ ११ १३ १४ १३ १३ १५ १४ १३ १३
दा दाॅ रा दा रा।
९ ११ ८ ७ ६

गत अलीया ताल तिताला ठाट अलीया।

दाॅ दा रा दा दाॅ रा दा रा दाॅ दा रा दिर दाॅ दिर दिर दिर दाॅर दा र दिर
९ ९ ११ १२ १३ १४ १३ १४ १३ १४ १२ १२ १२ ११ १२ ११ १२ ११ ९ ८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दां रां दिर दांर दा र दिर दां दिर दा रा। तोडा—दां रां दिर दांर दार दि
१२ १२ ११ ९ ८ ७ ६ ५ ६ ७ ८ १६ १६ १५ १३ १२

ड़ दा रा दां दा र दा दां रा दा रा दां दिर दिर दिर दांर दा र दा।
१२ १२ १३ १२ ११ ९ ८ ७ १४ १३ १४ १३ १४ १३ १४ १२ ११ ९ ८

गत सारंग ताल तिताला ठाट काफी।

दां रा दा रा दां दिर दां दिर दां दिर दा रा दां रां दा रां दा रा दां
७ ९ ११ ९ ७ ७ ६ ६ ५ ५ ६ ६ ६ ७ ७ ९ ११ ७

दिर दिर दिर दांर दार द्रा। तोडा—दां रा दा रा दां रां दिर दां दिर दां दि
९ ७ ११ ९ ११ ७ ९ ११ १३ १४ १३ १४ १३ १५ १४ १३ १२

दा रा दांर दा दा रं दा दा रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा।
११ १२ ११ १४ १११३ १४ १५ १४ १५ १४ १३ १४ १२ ११ ९ ७

गत दूसरी ताल व ठाट एजन।

दां रा दा रा दां रा दा रा दां दा रा दा दां रा दा रा दां दा रा दिर दां
११ ११ ९ ९ ७ ७ ७ ७ ६ ५ ६ ० २ ५ ५/७ ६ ६ ५ ६ ७

दिर दा रा दां दिर दा रा दां द रा दिर दां दिर दा रा। तोडा—दां दा रा दा
९ ११ ९ ७ ११ ९ ११ ७ ९ ११ ११ ७ ११ ९ ७ ९ ११ १३ ११

रां दा दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा रा।
१४.१४ १५ १३ १४ १२ ११ ९ ७ ९ ११ ७

गत गौड ताल तिताला ठाट ईमन।

दा रा दां रां द दां र दा रा दांर दार दिर दां दिर दा रा दां दिर दां
९ ८ ८ ७ ८ ६ ७ ५ ६ ७ ८ ९ ११ १२ ११ ९ ८

दां दा रा दां र दार दिर दां दिर। तोडा—दा रा दां दिर दा दा रं दा
६ ७ ५ ६ ७ ८ ८ ९ ११ ९ ११ १२ १४ १३ १४१३ १४

रा दां रां दिर दां।
१४ १२ ११ ९ ११

गत मुलतानी ताल तिताला ठाट भैरवी।

दांर दा दा रं दां दा रा दां रां दा रां दा रा दां दिर दिर दिर दांर दा
५ ६ ६ ९ ११ ११ ८ ११ ८ ७ ५ ६ ८ ९ ७ ६ ८

दिर दां दिर दा रा दां दा र दा। तोडा—दां दा र दा दां रा दा रा दां दि
५ ३ २ ० २ ५ ५ ९ ११ १३ १४ १४ १५ १४ १३ १२

दिर दिर दां र दार दा।
८ ९ ११ ८ ७ ६

गत मियाकी मलार ताल तिताला ठाट काफी।

दिर दां दिर दा रा दां दां रा दां दां रां दां रा दां दा रा दिर दां दिर
३ ३ २ ० ३ ३ ५ ५ ३ ५ ६ ६ ६ ६ ५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रा दाँ दिर दारा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा–दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दा दाँ रा दा दिर दाँ दा रा।

गत झींझोटी ताल तिताला ठाट यमन।

दाँ दिर दा दा रं दा दारा दाँ राँ दिर दाँ रा दा रा दाँरा दारा दारा दारा दाँ दिर दिर दिर दाँ र दार दा भ्रांड दा रा। तोडा–दिरं दिर दा दा रं दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा।

गत यमन ताल तिताला ठाट यमन।

भ्रांड दा भ्रांड दा दा रा दाँ राँ द दाँ दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दिर भ्रां ड दा र दाँ रा दा रा। तोडा–भ्रांड भ्राड दिर भ्रांड दा रा दाँ राँ दिर दाँ दिर दा रा।

गत दूसरी यमन ताल तिताला।

दिरदाँदिरदारा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दा रा दिर दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा। तोडा–दिर दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा रा।

गत तीसरी यमन ताल तिताला।

दिर दाँ दिर दा रा धी धी किट धी धी किट रे गं प म तं द र दा नी नीं ग रे सा भ्रांड दा रा धाँ किट किट तिक दाँर दार। तोडा–दिर दाँ दिर दा रा धाँ किट तिक धुम निं ध प म तो मं ता ज़ुम।

गत कल्याण ताल तिताला ठाट यमन।

द दाँ दा रा दाँ दिर दिर दिरं दाँ र दार दा दाँ दिरं दिर दा र दाँर दा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दा रा दां दिर दा रा दां रां। तोडा—द दांर दार दा आंड दा रा दां र दार
दा दां।

गत पीलु ताल तिताला ठाट पीलु।

दां रा दा दा रां दा दा रा दां दा रां दां द दां दा रा दां रा दा रा दां दिर
दिर दिर दां र दार दा। तोडा—दां दिर दा दांर दा दा रा दां दा रा दा दां
रा दा रा।

गत खमाएच ताल तिताला ठाट खमाएच।

दां रां दिर दां दा रा दां द दां दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां रा दा
दा दां रा दा रा। तोडा—दिरं दिर दा दा रं दा दा रा दां दिर दिर दिर दां र
दार दा।

गत दूसरी खमाएच ताल तिताला।

दां रां दा रां दा रा दां रां दिर दां दिर दा रा दां द दां दा रा दां दिर दि
दिर दांर दार दा। तोडा—दां दिर दा दा रां दा दा रा दां दिर दिर दिर दां
दार दा।

गत देश ताल तिताला ठाट देश।

दिर दां दिर दा रा दां दा रा दा दां रा दा रा दां दा रा दिर दां दिर दा
रा दां दा रा दा दां रा दा रा दां दा रा। तोडा—दिरं दिर दार दांर दा दा
रा दां दिर दिर दिर दां र दार दा।

गत दूसरी ताल तिताला।

दां दा दां दा रा दां दिर दिर दिर दांर दार दिर दांर दार दिर दांर दार
दा दिरं दिर दा दिर दिरं दा दिर दिर दांर दार दिर दां दिर दा रा दां दिर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दा रा दां रा दा रा। तोडा—दीं रा दा दा रां दा दा रा दीं दा रां दीं दा
८ ५ ६ ५ ६ ९ ११ १२ १३ १२ १३ १४ १५ १२ १४ १५ १३ १४ १३

रा दीं दिर दिर दिर दांर दार दिर ध्रांड दा रा दां रा दा रा।
१४ १३ १४ १२ १२ १४ १३ १४ १२ ११ ९ ११ ९ ८ ७

गत खमाएच ताल तिताला ठाट खमाएच।

दा दारं दा रा तोंनोमता नोमें नी सा गं म पप दां दिर दा रा तेंदर दानी
९ १२ ११ ९ ८ ६ ५ ६ ८ ९ ११ १२ ९ ८ ८ ६ ८

में म प ध दीं र दार। तोडा—दां दा र दा धीं किट तिक धुम रे सा नी
९ ९ ११ १२ १३ १२ ९ ८ ९ ११ १२ १३ १४ १३ १४ १५ १४ १३

ध तेंदर दा नी किंट तिका गदी गिन ध्रांड दा रा तां नो म तो भें ता नोम।
१२ १४ १३ १४ १३ १३ १२ ११ ९ १४ १३ १२ ११ १४ १३ १२ ११ ९ ८

गत भोपाली ताल तिताला ठाट यमन।

दा रा दां रां दा रां दिर दिर दांर दार दिर दीं द क्षं दा रा दीं दिर दिर
८ ७ ६ ३ ३ ६ ६ ६ ७ ८ ११ ८ ११ ८ ११ १२ ११ १२ ११

दिर दांर दार दा ध्रांड। तोडा—दिर दिर दां दिर दा दा रं दा दा रा दां रां
९ ११ ८ ७ ८ ११ ७ ९ ११ १२ १४ १२ ११ १२ १४ १५ १५ १४

दिर दीं दा रा दां दार दा दीं दिर दिर दिर दांर दार दा ध्रांड।
७ १६ १५ १४ १२ १४ १२ ११ १२ १५ १४ १२ ११ ८ ११

गत संकरा ताल तिताला ठाट यमन।

दीं दा रा दा दां रा दा रा दीं दा दा दिर दां दिर दा रा दीं दिर दा
१४।१३ १२ १३ १४।१३ ११ १०।८ ११।१० ८।६ ६ ५ ६ ७ २ २ २ २ २ २ ६

रा दां दिर दा रा दीं दा रा दिर दां दिर दा रा। तोडा—दीं दा रा दिर
६ ५ ५ ६ ८ ८ ८ ८ ११।८ ८ ११ ८।७ ६ ८ ८ ११ १२ ११

दां दिर दा रा दीं दा रा दि र दां दिर दा रा।
१२।१४ १४ १३ १६ १६।११ १३ १२ १४।११ १४।११ ८ ८।११ ८।७ ६

गत नई रागिणी जिलाके तोरपे ताल चोताला ठाट अलीया।

दिरं दिर दा दा रं दा दां रा दीं रां दा दां रा दा रा दांरा दां रा दीं दिर
८ ८ ७ ८ ६ ७ ५ ६ ७ ११ ९ ८ ७।८ ८।७ ६।७ ५ ६ ५ ६ ७ ९

दा रा दां दिर दा रा दां दिर दिरं दिर दांर दार दा। तोडा—दिरं दिर दा रा
६ ७ १२ ९ ११ ९ १२ ९ १२ ९ ११ ७।८ ७ ६ ७ ८ १४

दां दांर दा दीं दिर दिर दिर दांर दार दा दां रा दां र ध्रांड दा रा।
१५ १३ १४ १५ ११ ९ ८ ७।८ ८।७ ६ १४ ११ ९ ८ ७।८ ८।७ ६

गत काफी ताल तिताला ठाट काफी।

दां दरा दारा दीं रां दिर दां दरा दारा दांर दार दिर ध्रांड ध्राड दिर ध्रांड
११ १४ १२ १२ ११ ९ ८ ११ ९ ५ ६ ६ ७ ८ ९ ११

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दा रा दाँ ध्राड दा दाँ दिर दा रा। तोडा–दाँ रा दा रा दाँ दर दा रा दा ध्राड दिर दाँ दि र दारा।

गत दूसरी काफी ताल तिताला।

दिर दाँर दा र दिर दाँ दा दाँ रा दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दा र दा दाँ दाँ दिर दिर दाँर दार। तोडा–दिर दाँ दिर दा रा दाँ राँ दिर दाँ ध्राड दिर दाँ र दार।

गत काफी ताल तिताला ठाट काफी।

दा रा दाँ दिर दा दा रें दा दा रा दाँ दा रा दाँ दिर दा रा दाँ दिर दि दिर दाँर दार दा ध्राँड दा रा दाँ रा। तोडा–दिरँ दिर दार दाँर दा दा रा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ र दा र दा दाँ र दा र दा दाँ दार दा दाँ दिर दिर दिर दाँर दार दा दाँ दि र दा रा। फिर खालीमें मिले अगर गत शुरूमें मिले तो ' दाँ दिर ' कहके मिल जावे, या ' दा रा ' आधा टुकडा कह फिर गत शुरूमें मिले।

गत सोहनी ताल तिताला ठाट कालींगडा।

दा दाँर दार दिर दारं दार दिर ध्राँड दा रा दाँ र दार। तोडा–दाँ रा रा दा राँ रा दा रा दाँ रा दा रा दाँ दिर दा रा।

गत सींदगोइ फीरोजखानी ताल तिताला ठाट काफी वक्त पहर दिन चढे।

दाँ र दा दा रें दा दिर दिर दाँ र दिर दा दाँ र दार दा। तोडा–दाँर दा दाँ दार दा दाँ रा दा दा राँ रा दिर दिर।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुतफरूकात राग रागिणीके बोल मुतफरूकात तालोंमें ध्रुपद, ठुमरी, टप्पा, तराणा, होरी वगैरह महाश्रीदरबार महाराणाजी श्रीसज्जनसिंहजीके बनाये हैं।

बोल कालिंगडा ताल तिताला।

मोहन रैन गई सँगरी। अंतरा—मोतनिहार शीतल भयो प्यारे मानीक जगमगरी। शीतल मंद समीर चलन है बोलत जषषगरी॥ जरत भागराग-जुत मधुपन अवली भगझगरी। रसिक सनेहि भमर रसीला जडीया चग-चगरी॥ सोरठा—चटकन ध्वनि चह कान, कान परत चहु कोदमें। बाढन लगा बिहान, रेन जान लागी रसिक॥ मोती ओस अमंद, मंद भये उडुगन गगन। कमलनको सुखकंद, मंद चंद लागो करन॥ भोर भीर गुंजार, कंज विकसि कुमुदनि सकुच। शीतल मोतिन हार, प्रातःकाल आगम प्रगट॥ अब लागी चहुं ओर, विकसन कली गुलाबकी। सो चटकनको सोर, भान करतु हे भानको॥ मोहन रे०॥

बोल भैरवी ताल तिताला।

शंकर छबी छाँए रही मेनमें। अंतरा—भूषन व्याल खाल गज अंबर भस्म लगी तनमें। माल कपाल भाल चष सोहत तडिता ज्यों घनमें॥ उमासंग अरधंग गंगजुत भूतनके गनमें। सब व्यापक अव्यापक शोभित ज्यों पंकज वनमें॥ कंठ नील अरु शील अमंगल दे मंगल छनमें। जग बीस तार पार संहार तसी सृज्यो खेलनमें॥ कालकालकी लत अब हारी नेत्रविभी-लनमें। सजनरा नभींन भासत ज्यों उदधि तरंगनमें॥

बोल गोड मलार ताल तिताला।

आयो साँवणं देह नसाँवणनुं। अंतरा—देह नसावण मन मुरजावण हीयेमें आग लगावणनु। दोडे जगनु तेज दिखावण चित चीन गींच मटावणनु॥ कोल नीबावण बाण कंथरी ज्यों निरमुल गमावणनु। ममद्र गजावण लाभन पावण हीये पछतावण आवणनु॥ जल वरसावण चातक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गावण दामण आवण जावणनु । मोरा सोर मचावण धावण दादुर बोल झरावणनु ॥ धुषा धावण घन गरजावण जीलीमण जणकावणनु । रसिक सनेही तन तरसावण श्रावण ओधन पावणनु ॥

बोल मलार ताल तिताला ।

आयो सांवण रंग बरसावणनु । अंतरा—रंग बगमावण तन सुख पावण गलबाही करगावणनु । परवत छावण आभा आवण मोर सोर मचावणनु ॥ भुमी हरी चहुं ओर दिखावण लता व्रछ लपटावणनु । चित ललचावण बीरेह नीसावण पीये पंथी घर आवणनु ॥ धुषा धावण नद ऊपटावण जगनु जोर जणावणनु । हित दरसावण पीये रीजावण घुम घटा गरजावणनु ॥ ओ अभीसार अछेहने हरो दामण दीप दिखावणनु । रसिक सनेही प्रेम वधावण प्याला पीवण पावणनु ॥ आयो सा० ॥

बोल दूसरा मलार ताल तिताला ।

लैरजत हे घन गरजत बरसत । अंतरा—सब ऋतु सबही ठोर सुखदायक दंपतिके हिनको जर सरसत । जो बर नार मलार ऊचारत सु सुण सोर मोर चित तरसत ॥ प्यारी चष समता हीत पुनि पुनि दामिनी दुरत मुरत फिर दरसत । रसिक सनेही ऊंची अटापर पीये अनुराग हीये हरसत ॥

बोल माड ताल तिताला ।

छलैती देस्या छाक मारु डाने दारु डारी है । अंतरा—राग सु प्यारा रीजणो लेवण सुख रोलाह । प्रीत छपीकर वे प्रगटवा दुवारावाह ॥ पिताही ऊजले प्रगट आनंद हीये अथाह । नेह वढावण हार नीत वाह दुवारा वाह ॥ माझे इमान मिटावण राखण हीतचितराह । भमर छेल मन भामण वाह दुवारा वाह ॥ करण गुलाला कोएणा आसव छाक अथाह । सरवन सारा सेहरावाह दुवारा वाह ॥ केफसु प्यारा कोएणा चीत अपारा वाह । मादक सवरा मुकटमण वाह दुवारावाह ॥ जिणरा गुण रोधनजीकर कवि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऊपर कंथ । सो दारु लीजे सरस प्रीत निबावण पंथ ॥ रहु सुरंगी रेण मे केही वडारो हार । कर हीत पाऊ कंथने मदरी साची हद मनुहार ॥ हद मनुहार । हद छलती पाइ हरष आ सब छाक अछेह ॥ रसिक सनेही राजने निपट बधावण नेह ।

बोल दूसरा माढ ताल तिताला ।

भर भर साँईना सुजाँणा मारु ने दारु देस्या हिरस । अंतरा—लाली भरी प्यालोएण रुस अपार हीये राख । पारयु हितकर पीवने छकीया ऊपर छाक ॥ राखु हित कर रेण मे चुप अनूप चडाए । करव गलवाही कंथने छाका अछक छकाए ॥ सजन सनेही साथ मे चितधर चाह । अछेक दारु दे बाढु दुगुण नाह तणे हित नेह ॥ पीधा सुख ऊपजे प्रगट सो मंद छाक सुजाण । कंथ ली राजो हेत कर प्यारी अरज पीछाण ॥ भर प्याला दारु भलो मारु जलसमीत । लीजे हितरीह लग चाह बछावण चीत ॥ लीजे प्यालो प्रीतको बालम व्है गलबाह । रंगरसीया इण रेणमें छावण धणहित छाह ॥ नेहु बढावण हार नित चित बढावण चोज । आसव छाक अरोग जे मारु मन धरमोज ॥ राजंदमदमनुह्वार रोहदसने हरे हात । रसिक सनेही ले रसिक रंगकी माजल रात ॥

बोल तीसरा माढ ताल तिताला ।

चंगा मारु चालो नीरखमणनु चंपले रीछाँह । अंतरा—छलती छाकाम दहद पीस्या कर लेस्या गलबाह । राजंद सेहल बागकी रुली देखण मन-माह ॥ सुण राग सोरठरो सुखदाइ चितचाही छे वाह । रसिक सनेही सुरता रसिला नेणा रस भरियाह ॥ दोहा—चंपकली सुषमा रुचिर, अलि अरु सीत आहि । भरी नेह भामण भली, चली अली चितचाहि ॥ चंपक-वरणी धणचतुर, चंपकछाह मझार । ठाडा चंपक बाहते, गहिके चंपक डार ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुतफरुकात राग रागिणी मुतफरुकात तालोंमें बोल नये

बोल मलार ताल खम्सा ।

जुंअले हीहोअअरे नंअंदकुमारे अर पीयाँ । अंतरा—ऊंमड घुमं घन गरजेए वरसेए मेहाँ दाँअदुर मोंओअर पंपईया बोअले दईयाँ । क ओएल कर रही सोओराअ रीईई मईयाँ ।

बोल दूसरा मलार ध्रुपद चोताला ।

सांअवन आंए गंन गो ओअर कांले पीछे बांअदर बंरसत मेहंआ च्यांरुओरे । अंतरा—गंरज असुंअनके पंछीअ आंएएए संब गंर दोअ सांवरेको कुंबजांअ रंआख लीयो हेएए चीतकोअं चोओअर । दैया अब तोअं आंजाअअ सांवरेए मो रीईओअंअर ।

बोल मलार ध्रुपद चोताला ।

आंयोरी ई पावसं सगंन घंन मेंहा वरंसे । अंतरा—नंये नंये बं श्यांअम घंटा बंगपऊत दरसे । दुंलहंन रांधेज्युके अंगपे सुंरखं चुंदंरीया सरसे चंलोरीई आंअली देअंवे चंरणंकमंल निज परंसे ।

बोल मलार ध्रुपद चोताला ।

आंअई घंटा घंन घोरं अंबंर सेए मेअंहाअ पंपईया पींपीपी क पुंकार । अंतरा—दांदुर सोरं भोअंरा बोअले जीयां जरे अंगांर । कुंव वां कुंवरी जोबंन कंर संईईगांअर । श्यांमअमरी जांयो निंसदिन कं अपनी बांहार ।

बोल मलार ताल खम्सा ।

मोअंराअ बोंओअले कोएंलीया कंर रही सोरां । अंतरा—निसं अं यांरी कारी बिंजरी चंमके गरजें । मेहां तुम बिन श्याअम तंरफ कंएंसे रंहीऊ आंअओ विंनंती सुनकें ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल मलार ताल तिताला।

बैरे केस्या जाऊं बिजरी डरंवे चमक चमक मोरे घर आवे। अंतरा—निसं अंधियारी कारी मेहा बरसे कोएल पपईया बोल सुनावे। निसदिन जीयां डरत अकेली सुनि सेजां मंदन सतावे। दादुर बोले बानजु लागे उन बीन मोरी जीयां अकुलावे।

बोल गोड ताल सुलफाख्ता।

झूले झूलेजीई बंजराअजे ही झोओअरे झुंकले। अंतरा—मेअहा वरसे जीइगरजेननेननन बोओअले। बिजुरी चमके मो ओअरा नाचते जमुना कुऊअले। चंचल चपली छेहअल सेव देखत ही फुऊअले।

बोल गोड ताल जपताला।

घंटा कोअरी आयो मेअहा बुंदा बरसे छुटे नेहआ। अंतरा—रेहु आली मैं केसे जाअऊ अंब का बिद केसे करे हा वैरी मनोज चायो सनेहा।

ठुमरी गोडकी ताल तिताला।

पपईया बोअले पीपी पी पी बरसे मेहा सावनकी रतीया। अंतरा—मोरा कूके कोएल सोरा निसं अंधियारी आली धरके छतीया। ब्रेहे सतावे जीया अकुलावे ऊन बिन नाहीं सुहावे बतीया। आवन कहे गये आये नाहीं केसे भेजु मोरी पतीया।

बोल गोड ताल ध्रुपद आडा चोताला।

ऋतु पावस आअइई मोओअरा सोअरे बुअदे वरसेअ श्यांम वीना मोरी सखी कहो कैअएसे रअईये। अंतरा—बदरा डरावे बिजरीई चंमकेअ केसे पपईया दाअदुरकी सइये। मदन सतावे अकेली आली रीई विरहाका दुःख कीसअसे कहीइये। ताअहुं अपर श्यांम नहीं आअएएं अरी ई सखी कैहाअ करीइये।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल गोड मलार ताल फरोदस्त ।

लँगाअके प्रीतडी बोलम कँहा गँये मेहां वँरसे । अंतरा—बिजँरी चंमके घँरके जीया तुँम बिनाँ तँरसेए । निसँ अंधियारी काअरी घँटा दौंअमके दँरसेअ ।

बोल गोड मलार ताल तिताला ।

प्रांणँ पीयँसे कहीयो संदेसाँ नँनी नन्नी बुंदिया वंरसेमेहाँ । अंतरा—आँवन कहेँ गये अंजुहु न आँएँ एऐँ बिसुरँ गये मोअरा नेहाँ ।

बोल देस ताल तिताला ।

आजो आजोजी मारुं मारे देअँसअ । अंतरा—थाह विनाँ माहने विरह सताअँवे कोंई छाएँरयाअ पर अदेअअसँअ ।

बोल देस ताल तिताला ।

सईयाँ मोरी नीं दीया गमाँवो मैं पईयाँ परुंऊ साअँस ननँद मोरी जीअगे । अंतरा—कवंकी मैं विनँती करुंहु छुऊ ईतँनी अरंज मोरी मानो मोए डर लाँअगे ।

बोल देस ताल टप्पेका ठेका ।

मँईया वेएँ टेअँडी अँखियां रंसीलीँईई याँअर वेएँ । अंतरा—ईसँ कर्दाँ फंदा फँसदा इजान्दा टेअँडी नेजँरदाँ वारवेएँए ।

बोल देस ताल तिताला ठेका अदा ।

शीईत ऋऊतु आअई कँहायो श्यामसेएँ संदेअसा । अंतरा—शीईत पँरेए हीयाँ कंपे श्याम बिना मोएँ होत अंदेसा ।

बोल देश ताल दादरा ।

आँअ सईयाअ मोअँरेएं जाने नेअ दंईहु । अंतरा—रेअँन दीशं नार्यो रीई तोरी बतीईयां सुहावे गैरेएली षटकेअ रहीऊ ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

होरी देस ताल कोकला ।

अहोरी होरी होय रही हे तु क्युं नां चोले नीर । अंतरा–अबीर गुलाल लाल भये ये बादर पीचकारनकी मार । भीजे गई सब सारकी चुनरीयां अंगीया व्हे गई तार । नंद नंदजु को पकर लीया हे सखी मिल गावे गार । गुवालबाल सब कूदत नाचत हाथन दे दे तार । वेठिलके प्रभु तुमारे दरस बिन ओर कछुं नहीं सार ।

होरी देस ताल तिताला ।

आजोजी श्याम मारे होरी खेलन मिस आजो । अंतरा–सब सखी-यन मिल फाग खेलेगी अबीर गुलाल ऊडाजो । चुवा चंदन ओर अरगजा पिचकारी भरवाअजो । गुवालबाल सखी सब मीलके होरामें डफ वजोजो । अभीलाषा हे तीहारे मीलनकी वेगही दरस दिखाजो ।

बोल वसंत ताल तिताला ।

आई बसंत श्याम घर नाहिं काहा केहु आलीसे काहे ये । अंतरा–अंबुवा गलास सबी फुलाने मनोजके बान काहांतक सहीये ।

बोल वसंत ताल तिताला ।

श्याम नहीं घर आज सखी मदमाते मोरा कुंकेएँ । अंतरा–कोएल मोर पपईया दौदुर बेहे बान तन फुंकेए ।

बोल बसंत बाहार मालकोस ताल तिताला ।

गाओरी बहार बसंत आई ऋतुमें । अंतरा–सरसु पलास अंबुवा फुलाने कोएल मोरा बोले बनमें । ईईया विदेस से आए सखीरी ऊमंग भई हे मोरा मनमें । मे मोरा पिया संग लीपट रहुंगी सखी मिल गावो वेदा वादनमें ।

बोल वसंत ताल चोताला ।

वेछलता फूली सरसु पपइया बोले मोरी । अंतरा–देसु फुली अंबुवाकी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0: In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

डार कोएल सोरी सुभाग सखी तीहारो विदेससे आए पीया तोरा बाहार आई वसंत अजुहुं न आए पीया मोरा ।

बोल वसंत बाहार ताल तिताला ।

सरसु फुली आई बाहार कोएलीया बो ले अंबुवाकी डार । अंतरा–अंबुवा पलास सबी ब्रछ फुले मदन सतावे बारही बार ।

बोल पिलु ताल तिताला ।

जाओ जीओ श्याम वांही कुबरीके । अंतरा–रात गये सो भोरही आए ऐ अब क्यों कहो मोअ दुबरी सए ।

टप्पा भैरवीका ताल टप्पेका ।

दिलोदा भेद महोलाई जानेए वेएएएएए मीईईयाअ । अंतरा–दिलदी लगी दिल ही जाने ह्वो लाईईई पार लगान्दा वेएएए मीईयाअ ।

बोल ध्रुपद षटराग ।

जय जय जालीया धन्य श्रीकालका देवे तुव पालिका बालिका असुर हांअनी । अंतरा–जगतकी करनी तुं सकल जनभ्ररनी तु वेदहुं बखानी । आदी सरवज्ञ तुं ज्ञानपथ विज्ञान तु योग जपयज्ञ तु दासनकी माय महारानी विनय सुन मोरी तुं कृपा कर देहुं मोई अभय वरदानी ।

बोल पूरवी ताल तिताला ।

आ पिया प्यारे मो रे मंदिरमें । अंतरा–हेरत हेरत निकसी वनमें कोई नहीं पायी तु डीगर नगरमें । जो अब तु वेगही आवे वादु बधाइ घर घरमें ।

बोल मुलतानी ताल तिताला ।

आई वसंत वसंतकी बाहार कोएलीया बोली अंबुवाकी डार । अंतरा–नये नये फूल नई वेलरीया जा पर भंवरा करत गुजार । नई रे नार वा को नयो रे जोबन वा नई ऋतु नये द्रुम करत सिंगार । श्याम विनी विव मदन सतावे ऊनपे पतीया पठाओरी नार ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल बीरवारा ताल तिताला।

सांवरेने मोपे जादु कीनो। पलटा—जादु कीनो टोनो कीनो। अंतरा—बंसी बजाई मेरे मन भाई योहीमें कछु पढ फुंक दीनो।

बोल जंगला ताल तिताला।

प्यारे मोरे सईया जाने न देऊंगी। अंतरा—जो तुं जाना चाहेगा मेने दुंगी जान तेरो पलो पकर मैं राहुंगी।

टप्पेका बोल ताल टप्पेका ठेका।

जाहिन वे दीलोंमें अ टंडी अंदा चुंबे दाविऐं मीईयाँ। अंतरा—मेनुं अं देसा वेऐं मोऐंडे यारदा अवे म्होला करे तु जीन्दा रेहे वेऐं यार वे।

टप्पा दूसरा।

रेनं काहीं गवाई यार मांडे मेनुं बुरा लगंदा। अंतरा—मेनुं अच्छा नहीं किसी दीनाँ लजांईदा फसदा।

टप्पा ताल टप्पेका ठेका।

ऐऐं वेऐं यार वेऐं मेनुं सुना दे टप्पेकी तान वेऐऐऐ मियाँ वो। अंतरा—तुंड सारी मसतवेऐं ऐए मेनुंगरे लगो लेऐं यार वेऐं ऐऐं।

बोल सारंग ताल तिताला।

धूप परत आली जीया अकुलाए पसेव तनमें आयाही जाऐ। अंतरा—बेछ लता सब वनमें सुकानेए निस दिन ऊन विन विरह सतीए। लुहा चले अरु आंधी आवे मोरी सखी यो दुख हीये न माए। बालम विदेस आए नाही आली री सुरतियाँ कुमलाए।

बोल श्रीराग ताल तिताला।

एक ठगीरो लरका कोहुकी नित दधी चोरन आअवेऐं। अंतरा—मटक मटक भोहे मटकावे चितवन तरिछी चलावेऐं। बाह गहे चुरीयाँ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

करकांवे दंधी भाजंन ढ़रकांअवेऐं । ऐसो ढंटेनटखट सखी री दंधि खावे मुंसकोंअवेऐं ।

बोल जींजोटी ताल तिताला।

मेरो तन देख्यो प्यारे यंमुनाकी तीरे । अंतरा—मैं घट जंमुना नांहन गै ईई रीई ले गयो वसंन ओरु चीरे ।

टप्पा जींजोटीका ।

मीयों वेऐं नेडुं रेखदी कैसम जेरा अॉ जा यांर । अंतरा—आन्दीं निजान्दा मेंन लेजान्दा सेर सांर मेंतवांलेए ।

होरी जींजोटीकी ताल तीव्रा ।

तंट यंमुनापे छेले खडो मेरो पंनिघंट अंटके री । अंतरा—अंटपट वो ले गहेकरे वंईया दांनेके मीस झंटकेरी । झंटपंट दो रे घूंघंट खोले तिरछी भोंऐं मेटके री । अंबीरे गुंलाल मले मुख ऊंपर अंचरां झटके संटके री । मांधूरी मुरत सोहेनी सुरत हेंये में खंटकेरी ईरी ।

होरी मुतफरुकात रागरागिणी मुतफरुकात तालोंमें।

होरी राग भेरुकी ताल फरदोस्त।

कालंदरी पे छेले खडो संखी निरखंन चालो री। अंतरा—घंट जमुनां जल भरन मिस आली देखे कोंहुंकोंबालो री । झंटपट निकंसी अपने भवनसे कर शृंगांर चालो री । पीत वेस्त्र पीतांबर सोहे नंअंदमेहरको लालो री । लंलिता संखी शरने तिहारे प्रांणपीयांसे बोलो री।

होरी मालकोस रागकी ताल तीव्रा ।

होरीरी आजं देखन चौलो संकेरगोरोंने फांग रंचीरी । अंतरा—कुंमकुंमा चंदन ओरे अरंगजा पिचकारनेकी मां रे जेची री । अंबीरे गुलालके बांदर छोए केसरे कंसुमकी कीचं मेची री । भेरी झेरु बांजे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बजे उरवसी रंभा नाचे नचीं री । सुरमुनिगन मिल पुष्प वरसावे चंवदहीं लोकमें धूम मची री ।

होरी मालकोसरागकी ताल आडा चोताला ।

बोले कोएलीया अंबुवापे आई वसंते सावरे होरी ईचीई । अंतरा—अंवीरे गुलालसे लाल भई झुकमी केसरे चंदन कछु ना बची । ब्रजवनिता गोरीई गाअवे डफ वजनेकी धूम मची । वलीहारीई यो छब ऊपर चरणन श्यामकी आस जचीइ ।

होरी भैरवीकी ताल तिताला ।

होरीको साज लीवीके खेलोरी निकस्यो खेलन होरी । अंतरा—ब्रज वनिताको घरसे बुलाके अंबीर गुलाल मेलोरी । हो गर बईयां वाने अंगिया मसक दीनी बाए पकरे जकजोरी । बरजोरी सब रंगमें भीजोई कर ठगठीरी आली आप हसोरी । ब्रजवासिन सब तिहारे शरन है यो सुख गिरिधर अटल रहोरी ।

होरी ललितकी ताल तिताला ।

आई वसंत फाग ऋतु आई मनमें है ऐसी होरी रचाऊं । अंतरा—रंगी पतंग चुवा अरगजा केसर कसुंबको साथ लीवाऊं । ब्रजमोहनको संगमें लेएके पिचकारीनकी मार मचाऊं । ब्रजवासीनको रंगमें भीजोके ब्रजनारनको निरंत कराऊं । ब्रजमंडलमें धूम मचाके अबीर गुलालके वादल छोऊं । सूरदास प्रभो तिहारे शरन हो अभिलाषा वांछित मन पाऊं ।

होरी टोडीकी ताल सुलफाखता ।

अरे होरे कन्हैयो कैसी होरी खेले । अंतरा—अबीरे गुलाल आंखिनमें डोरी पिचकारी जिनदे ले । द्योरानी जेठानी मोरी सास हठीली ननदीई मोरा छेल । सगरी रेन यो युंही बीते जो रस चाहे ले ले । हो ब्रजराज दयाके सिंधु कोहुपे बात न फेले ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

होरी अलीयाकी ताल सवारी।

बीरसानेमें होरी होय रही है खेले राधा कन्हैया। अंतरा—अबीर गुलाल मले मुख ऊपरी बाए पकरके गर बईया। केसर चंदन चुवा अरगजा पिचकारी मारे तक दईया। ब्रजवनिता मिल गारी गावे ललता सखी नाचे तांथईया। ये छबी सुन मेरा जीये ललचाए देखन जाऊं री एं मईया।

होरी सारंगकी ताल अदा।

फाग री भाई नंदम्हेरे घर राधा कौनर खेल रह्यौ। अंतरा—अबीर गुलाल ब्रज सब छाई चंदन अरगजा फेल रह्यौ। ब्रजवनिता सब होरी गावे पिचकारी मिले जेलरह्यौ। पुरुषोत्तम पादरज प्रभोके भवके पाप सब गेलेरह्यौ।

होरी गोडसारंगकी ताल ब्रह्म।

सांवरो किरीटमुकुटवारो मथुरा घाट मेरो पनिघट अटक्यो री। अंतरा—कुमकुमा चंदन चुवा अरगजा केसर छिटक्योरीई। होरीखेलाए श्याम मुख मल अंगीयां मसकी बईयां। मरोरी कर बरजोरी रसवश करके सक्योरी। नंदनंदन ब्रजराज सांवरो जियमें खटक्योरीई।

होरी धनासरीकी ताल चोताला।

को खेले तोसे हो रीरे निर्लज गारी गावे। अंतरा—पिचकारी तक मारे रे अंगीयां मसकावे। बईया मरो रे नटखट संग लोगो ई आवे। मैं ना खेलूंहोरी रे केसो ढीट कहावे। श्रीविठ्ठलप्रभु तिहारे दरश बिन जिया घबरावे।

होरी मुलतानीकी ताल रूपक।

दईयारी आज हो री खेलनको जाऊंगी। अंतरा—सखी लाइ संदेसो मोहनको री अबीर गुलाल उडाऊंगी। मोहनसे गरबईयां होके मानिनी-को मान गमाऊंगी। चुवा चंदन और अरगजा केसर कसुंबकी फाग खेलाऊंगी। मैं चेरी ब्रजनंद तिहारी दरसन वेग ही पाऊंगी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

होरी यमनकी ताल तीव्रा।

सांवरा हा ढुंवाई बाबा नंदजुंकी पिचकारी जिन मार। अंतरा—मैं जमुनां जल भरने जातहूं छोटी ननंदी है मोरी लार। व्योरानी जेठांनी मोरी सासे लेरगी अंवीरे गुलालने डारे। हांहां खांत तोरे पंईयां भरत हुंऊ विनंती मोरी कृष्णं मुरार।

होरी छायाकी ताल झूमरा।

कर श्रृंगारे अपने भवनसे खेलन निकसी नवेल किशोरी। अंतरा—उंतसे आए नंदलालजूआ पुसमें सखी फाग मचोरी। केसरकी चवा भर लावे रपट रपटे पडती गोरी। अंवीर गुलाल सब व्रजमें छाई केसर कसुंवको कीचे मचोरी। यां छवकी वलिहारी प्रभो तिहारे चरनमें जीया लगोरी।

होरी जेजेवंतीकी ताल चोताला।

ऐरी माई आंज सांवरेने मोकोहोरी खेलाई। अंतरा—वृंन्दावनकी कुंज गलिनमें अंवीरे गुलाले उडाई। कर ठगठोरी मोरी छैतीयां पकरे लीनी अंधरे चूमे मोरे टीकी लगाई। हंस हंसे रसेवंतीयां करकरके पिचकोरी भरवांई री मैं बडी शरमांईई।

होरी बिहारकी ताल तिताला।

आंज भयो धूमधाम होरी खेले जनकसुतो रघुवीर। अंतरा—पुरी अयोध्या रंगमें छाई चंदन केसर गुलाल अंवीर। पिचकारनकी मार मची है सखियां भर भर लावे नीर। यो सुख प्रभो अचल रहे तुलसी तिहारे शरण रणधीर।

होरी अडानाकी ताल धमाल।

सांवरा खेलने बुलाजे होरीके दिनेनमें फाग। अंतरा—अंबीर गुलाल उडावे धूम मचावे गावेगी फागन राग। व्रजवासिनेते घरघर फिरके जोरीसे लेवेगी फगुवाकी मांगे। नवल किशोरीके पांय परेगी अचल रहे यो सुहाग।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

होरी सिंधुरियाकी ताल रूपक।

होरी होरी होयं रही हे होरी हे या जोरी री मैं गोकुल नं आऊंगी। अंतरा—डगर चलत मोसे करी जकजोरी मोरी गगरीया फोरी री मैं गारी देहुंगी। अबीर गुलाल मलो मुख मोरी मोरी अंगीयां मसक वेइया मेरोरी मैं नंदसे कहुंगी। इतनी ढिटाई वाको कांहसे आई मग चलत करे ठगठोरी री मैं ब्रज न रहुंगी।

होरी काफीकी ताल सुलफाख्ता।

होरी एरी सखी मोए सावरे ने जोरीसे होरी खेलाई। अंतरा—मैं जो गई जल जमुनां भरनको मेगमें आन सताई। आकर बरजोरी मोरी अंगीयां मसकी बाहे पकर जटकाई। अबीर गुलाल मलो मुखं ऊपर चंदनं केसर लगाई। होरीको रूप बनाके खेलारी सखियनपे मोएं गारी गवाई।

लेह तालका मुख्तसर भेद वा कैफियत होनेसे लिखा गया है। हालके जमानेमें बारह (१२) तालें रिवाजमें हैं और अक्सर येही बरती जाती हैं। उनके नाम एकताला १, दोताला २, तिताला ३, चोताला ४, आडा चोताला ५, सवारी ६, खम्सी ७, कोकला ८, फरोदस्त ९, ब्रह्म १०, चिकताल ११, लछमी (लक्ष्मी) १२। बारह तालें रिवाजमें हैं। इनमेंसेभी कितनीक तालोंको अक्सर लोग नहीं जानते हैं और इन बारह तालोंमें एकताला दोताला व तिताला में कमी बेशी कर ज्यादे की गई हैं और बरतावमें हैं। इनका पूरा हाल आगे लिखा है और कितनीक तालोंकी परनेंभी लिख दी गई हैं इनसे सीखनेवालोंको आसानी होगी। लेह कई तरहकी हैं गिनती नहीं हो सक्ती जिससे लेहका हाल जो बरतावमें है वही लिख दिया गया है।

लेहका हाल।

१ लेह—लेह नाम एक अंदाजाका है किसी तालमें होवे, जो अंदाज

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain; Digitizagtion by eGangotri

उस तालका लघु गुरु पलट वगैरहसे है उसी मुजब रहेगा, कमी बेशी नहीं होवे और लेहकेही त्रेहकी है।

२ सम–उसको कहते हैं कि, जो गाने बजानेमें एक जगह समकी मुकरर होवे, किसीही तालमें हो उसी जगहपर ठीक सम आया करे, इसको कबीरकी छबभी कहते हैं।

३ विषम–उसको कहते हैं कि, हरगिज लेह ताल समसे निसबत नहीं होवे और सम आगे पीछे आया करे, ताल बदल जावे, इसको ऐबमें गिनते हैं।

४ अतीत–उसको कहते हैं कि, इसकी लेहमें सम जरा फासलेसे आवे जैसे टप्पे वगैरहमें, इसको नीमपुस्तभी कहते हैं।

५ अनागत–उसको कहते हैं कि, इसकी लेह पहिली तालसे उठे, समको छिपावे, कभी दिखावे और सम असली जगहपर नहीं आवे।

६ आडकुवाड–इसकी लेहमें सम आगे पीछे आवे और लेह इसकी आडी तिरछी होवे।

७ बराड–इसकी लेह टेडी होती है और सम टेढा तिरछा आगे पीछे आया करे है।

८ अलपत–इसकी लेह बराडसे ज्यादे पेचीदा होती है. इसमें सम न्याहेत मोड तोडसे आया करता है।

९ द्रुत–यह लेह जलदी है और जल्द रफ्तार कहलाती है।

१० मध्यम–यह लेह दरमियानकी है याने बीचकी या ठाहमें रहे है।

११ विलंब–यह लेह ठाहकी है, इसकी चाल धीरी और बराबर बोल आया करे, एकनमें दुगन तिगन चोगनभी होवे है।

१२ विलमपत–यह लेह मुसकिल है, न्याहेत धीरी इसमें एक आवरदा एक घंटेमें पूरी होवे है।

१३ समा–उस लेहका नाम है जो अवल आखिर दरमियान बराबर होवे।

Dr: Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१४ सरवकता—उस लेहका नाम है जिसकी लेह पहले जलदी पीछे ठाहमें होवे।

१५ मरदंगाला—उस लेहका नाम है जो अव्वल आखिर जलदी, बीचमें ठाह होवे।

१६ बेलका—उस लेहका नाम है जो अव्वल आखिर ठाह, बीचमें जलदी होवे।

गुंछा—उस लेहका नाम जो अव्वल ठाह, आखिर जलदी होवे।

बत्तीस तालें हाल रिवाजमें हैं एकताला पांच (५), दोताला चार (४), तिताला चौदह (१४) चोताला तीन (३), पंचताला दो (२), छेताला एक (१), दसताल एक (१), तेरह ताल एक (१), अठारह ताल एक (१), ये बत्तीस तालें जिनका हाल ठेका वगैरह आगे लिखा है जिससे सब हाल मुफसल मालूम होगा कि यह ताल इससे बनी और सम इस तरह आता है। ये तालें इस्तिमालमें लानेसे बखूबी समझमें आवेंगी।

तालोंका हाल।

१ आदिताल इसको एकतालाभी कहते हैं—द्रुत २, मात्रा १, कला १६, ठेकेके बोल ४, तादाद जर्ब एक, सम बीचमें। ठेका—धां धिनं तिकाकिट धुंम तिंका गदिगिन।

२ केहराव—द्रुत १, मात्रा ॥, कला ८, ठेकेके बोल २, तादाद जर्ब एक, सम बीचमें। ठेका—थीं गेना तिगें धिट।

३ मरेटी ठेका—द्रुत १, मात्रा ॥, कला ८, ठेकेके बोल २, तादाद जर्ब एक, सम पहिलीपर। ठेका—धीं त्रिक किटतिका।

४ केद—लघु १, विराम द्रुत १, मात्रा १॥।, कला २८, ठेकेके बोल ७, तादाद जर्ब एक, सम पहिलीपर। ठेका—गदि गिन धींकिट धुमाकिट तिका।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५ मुखताल—लघु १, अन्दुरत १, मात्रा १।, कला २०, ठेकेके बोल ५, तादाद जर्ब एक, सम पहिलीपर। ठेका—गिंना गिंन धींगई किंना किंन तींकई।

६ रूपक इसको दोतालाभी कहते हैं—विराम द्रुत २, द्रुत १, मात्रा २, कला ३२, ठेकेके बोल ८, तादाद जर्ब दो, सम दूसरीपर। ठेका—तिक धिंना गदिगिन धींधिनिनिक।

७ पश्तो—विरामद्रुत १, द्रुत १, मात्रा १।, कला २०, ठेकेके बोल ५, तादाद जर्ब दो, सम दूसरीपर। ठेका—धिंनानाना गि निनिक। दूसरा—धिं धाधा दिंनतिक। ऐसाभी है—धीन धा धा दीं नं तीक।

८ कव्वालि—लघु १, द्रुत १, मात्रा १॥, कला २४, ठेकेके बोल ६, तादाद जर्ब दो, सम बीचमें। ठेका—धां धींगात्रिक तां धींगाथिंन।

९ दाद्रा या दादरा—विरामलघु १, मात्रा १॥, कला २४, ठेकेके बोल ६, तादाद जर्ब दो, सम दूसरीपर। ठेका—धां धिंन धा धीं किटतिक।

१० उदिछना ताल धिमा तिताला—लघु २, गुरु १, मात्रा ४, कला ६४, ठेकेके बोल १६, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धींधिद गैतिर गिंना तिरकिट तुंना ताकिट गिडंनिग गदिगिन।

११ तीव्रा—लघु १, द्रुत २, मात्रा २, कला ३२, ठेकेके बोल ८, तादाद जर्ब तीन, सम तीसरीपर। ठेका—धिं धिकिट धुंमतिक धींकिट कत्ता।

१२ तेरतिया—लघु १, अन्दुरत १, मात्रा १।, कला २०, ठेकेके बोल ५, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धिंन धींधिदें किंटता ऐसाभी है—धीन धीं धींद कीटता।

१३ तपईया—द्रुत ३, मात्रा १॥, कला २४, ठेकेके बोल ६, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—तांत्रिक धींगई धिदें तां।

१४ झूमरा—लघु १, पलट १, मात्रा ४, कला ६४, ठेकेके बोल १६, तादाद जर्ब तीन. सम दूसरीपर। ठेका—धीं किट त्रिकतिका धुंमकिट गिननिक कत्ता तुंना थिंना थिंना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१५ लघुशिखर धमाल ताल—गुरु १, मात्रा २, कला ३२, ठेकेके बोल ८, तादाद जर्ब तीन, सम पहिलीपर। ठेका—धीं धिद धिद धींकडान् धीं तीं कें धिदधिद धींगई दिंन दिंनें तीं।

१६ छपका जपताला—लघु १, विरामद्रुत २, मात्रा २॥, कला ४०, ठेकेके बोल १०, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धींकिट धुंमकिट तिक तींतता तिंका गदिगिंन्।

१७ सोरफाखता इसको सुलफाख्ताभी कहते हैं—लघु २, द्रुत १, मात्रा २॥, कला ४०, ठेकेके बोल १०, तादाद जर्ब तीन, सम पहिलीपर। ठेका—धीं त्रिक धुमकिट धींतिक धीं तिका गदिगिन।

१८ सुलफ—लघु १, गुरु १, विरामद्रुत १, मात्रा ३॥, कला ६०, ठेकेके बोल १५, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरी पर। ठेका—धींगिन्ना धींकिट तिक धिंना गईतिट धींकिट तिकधिंना।

१९ जेत व रूपचंदी इसको चाचरभी कहते हैं—गुरु १, द्रुत १ मात्रा २॥, कला ४०, ठेकेके बोल १०, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धीं तिक धुंमकिटतिकीं किट तिक कंडान् तिक।

२० अदा—गुरु १, द्रुत २, मात्रा ३, कला ४८, ठेकेके बोल १२, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धींतिकाकिट धुंमत्रिक तिका कंत-कत ता धिंमकिट गिन्।

२१ ख्यालका ठेका—लघु १, विरामलघु १, द्रुत १, मात्रा ३, कला ४८, ठेकेके बोल १२, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरी जर्बबाद। ठेका-धिंदें धीं त्रिकें धुमकिट तिका तींतता तिंकाकिट तिकाकिट।

२२ पंजाबी ठेका—लघु १, गुरु १, मात्रा ३, कला ४८, ठेकेके बोल १२, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरीपर। ठेका—धींकिट तिका धुंमकिटतिक धींताकिट तिंकागदिगिन।

२३ टप्पेका ठेका—लघु १, विरामद्रुत २, द्रुत १, मात्रा ३, कला

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४८, ठेकेके बोल १२, तादाद जर्ब तीन, सम दूसरी जर्बके अगले बोलपर। ठेका—धिंमकिट तिक कँत धुँम किट गिनोंगई थिंनतोंकई।

२४ मजीबहट व चंदताल इसको चोताला कहते हैं—लघु २, द्रुत २, मात्रा ३, कला ४८, ठेकेके बोल १२, तादाद जर्ब ४, सम चौथीपर। ठेका—धौं त्रिक क्रत तिका धुंमकिट तिकाकिट किंटतिका गंदिगिन।

२५ द्रुत संगीत इसको आडा चोताला कहते हैं—लघु १, गुरु १ द्रुत १, मात्रा ३॥, कला ५६ ठेकेके बोल १४, तादाद जर्ब चार, सम तीसरीपर। ठेका—किंणकिट ध्लांनिध गदि गिन धौं भ्रिग गिनिनिक दिगँ-दिग ते ते।

२६ चितलखनत इसको सवारी कहते हैं—लघु २, गुरु १, पलट १ मात्रा ७, कला ११२, ठेकेके बोल २८, तादाद जर्ब चार, सम पहिलीपर। ठेका—धौं किट तिक धुम किट धों धिनिनिक धिनिनिक कडान तिक धौं ध्लानि घधुंधुकिट तिकगिड निग धाँ तिक किट तिकाकिट तिका गदिगिन।

२७ खम्सा—लघु २, गुरु १, द्रुत १, मात्रा ४॥, कला ७२, ठेकेके बोल १८, तादाद जर्ब पांच, सम पांचवींपर। ठेका—धौं तिकाकिट धुम तिंकिटतिकाकिट धांक्टितिक गिनिंनिक धिधितिक किटधिनि निंकं।

२८ कोकला—विरामलघु १, विरामद्रुत २, द्रुत १, मात्रा ३॥, कला ५६, ठेकेके बोल १४, तादाद जर्ब पांच, सम पहिलीपर। ठेका—धौं तिगिनधित धिंकिट धांधिक्टि तिका किट धाँता धाँकिट।

२९ फरोदस्त इसको फरदोस्तभी कहते हैं—लघु २, गुरु १, विराम-द्रुत १, मात्रा ४॥।, कला ७६, ठेकेके बोल १९, तादाद जर्ब छः, सम पहिलीपर। ठेका—धौं किटतिक धुमकिट तिका धुंमकिट तिक धंधिकिट धिंनिनिक धिंनिनिक किंटतिका गदिगिन।

३० ब्रह्मताल—गुरु २, पलट १, द्रुत १, मात्रा ७॥, कला १२०, ठेकेके बोल ३०, तादाद जर्ब दश, सम दशवींपर। ठेका—'धौं त्रिक धुम-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

किट धांधिकिट धिनिनिक धांता धांकिट धिमकिट धुंमकिट तांकिट तिंकिट तिकाकिट तिंकाकिट धुंधुकिट किट तिंका गदिगिन।

३१ चिकताल—लघु १, गुरु १, पलट २, मात्रा ९, कला १४४, ठेकेके बोल ३६, तादाद जर्ब तेरह, सम ग्यारहवींपर। ठेका—धांकिट धुंमकिट धंधिकिट तिकाकिट धागंई तिट तांगईतिट किंडतिक धिंन किंडतिक धिंन किडतिक धिंन किंडतिक धिंनाकिट तिका गिनंदिगिन् धां किट तिक धुम तिंनो धिंन धिंन नां।

३२ लक्ष्मी—लघु १, पलट १, विरामद्रुत १, द्रुत१, मात्रा ५।, कला ८४, ठेकेके बोल २१, तादाद जर्ब अठारह, सम अठारहवींपर। ठेका—धिं धिं नो धिं नों किंड तिकं धां धिं ना धिं नां ति गिनं किंट धां किंड तिकं धां तिगिन।

मुतफर्रिक परनें मुतफर्रिक तालोंकी।
परन तितालाकी।

१ धां धिंमाकिट धिमकिट कत्तांतूना धिं दिकिटि तिकधुम धां तींकिट तीकाकिट तींका तीका तीका किट ध्रिंगलांग ध्रीग।

२ धांकिट तिकधुम त्रीं कतातूना धुंमकिटतिक किट धुंमकिट धुमकिट धुंमकिट तीक धुम तिं का तिका तिका तिका कींट तीका गदीगिन धां तिगी नधीत।

३ धां धुमकिट धां किणकिट कैंडानकडान कींड तिका गदीगान धां गिडनीग जग धांध्रीग निदीधीत त्रीक त्रिक दीग निदि धींता धीता।

४ धां धित धां तिका गिनिनिक तुंनिक तात्रिक धांघ्ला निधधिट धां दिगजगनिड धांतिका किटतिका तिंकाकिट धातां अं भी ताकिड।

५ तुंनाकतधा तेदा धिमकिट धांतां किग कुंकुथो कुकुथो तिका तीका तिकिट किंटतिका गदीगिन धांदधीन धीन दिगंदिग तेते।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

परन चोतालाकी।

१ धाँ किट तिकागिन धाँकिट तिकधुम धाँतिका गँदिगिन धाँकिटगदिगिन धाँतिका गदिगिन धाँता धाँकिट।

२ धाँ किट तिकाधुम धिंदाकिट तिकाकिट तिं किट तिंकाकिट धाँता धुमकिट धाँतिका किडनिग किंटतिका गँदिगिन।

३ धाँ धिद गईतिर गिंना तिराकिट तुंना त्रिकीट धाँकिट तिकधुम धिमकिट त्रिकता गिं निनिक गँदिगिन।

४ ध्रौं किड त्रिकर्कित दिगंदीग तेते थौंगिद गिं नितिक धाँघ्लानी घधुम दिगंकिट क्रांततत तुंनीं ककडांनतिक।

परन ताल झूमराकी।

१ धाँ तिगिनधित धितंतिगिनधित ताँकिटटिकातिट धिं निनिकधिनिनिक धाँधिदगिनिनिक धाँधिदिकिटतिका तिकाँतिका तुंनना थौंनाथौंना।

परन आडा चोतालाकी।

१ धाँ धिनिनिकातिक धिं निनिक धिनिनिक धिं दिकिट किंटतिका गदीगिन धाँथिन कितथुम दंथीनिक किंटतिक कुंकुथो कीटतिका कडानतिक।

२ धाँ कडान कडान धलाँनिधक्रिट धुम धाँता धाँतिका गदिगिन धाँकिड तिका किट धाँतिगनधित जें ते ते ते धुमकिट।

३ धाँ धिते तिते थुंनतीक थुनध धंतुनिक ध्रिंगलांग ध्रिग धाँकडान तीक धाँकिण किटतिका तिंकातिका किंटतिका गदीगिन।

४ तिंकाकिट धाँकिट तकिट तिं काकिट तिक धुमकिंट तिकधित ता किंटतिक धुंमकिट तिकधुम किंटतिक धुमकिट धुंमकिट धुमकिट।

परन ताल सवारीकी।

१ धाँ धिनितिक धुमधिंनिनिक धिनिनिक दधिकित दधीकित थुंमकित थिंना किटतिग नधित धाँधिटिन तिकगिडनिग नदीगिन।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२ धाँ कित क्रांत तिकाकिट धाँधध्ला निधात्रिक थुंकिट तिक धां कडानः कुकुथो तिकध्ला धुमकिट धाँतिक धाता दिगतिका गदीगिन ।

परन ताल चाचरकी ।

१ धाँ श्रीग धुमकिट त्रिकताउना घिटं ताकिट धाँतिक धींदिकिट तिंका तिका किट तिंका गदिगिन ।

परन ताल जपतालाकी ।

१ धाँध्ला भ्रिंग थिनकिट तिटंता तिं गिनाधित धाँकिट धुंमतिंका किट कैतता तिंका गदीगिन ।

परन ताल धमालकी ।

१ धाँधिनानिक देधीनतिक धिनं निंक धां धिदकिट धुंमतिक किट गिं निनिकं ।

परन ताल सुलफाख्ताकी ।

१ धाँ तिक धुमकिट धिमंत्रिक धाँकडानतिक धाँ धिनिनिक तिक धांता धिंदिकिट गिनिनिक ।

परन ताल कोकलाकी ।

१ धाँ किट तिकधुम किंटतिका तिकिंटतिका किट गिंना गिंना धांधु दुकिटातिका धिमंकिट धुंमकिट धुमकिट किंटतिका गंदिगिन ।

परन ताल खम्साकी ।

१ धाँधधिनधिन धुंमतिक धदीकिट धाँकिटतिक गिनि निंक धाकिट तिकधिनि निंक धाँता भ्रिगदिग तिंकिट तिकाकिट धिं दिकिट धिमकिट धिंनिनिक किटतिका गदीनिनं ।

परन ताल फरोदस्तकी ।

१ धाँ किटतिक धुमंकिट तिक धिमंकिट तिक तिंकिट तिकां क्रिट तिंका तिका किंट तिका गदिगिन धाँ किट धिद धिंदिकिट धुम धंधीनधिन धाँकिट ताँकिट धांता किटंतिका गदिगिन ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

परन ताल ब्रह्मकी।

१ धांकिट धुमकिट जंगनिध धांता ध्रिगनिध धिंदिकिट धिं दि किट कुकु ध्रिगतुन नि कतिकिट तिकांकिट किटतिका गदिगिन धांकिट धिदिकिट।

परन ताल चिकतालकी।

१ धिंदिकिट धिमांकिट धिंनिनिक धिनिनिक धांगई तट धांता किट गिडनिगथिन धुंमकिट तिक तिंगिनधित किटतिका गंदिगिन धांकिट धिदि-किट धांकिट तिका किट धुंम।

परन ताल लक्ष्मीकी।

१ धिंन धिंन नां धिंन नां किंड तिकं धां धिंन ना. धिंनं नां ति गिनं किंट धां किंडं तिकं धां तिगिन।

६१६।१५.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना—
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
"लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापाखाना,
कल्याण–मुंबई.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीमहर्षिपतञ्जलिप्रणीत योगदर्शन।

श्रीमत्पंडित–रामभक्तरचित–छन्दोबद्ध देशभाषाकृत व्यास भाष्यछायाऽनुरूप वार्तिक तिलकसमेत.

यह योगदर्शन श्रीमत् महर्षि पतञ्जलिने सर्व जगत्मात्रके सुखके निमित्त संस्कृत सूत्रोंमें निर्मित किया परंतु इस समयमें बहुधा लोग संस्कृत विद्यासे शून्य होनेके कारण इससे लाभ नहीं उठा सक्ते इसलिये पं० रामभक्त आगरानिवासीसे सर्व-साधारणके समझने और लाभ उठानेके अर्थ श्रीमत् महर्षि व्यासभाष्यानुसार छन्दोबद्ध दोहा, चौपाई, छन्द, सोरठामें रचना कर उसका तिलकभी वार्तिक सरल देशभाषामें तैयार किया है। यह पुस्तक सर्व साधारण और साधुमहात्माओंके परमोपयोगी है इसके दृढ साधन और अभ्यास करनेसे प्राणीको सर्व सुखोंका मूल जो मोक्षसुख है वह प्राप्त हो सक्ता है फिर अणिमादि सिद्धि तो कुछ दुर्लभही नहीं. मूल्य केवल १ रुपया.

विक्रयार्थ नूतन पुस्तकें.

काव्यमंजरी (पदुमनदासकृत) दाम १ रु.
सनातनधर्मभजनमाला दाम ६ आना.
गोपालविलास (श्रीकृष्णजीके विचित्र चरित्र) दाम .... १॥ रु.
धन्वंतरी वैद्यक ग्रन्थ भा. टी. दाम ५ रु.
स्मृतिरत्नाकर (धर्मशास्त्रका प्रामाणिक ग्रन्थ) दाम .... २ रु.
बृहद्दैवज्ञरंजन (ज्योतिषके मुहूर्त, जन्मपत्र, संस्कार, वास्तुप्रकरण, यात्रा, विवाह, प्रतिष्ठा आदि ६०० विषयोंका संग्रह.) दाम .... २॥ रु.
श्रीकृष्ण क्रीडाकासार (दस लीला हैं.) दाम .... ८ आना.
हनुमन्नाटक भाषाटीका दाम .... १। रु.
सांवत्सरीपद्धति भाषाटीका दाम १ रु.
सिद्धांतचंद्रिका उत्तरार्ध भा. टी. दाम ३॥ रु.
कर्मविपाकव्याध्यनुसार (नवीन) दाम १। रु.
काव्यप्रभाकर सटीक (नूतन) दाम ६ रु.
हिन्दी इंग्रेजी डिक्सनरी दाम .... १॥। रु.
संस्कृत धातुकोष भा. टी. दाम.... १ रु.
रामगुलाम शब्दकोष (हिंदी) दाम १॥ रु.
मुहूर्तसंग्रहदर्पण भा. टी. दाम .... १॥ रु.
अनर्घनलचरित्र (महानाटक) दाम १ रु.
जातकसंग्रह भा. टी. (ज्योतिष) दाम २॥ रु.
विवाहवृंदावन भा. टी. (ज्योतिष) दाम १ रु.
रामरसोदधि सुंदरकांड (दोहा-चौपाई) दाम .... १ रु.
नूरजहाँ उपन्यास दाम .... १२ आना.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना–गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
"लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापाखाना, कल्याण–मुंबई.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi